

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 1981/भाद्र 14, 1903

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1981/BHADRA 14, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

मंत्रिमण्डल सचिवालय

नई दिल्ली, 26 जून, 1981

का० आ० 2300.—मंत्रिमण्डल सचिवालय के सुरक्षा स्कंध के, भर्ती, काडर और सेवा के नियम 21-10-75 को लागू हुए और उन्हें कर्मचारियों के परीक्षण तथा निरीक्षण के लिए उक्त कार्यालयों में रखे गये थे। अब पुनः उन्हें कर्मचारियों के परीक्षण तथा निरीक्षण के लिए उक्त कार्यालयों में रखा गया है।

[अधिसूचना संख्या 1/1981]

ए० चन्द्रशेखर, संयुक्त सचिव

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, the 26th June, 1981

S.O. 2300.—The Rules relating to Recruitment, Cadre and Service of the Security Wing of the Cabinet Secretariat, which came into force on 21st October, 1975 and which were placed in the offices of the said Wing for perusal and inspection by the employees concerned, have been once again placed in the said offices for their perusal.

[Notification No. 1/1981]

A. CHANDRASEKHAR, Jt. Secy.

616 GI/81—1

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1981

का० आ० 2301.—सिख गुरुद्वारा चुनाव जांच नियमावली, 1925 के नियम 9 के उप-नियम (1) और नियम 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, चुनाव क्षेत्र "82-कर्नाल" में मार्च, 1979 में हुए शिरोमणि-गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनावों से संबंधित चुनाव याचिका में लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए एक जांच बोर्ड नियुक्त करते हैं जिसमें एकमात्र जिला तथा सत्र न्यायाधीश कर्नाल श्री एन० एस० राव होंगे, और यह निदेश देते हैं कि उक्त बोर्ड का मुख्यालय कर्नाल में होगा।

[संख्या एस० 13015/3/80-एस० भार]

श्री० पी० कालड़ा, प्रवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th August, 1981

S.O. 2301.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 9 and rule 10 of the Sikh Gurdwara Election Enquiries Rules, 1925, the President is pleased to constitute an Enquiry Board consisting of Shri N. S. Rao, Sessions Judge, Karnal, to hold an enquiry

(2963)

tions made in the election petition relating to the elections of the Shiromani Gurdwara Prabandhak Committee held in March, 1979 in Constituency "82-Karnal", and to direct that the headquarters of the said Board shall be at Karnal.

[No. S-13015/5/80-SR]

O. P. KALRA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1981

आयकर

क्र० आ० 2302.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करने हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 15 मई, 1980 की अधिसूचना संख्या 3297 (फा० सं० 398/1/80-आ० क्र० सं० क्र०) का अधिलेखन करने हुए केंद्रीय सरकार, एतद्वारा श्री आर० के० शाह को, जो केंद्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री आर० के० शाह द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4134/फा० सं० 398/17/81-आ० क्र० सं० क्र०]
एच० वेंकटरामन्, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 27th July, 1981

INCOME TAX

S.O. 2302.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3297 (F. No. 398/1/80-JTCC) dated 15-5-80, the Central Government hereby authorises Shri R. K. Shah, being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date, Shri R. K. Shah takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4134/F. No. 398/17/81-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Director.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1981

वैदेशिक प्रभाग

क्र० आ० 2303.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, एतद्वारा श्री के० चन्द्रशेखर को चित्रदुर्ग ग्रामीण बैंक, चित्रदुर्ग का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 5 अगस्त, 1981 से प्रारम्भ होकर 4 अगस्त, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि को ~~अध्यक्ष~~ के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के० चन्द्रशेखर के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 1-1/81-आर० आर० बी०]

दिनेश चन्द्र, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 4th August, 1981

BANKING DIVISION

S.O. 2303.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. Chandra Shekhar as the Chairman of the Chitradurga Gramin Bank, Chitradurga and specifies the period commencing on the 5th August, 1981 and ending with the 4th August, 1984 as the period for which the said Shri K. Chandra Shekhar shall hold office as such Chairman.

[No. F. 1-1/81-RRB]

DINESH CHANDRA, Director.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1981

क्र० आ० 2304.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के खण्ड (3) के अनुसरण में विनीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विनीय शक्तियों का प्रत्यायोजन (द्वितीय संशोधन) नियम, 1981 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विनीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 में:—

(क) नियम 21 के विद्यमान द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

'परन्तु यह और कि पूर्ण विभाग की वषा में भारत में या विदेश में केंद्रीय कय संगठन द्वारा कय के लिये खण्ड (क), (ख) और (ग) के अधीन धन संबंधी परिसीमाएं दो करोड़ रुपये होंगी।'

(ख) अनुसूची 5 के उपबन्ध में:—

(क) क्रम संख्यांक 3 के सामने, स्तम्भ 4 में 'साधारण टिप्पणी' शीर्षक के अधीन:—

(क) विद्यमान पैरा (i) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

“(i) किसी सरकारी सेवक को, चाहे वह अराजपत्रित हो या राजपत्रित ऊपर पैरा (1) में उल्लिखित आधार पर प्रतिपूर्ति किये गये टैक्सी भाड़े या अन्य सवारी भाड़े की कुल रकम किसी भी एक मास में 75 रु० से अधिक नहीं होगी।”

(ii) विद्यमान पैरा (vi) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा अर्थात्:—

(vi) यदि किसी सरकारी सेवक को 8 बजे सायं और 6 बजे प्रातः के बीच ब्यूटी पर बुलाया जाये या कार्यालय में 8 बजे सायं के पश्चात् रोका जाये और उसे 6 बजे सायं और 6 बजे प्रातः के बीच घर लौटना हो जब वाहन के मामूली साधन उपलब्ध न हों, तो उसे टैक्सी के या अन्य वाहन के वास्तविक भाड़े की प्रतिपूर्ति की जा सकेगी, परन्तु यह तब जब कि उसे कार्यालय में अधिक देर तक रुके रहने के लिये कोई पारिश्रमिक न मिलता हो और उसके पास कोई अपना वाहन न हो या वह अपने वाहन का उपयोग करने में असमर्थ हो और यदि यह भी है कि राजपत्रित आफिसर की दशा में विभागाध्यक्ष का और अराजपत्रित सरकारी सेवक की दशा में कार्यालय के प्रधान का इस प्रभाव का प्रमाण-पत्र हो कि उस आफिसर को 8 बजे सायं के पश्चात् बुलाया/रोका जाना लोक सेवा के हित में था।’

(ख) कम संख्यांक 21(क) के सामने, स्तम्भ 3 में, सब (ii) की विधिवान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

“(ii) कार्यालय उपयोग के लिये प्राशयित से भिन्न, गोपनीय सामग्री के मुद्रण के संबंध में अवेकित, लेखन सामग्री स्टोरी के रूप के लिये महा प्रबन्धक, इण्डिया सिक्योरिटी प्रेस और महा प्रबन्धक, करेसी नोट प्रेस की दशा में पूरा शक्तियाँ; और

(ग) कम संख्यांक 26 को कम संख्यांक 26(क) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित कम संख्यांक के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्यांक 26(ख) के रूप में अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

1	2	3	4
26(ख)	सभी प्रकार के कम्प्यूटरों किराये पर लेना और उनका शक्तियाँ धमुरक्षण	पूरी शक्तियाँ	अन्तरक्षण (जिसके अन्तर्गत भरभूमन श्री है), उसे पास रखने पर जब कार्य किसी पब्लिक सेंटर उपक्रम को सौंपा गया है और जब समयबद्ध कार्य पूरा किया जाना है किन्तु विद्युत् के बन्द होने, अनियमित विद्युत् प्रवाह, अल्प सूचना पर विशेष प्रकार के कम्प्यूटर पुर्जों की अनुपलब्धता आदि के कारण अत्यावश्यकता की दशा में ब्लॉक समय के लिये किराये पर लेने की दशा में व्यय वित्त मंत्रालय या इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा समय समय पर इस निमित्त जारी किये गये साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए उपगत किया जायेगा।”

[सं० एफ० 1(14)/ई-II(ए)/30]

बी०सी० तिवारी, अवर सचिव

टिप्पणः—ये नियम, साप्ताहिक राजपत्र, भाग 2, खण्ड (3), उपखण्ड (ii) तारीख 22 जुलाई, 1978 से का०प्रा० 2131 द्वारा प्रख्यापित वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का द्वितीय संशोधन नियम 1981, है।

(Deptt. of Expenditure)

New Delhi, the 7th August, 1981

S.O. 2304.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Second Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delegation of Financial Powers Rules, 1978,—

(A) for the existing second proviso to rule 21, the following shall be substituted, namely :—

“Provided further that in the case of Department of Supply monetary limits under clauses (a), (b) and (c) shall be rupees two crores for purchases by the Central Purchasing Organisation in India or abroad”;

(B) In Annexure to Schedule V—

(a) Against Serial No. 3, in column 4 under the heading ‘General Notes’ :—

(i) for the existing paragraph (i), the following shall be substituted, namely :—

“(i) The total amount of taxi hire or other conveyance hire reimbursed to a Government servant whether gazetted or non-gazetted on the basis mentioned in paragraph (1) above in any one month shall not exceed Rs. 75”;

(ii) for the existing paragraph (vi), the following shall be substituted, namely :—

“(vi) If a Government servant is called to duty between 8.00 P.M. and 6.00 A.M. or is detained in office beyond 8.00 P.M. and has to return between 8.00 P.M. and 6.00 A.M. when ordinary means of conveyance are not available, actual taxi, or other conveyance hire may be reimbursed to him provided he is not in receipt of any remuneration for prolonged detention in office and is not in possession of his own conveyance or is not able to use his conveyance and subject also to the condition that a certificate from the Heads of Departments in the case of gazetted officer and Heads of Offices in the case of non-gazetted Government servants is forthcoming to the effect that the officer had to be called/detained after 8.00 P.M. in the interest of public service”;

(b) Against Serial No. 21(A), in column 3, for the existing entries at item (ii), the following shall be substituted, namely :—

“(ii) Full powers in the cases of General Manager, India Security Press and General Manager, Currency Note Press for purchase of stationery stores, other than those intended for office use, required in connection with security printing”;

(c) Serial No. 26 shall be re-numbered as Serial No. 26(a) and after the Serial No. so re-numbered the following shall be inserted as Serial No. 26(b), namely :—

1	2	3	4
“26(b)	Hire and maintenance of computers of all kinds.	Full powers.	The expenditure on the maintenance (including repairs), upkeep when the work is entrusted to a ‘Public Sector Undertaking’ and hire for block time in case of exigency faced by breakdowns, erratic power supply, non-availability of computer spares of special nature at short notice etc. when time bound work has to be completed, shall be

1	2	3
		incurred subject to general or special instructions issued by the Ministry of Finance or Department of Electronics form time to time in this behalf".
[No. F.1(14) E.II(A)/80] V. C. TEWARI, Under Secy.		

NOTE :— These are second Amendment Rules, 1981 to the Delegation of Financial Powers Rules, 1978 promulgated vide S. O. 2131 appearing in Part II, Section (3), Sub-Section (ii) of the Weekly Gazette dated July 22, 1978.

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय

गुन्टूर, 27 जून, 1981

क्र० आ० 2305.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अधीन और नियम 12 तहत में निहित शक्तियों के अधीन इस कार्यालय की दिनांक 4-6-1971 की अधिसूचना संख्या 1/71 द्वारा वित्त मंत्रालय की दिनांक 17-11-62 की अधिसूचना सं० 197/62-कें० उ० शु० के परन्तुक (V) के संबंध में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ताओं को प्रत्यायोजित शक्तियों के अधिकरण में, मैं इसके द्वारा, मुझ में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ताओं को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में, वित्त मंत्रालय की दिनांक 12-11-1980 की अधिसूचना सं० 178/80-कें० उ० द्वारा प्रतिस्थापित वित्त मंत्रालय की दिनांक 17-11-1962 की अधिसूचना सं० 192/62-कें० उ० शु० के परन्तुक (V) के संबंध में, भांडागार भ्रष्टाचार मास का उत्पादन करने वाले कारखाने से, मास के निर्यात की प्रवृत्ति को, उस तिथि से जब कि निर्यात के लिए मास को निकासी पहली बार की गयी थी, 4 महीने से परे बढ़ाने की, समाहर्ता की शक्तियां प्राधिकृत करता हूँ।

[अधिसूचना संख्या 4/81/का० सं० IV/16/20/81/एम०पी०-2]
डी० कृष्णमूर्ति, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Guntur, the 27th June, 1981

S.O. 2305.—In exercise of the powers vested in me under rule 5 of Central Excise Rules 1944 and in supersession of the powers of Collector of Central Excise delegated in respect of proviso (v) of Ministry of Finance notification No. 197/62-CE dated 17-11-1962 issued under the powers vested in rule 12 ibid vide this office Notification No. 1/71, dated 4-6-1971, I hereby empower the Asst. Collectors of Central Excise to exercise within their jurisdiction, the powers of Collector of Central Excise in respect of proviso (v) of Ministry of Finance Notification No. 197/62-CE dated 17-11-1962 substituted by Ministry of Finance Notification No. 178/80-CE, dated 12-11-1980 for extending the period of export of goods beyond 4 months from the date on which the goods were first cleared for export from the producing factory or the warehouse.

[Notification No. 4/81/F. No. IV/16/20/81MP2]
D. KRISHNAMURTI, Collector.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय

केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र

निरस्त-प्रादेश

नई दिल्ली, 6 जून, 1981

क्र० आ० 2306.—मैसर्स : पंजाब वैस्ट प्लांट क्र० 92, इण्डस्ट्रियल एरिया सखीगढ़-2 को एक आयात लाइसेंस सं० पी०/सी०/2215257 1 टी०/पी०आर०/71/डी०/79 दि० 30-4-79 बास्ते 807331/- रु०

पोलैन्ड से तीन स्विफ्ट कार्डिंग सेट के आयात हेतु दिया गया था। उन्होंने आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1981-82 के पैरा 351-352 के अन्तर्गत एक शपथ-पत्र इस आधार पर प्रस्तुत किया है कि उनके आयात लाइसेंस सं० पी०/सी०/2215257/दि० 30-4-79 बास्ते 8,07,331 की कस्टम हेतु काफी बिना किसी कस्टम पर पंजीकृत किए तथा बिना इस्तेमाल किए ही खो गई हैं और उन्हें इसकी 8,07,331 रु० बास्ते एक अनुलिपि (डुप्लीकेट) काफी की आवश्यकता है।

2. मैं सन्तुष्ट हूँ कि उपरोक्त लाइसेंस की कस्टम हेतु काफी खो गई है।

3. अतः, आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा 9(CC) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम काफी निरस्त करने का आदेश देता हूँ।

4. आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्यविधि-पुस्तिका 1981-82 के अनुसार उपरोक्त लाइसेंस पी०/सी०/2215257 दि० 30-4-79 बास्ते 807331/- रु० की कस्टम काफी की अनुलिपि (डुप्लीकेट काफी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं० सी०जी०/एस०एस०आई०/137/ए०एम०-79/ए०यू०-II/सी०एलए]
माया दास गुप्ता,

उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
क्षेत्र, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 6th June, 1981

S.O. 2306.—M/s. Punjab Waste Plant Co., 92, Industrial Area, Chandigarh-2 were granted Import Licence No. P/C/2215257/T/PR/71/D/79 dt. 30-4-79 for Rs. 8,07,331 for import of Three Swift Carding set for import from Poland. They have filed an affidavit as required under paras 351-352 of Hand Book of Import Export Procedure 1981-82 wherein they have stated that the custom clearance purpose copy of Licence No. P/C/2215257 dated 30th April, 1979 for Rs. 8,07,331 has been misplaced without having been registered with any customs Authority and utilised at all and the duplicate custom clearance copy is required for the same amount i.e. Rs. 8,07,331.

2. I am satisfied that the Custom purpose copy has been misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under clause 9(CC) in the Import Trade Control Order 1955 dt. 7-12-55 and amended upto date the Custom Clearance Purpose copy of the said Licence No. P/C/2215257 dt. 30-4-79 is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued duplicate custom clearance purpose copy of Licence No. P/C/2215257 dt. 30-4-79 for the value of Rs. 8,07,331 in accordance with the provision of para 351 of Hand Book of Import Export Procedure 1981-82.

[No. CG/SSI/137/AM-79/AU-II/CLA]

(Miss) MAYA DASS GUPTA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

For Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

सागरिक पूर्ति मंत्रालय



भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1981-08-13

क्रा० आ० 2307.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों की डिजाइनों उनके शाब्दिक विवरण तथा सम्मन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1951 और उसके अर्थात् बने नियमों और विनियमों के ये मानक चिह्न प्रत्येक के आगे की गई निधियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्मन्धी भारतीय मानक की पद-संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.		भोजन परोसने के स्टेनलेस इस्पात के बर्तन	IS : 3258—1975 भोजन परोसने के लिए स्टेनलेस इस्पात के बर्तनों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखायी गयी गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या भी गई है।	1980-04-16
2.		घरेलू उपयोग के लिए संश्लिष्ट और प्रक्षालक पाउडर	IS : 4955-1978 घरेलू उपयोग के लिए संश्लिष्ट और प्रक्षालक पाउडर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखायी गयी गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर मानक की संख्या तथा वर्ष दिया गया है।	1981-02-16



[म० मी० एम० डी०/13 : 9]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
New Delhi, the 1981-08-13

S.O. 2307.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules, and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Stainless steel serving utensils	IS : 3258—1965 Specification for stainless steel serving utensils	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
2.		Synthetic detergent powders for household use	IS : 4955—1978 Specification for synthetic detergent powders for household use	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1981-02-16

[No. CMD/13 : 9]

क्रा० आ० 2308.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिज्ञान) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुद्र लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है और ये फीस प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से लागू होंगी :

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्प./उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुद्र लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	भोजन परोसने के स्टेनलेस हस्पात के बर्तन	IS : 3258-1975 भोजन परोसने के स्टेनलेस हस्पात के बर्तनों की विशिष्टि	100 किलोग्राम	रुपये 1.50	1980-04-16
2.	घरेलू उपयोग के लिए संश्लिष्ट प्रक्षालक पाउडर	IS : 4955-1978 घरेलू उपयोग के लिए संश्लिष्ट और प्रक्षालक पाउडरों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिए, और (2) रु० 1.00 प्रति इकाई 1001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1981-02-16

[सं० सी० एम० बी०/13 : 10]

S.O. 2308.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Stainless steel serving utensils	IS : 3258—1965 Specification for stainless steel serving utensils	100 kg.	Rs. 1.50	1980-04-16
2.	Synthetic detergents powders for household use	IS : 4955—1978 Specification for synthetic detergent powders for household use	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 1000 units, and (ii) Rs. 1.00 per unit for the 1001st unit and above	1981-02-16

[No. CMD/13 : 10]

नई दिल्ली, 1981-08-19

क्रा० आ० 2309.—भ्रमय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	पिछ राजपत्र अधिसूचना में भारतीय मानक तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और तिथि	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 261—1986 काँपर मल्फेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एम० प्रो० 2177 तिथि 1967-07-01	नं० 1 विसम्बर 1978	[पृष्ठ 4, खंड 2.1 (बी)] वर्तमान मैटर के स्थान पर निम्नलिखित कर लें : "बी शुद्ध-परिष्कृत रसायन और औद्योगिक प्रयोग के लिये।"	1978-12-31

1	2	3	4	5	6
2. IS : 285—1974 कपड़े धोने के साबुन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 3279 तिथि 1976-09-11	* संख्या दिसम्बर, 1978	यह सोचा गया था कि अलकोहल में अशु- सनशील पदार्थों की अपेक्षा द्वारा नमक (सोडियम क्लोराइड) की अपेक्षा भी भी नियंत्रित रहेगी। परन्तु वास्तव में ऐसे नहीं पाया गया और जो साबुन रक्षा संस्थानों को मिला उसने देखा गया कि अधिक नमक की मात्रा ने साबुन के कुछ समय रखने पर समस्या पैदा की और कुछ हद तक साबुन के प्रयोग पर असर डाला। सम्बद्ध तकनीकी समिति ने अतः फिर से नमक की मात्रा पर इस संशोधन नं० 1 द्वारा अपेक्षा लगाई है।	1978-12-31	
3. IS : 398 (भाग 3)—1976 शिरोपरि विद्युत संचार के लिये एलुमिनियम चालक की विशिष्टि, भाग 3, एलुमिनियम युक्त इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक (दूसरा पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 1977-11-19	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 15, परिशिष्ट बी, प्रतीक- चारिक तालिका, कॉलम 3, दूसरी और चौथी प्रविष्टि)— ("76" के स्थान पर "75" और "74" के स्थान पर "62" करें) (2) (पृष्ठ 15, "*" तारांकित पाद टिप्पणी—काट दी जाए।	1978-12-31	
4. IS : 617—1975 सामान्य इन्जीनियरी उपयोग के लिये एलुमिनियम और एलुमि- नियम मिश्र धातु के बॉल्ड और बलार्डों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 3530 तिथि 1977-11-19	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 5, तालिका 1, कॉलम 6, क्रम संख्या 14 के सामने)—"0.2—0.4" के स्थान पर "0.2—0.4" करें।	1978-12-31	
5. IS : 1254—1975 नालीदार एलुमि- नियम चाबड़ों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 2239 तिथि 1978-08-05	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 6.1, 6.2 और 6.4 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं।	1978-12-31	
6. IS : 1288-1973 बलिज जिपसम और जिपसम पदार्थों की परीक्षण पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 4690 तिथि 1975-11-01	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 14.4 के पश्चात् खंड 15 जोड़ा गया है।	1978-12-31	
7. IS : 1239 (भाग 1)—1973 मृदु इस्पात की नलियाँ, नलिकाकार और अन्य पिटकों इस्पात की फिटिंग की विशिष्टि भाग 1 मृदु इस्पात की नलियाँ (तीसरा पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 776 तिथि 1966-12-21	संख्या 5 दिसम्बर	(1) (खंड 14.1.1 टिप्पणी सहित खंड 14.1.1 के स्थान पर नया दिया गया है। (2) खंड 0.2.2 के पश्चात् खंड 0.2.3 जोड़ा गया है।	1978-12-31	
8. IS : 1370—1976 धर्षण सतह के लिये रबड़ संचारण पट्टियों की विशिष्टि		संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 2, खंड 2.3)—इसको काटिये। (2) खंड 2.2 के नीचे अनौपचारिक तालिका का संशोधन किया गया है। (3) परिशिष्ट एक के बाद परिशिष्ट जी जोड़ा गया है। (4) (पृष्ठ 6, व्याख्यात्मक टिप्पणी, दूसरा अनु- च्छेद के अन्त में निम्नलिखित पाद ओड़िये) : "उत्पादक और उपभोक्ता को मार्ग दर्शन के लिये पट्टे की मोटाई का परास परिशिष्ट जी में दिया गया है।	1978-12-31	
9. IS : 1370 (भाग 5)—1972 पिटकों इस्पात की सूची भाग 5 जंगरोधी और तापरोधी इस्पात (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 1504 तिथि 1975-05-24	संख्या 2 दिसम्बर 1978	तालिकाएं 5, 6, 10, 11, 12, और 15 संशोधित की गई हैं।	1978-12-31	
10. IS : 1667—1971 टॉफी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 3163 तिथि 1973-11-10	संख्या 3 दिसम्बर 1978	[पृष्ठ 4, खंड 3.1.1 क्रम संख्या (जे)—वर्तमान] पाठ की जगह निम्नलिखित कथित : "अन्तकारी पदार्थ, खाद्य श्रेष्ठ"	1978-12-31	

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन बिन्दु योजना के लिए यह संशोधन 1979.05.01 से लागू होगा।

1	2	3	4	5	6
11. IS : 1950—1962 गैर-औद्योगिक इमारतों के ध्वनि-रोधन करने की रीति संहिता ।	एस० प्रो० 3100 तिथि 1962-10-13	संख्या 1 दिसम्बर 1978	प्राकृति 3 और 6 डी की जगह नयी प्राकृतियाँ दी गई हैं।	1978-12-31	
12. IS : 1971—1975 हस्तचालित भवि-राम एक नाली वाले रफाबदार पम्प की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या 3 दिसम्बर 1978	(1) खंड 1.1.1 और 5.14.2 की जगह नये खंड दिए गये हैं। (2) खंड 5.9 का संशोधन किया गया है।	1978-12-31	
13. IS : 1993—1974 शीत-अपवित्त-टीन की चादर और शीत-अपवित्त काली लोहे की चादर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 987 तिथि 1976-03-06	संख्या 3 दिसम्बर 1978	(1) खंड 5.1.2, 5.1.3, 5.2.2, 5.2.3, 5.3.1, 5.3.2, 10.1.2, 10.3.1, 10.3.2, 11.1.1, 12.7.1 और ए-4.3 की जगह नये खंड दिये गये हैं। (2) खंड 11.1.1 का संशोधन किया गया है। (3) चित्र 3 का संशोधन किया गया है। (4) खंड 5.3.2 के बाद एक नया खंड 5.3.3 जोड़ा गया है और वर्तमान खंड 5.3.4 किया गया है। (5) तालिका 4 के अन्त में एक टिप्पणी जोड़ी गई है। (6) तालिका 5 में टिप्पणी 2 के पश्चात् टिप्पणी 3 जोड़ी गई है।	1978-12-31	
14. IS : 2361—1970 बुलडॉग ग्रिप्स की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 1277 तिथि 1972-05-27	संख्या 2 दिसम्बर 1978	(1) तालिका 1 का संशोधन किया गया है। (2) खंड 4.1 का संशोधन किया गया है। (3) खंड 5.4.1 की जगह एक नया खंड दिया गया है। (4) पृष्ठ 5 पर वर्तमान “*” बिन्दु के बाद टिप्पणी के स्थान पर एक नई टिप्पणी दी गई है।	1978-12-31	
15. IS : 2586—1975 बाँक (मशीन चालक वाहस) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 2 की अनौपचारिक तालिका का संशोधन किया गया है।	1978-12-31	
16. IS : 2992—1965 रोशन प्रसिरोधिता भापने के यंत्र	एस० प्रो० 2042 तिथि 1965-06-26	संख्या 3 दिसम्बर 1978	(1) खंड 9.2 (ए) के वर्तमान सैटर में परिवर्तन किया गया है।	---	
17. IS : 3010 (भाग 2)—1965 उपकरण संयोजक और अन्तर्गम (अप्रति-वर्ती 3 पिन किस्म का) की विशिष्टि, भाग 2 उपकरण अन्तर्गम	एस० प्रो० 281 तिथि 1966-01-22	संख्या 3 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 4, खंड 1.1, पंक्ति 1)—“तथा “5 ए और” काटिये। (2) (पृष्ठ 5, खंड 3.1 पंक्ति 2)—“चित्र 1 या 2” के स्थान पर “चित्र” पढ़िये। (3) (पृष्ठ 6, प्राकृति 2)—इसको काटिये। (4) (पृष्ठ 6 और 7, खंड 5.1.1 प्राकृति वाक्य)—“प्राकृति 1 या 2” के स्थान पर “प्राकृति” पढ़िये। (5) खंड 5.1.3 और 8.3.2 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं।	---	
18. IS : 3043—1966 भूयोजन करने की रीति संहिता	एस० प्रो० 4023 तिथि 1966-12-31	संख्या 5 दिसम्बर 1978	(1) 17-3.2.2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) खंड 17.3.2.2 के पश्चात् एक नया खंड 17.3.2.3 जोड़ा गया है और बाद के खंडों का नवम्बर फलस्वरूप बदल गया है। (3) भूयोजन के संदर्भ में भारतीय मानों की सूची परिशिष्ट बी में जोड़ी गई है।	---	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19. IS : 3326-1978 सूती स्ट्रिकनेट की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 4, तालिका 1, कालम 2, क्रम संख्या 1) के सामने—मॉड प्रति डेमी के स्थान पर “(कुल मॉड करिये)” ।	1978-12-31	
20. IS : 3634-1977 चूहों के बिलों में धूलन के लिये हम्मचामिन यंत्र की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 7, खंड 6.12.1 पंक्ति 1)—डिस्चार्ज हाउस—की जगह “डिस्चार्ज होज” पढ़िये	---	
21. IS : 3695-1966 मोटे वेंदे के एलुमिनियम बर्तनों की विनिष्टि	एस०प्रो० 241 तिथि 1967-01-21	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पदनाम)—पातक में जहाँ कहीं “:3695-1956” आये सो उसके स्थान पर IS : 1680 (भाग 5) 1966” पढ़िये । (2) पहिले कवर पृष्ठ “और पृष्ठ 1 और 3 पर शीर्षक परिवर्तन किया गया है।	---	
22. IS : 3758-1966 कर्णज ड्रक की विनिष्टि	एस०प्रो० 913 तिथि 1967-03-18	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 7, खंड 7.2 और 7.2.1)—वर्तमान खंडों के स्थान पर निम्नलिखित करिये :— “7.2 संभारण प्रतिरोध शक्ति-यन्त्र उबालने और ऑटोक्लेविंग के परीक्षण जो कि IS : 7531—1975 संभारण प्रतिरोधी हस्पात के बने गल्य क्रिया यन्त्रों के उबालने और ऑटोक्लेविंग परीक्षण की विधि में दिये गये हैं ये अनुरूप होगा। (2) (पृष्ठ 7, पाठटिप्पणी)—पृष्ठ के अन्त में निम्नलिखित पाठ टिप्पणी जोड़िये :— ‘स्टेनलेस हस्पात के शल्य चिकित्सा औजारों की संभारण प्रतिरोधिता के लिए उबालने और ऑटोक्लेवकारी परीक्षण पद्धति	---	
23. IS : 3976-1975 खनिकों के लिये रबड़-कनवेस के अंगरक्षी बूट की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 463 तिथि 1976-01-24	संख्या 5 दिसम्बर 1978	खंड 4.2.1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है ।	---	
24. IS : 4072-1975 कमानीदार छल्ले बनाने की हस्पात की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1279 तिथि 1976-09-11	संख्या 2 दिसम्बर 1978	तालिका 1 के स्थान पर एक नई तालिका दी गई है ।	---	
25. IS : 4189-1974 तरल साबुन की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1092 तिथि 1977-04-09	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) पहिले कवर पृष्ठ और पृष्ठ 1 और 3 पर शीर्षक परिवर्तन किया गया है । (2) (पृष्ठ 3, खंड 0.2 इस खंड को काटिये और बाक के खंडों का नम्बर फलस्वरूप बदलिये । (3) (पृष्ठ 1, खंड 1.1 पंक्ति 2)—“सामान्य प्रयोग के लिये तरल साबुन” के स्थान पर “तरल अंगार साबुन” पढ़िये । (4) (पृष्ठ 5, तालिका 1 शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित पढ़िये . “तालिका 1 तरल अंगार साबुन की अपेक्षाएँ”	---	
26. IS : 4329-1970 यांत्रिक बेबेल कोण-मापक की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1555 तिथि 1976-01-24	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 12.1, 12.2 और 12.5 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं ।	---	
27. IS : 4359-1967 कस्ये की विनिष्टि	---	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) पृष्ठ 6, तालिका 1, कालम 3, 4 और 5 क्रम संख्या (1) के सामने “16” के स्थान पर “13” पढ़िये । (2) खंड 3.2 के परचात खंड 3.2.1 जोड़ा गया है ।	---	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. IS : 4427-1967 नैल निकालने के लिये और सीधा खाने के लिये भूगर्भीय दानों का श्रेणीकरण	एस०प्रो० 2036 तिथि 1968-06-08	संख्या 2 दिसम्बर 1978	इस संशोधन द्वारा सीधा खाने के लिये जावा किस्म के भूगर्भीय दानों को मानक में शामिल किया गया है। इस किस्म के दाने अब निर्यात में काफी मात्रा में जा रहे हैं।	1978-12-21	
29. IS : 4460-1967 मशीन से कटे स्वर गियर और सप्लि गियर के श्रेणी निर्धारण की पद्धति	एस०प्रो० 1720 तिथि 1968-05-18	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) खंड 4.2.7.1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है। (2) (पृष्ठ 17, परिशिष्ट बी, अन्तीपचारिक तालिका कॉलम 6, अन्तिम से एक पहली लेखी)---“न्यूनतम 225” के स्थान पर “न्यूनतम 255” पढ़िये। (3) (पृष्ठ 20, परिशिष्ट बी, अन्तीपचारिक तालिका, कॉलम 6, दसवीं लेखी)---“200” के स्थान पर “200 (कोर)” पढ़िये। (4) परिशिष्ट बी में अन्तीपचारिक तालिका का संशोधन किया गया है।	--	
30. IS : 4520-1968 तासिका की पंच फोर्सेस (मिटेलि की एन्ड्रम और हाजेक्स की स्फामायबल) की विशिष्टि	एस०प्रो० 2578 तिथि 1968-07-20	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) पृष्ठ 7, खंड 6.2 और 6.2 और 6.2.1) वर्तमान खंडों के स्थान पर निम्नलिखित करिये : “6.2 संस्कारण प्रतिरोध शक्ति यंत्र उबालने और आटोक्लेविंग परीक्षण जो कि IS : 7521-1975* में दिये गये हैं तृप्त करेगा।” (2) (पृष्ठ 7, पावटिप्पणी—पृष्ठ के अन्त में निम्नलिखित पावटिप्पणी जोड़िये : “संस्कारण प्रतिरोधी इस्पात के बने शाल्य क्रिया यन्त्रों के संस्कारण प्रतिरोध शक्ति आकने के लिये उबालने और आटोक्लेविंग परीक्षण पद्धति।	—	
31. IS : 4563-1968 ब्लाक स्क्वायर की विशिष्टि	एस०प्रो० 3745 तिथि 1968-10-26	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 4, खंड 3.1, पंक्ति 3)--- “IS : 1501-1959* के स्थान पर “IS : 1501-1968* पढ़िये। (2) (पृष्ठ 4, खंड 3.2 पंक्ति 4)--- “IS : 1501-1959* के स्थान पर “IS : 1501-1968* पढ़िये। (3) पृष्ठ, “*” चिह्न वाली पावटिप्पणी- वर्तमान टिप्पणी के स्थान पर निम्न- लिखित पढ़िये : *इस्पात के लिये विकसित कठोरता मापन पद्धति (पड़ला पुनरीक्षण)	—	
32. IS : 4570-1968 क्रिस्टल धारक की विशिष्टि	एस०प्रो० 3453 तिथि 1968-09-28	संख्या 2 दिसम्बर 1978	(1) तालिका 1 का संशोधन किया गया है। (2) खंड 8.4.3.1, 8.4.3.2 और 8.4.3.3 के नीचे अन्तःप्रोपचारिक तालिका का संशोधन किया गया है। (3) पृष्ठ 29 पर पत्र नं० 9 के पश्चात् एक नया पत्र संख्या 10 जोड़ा गया है।	--	
33. IS : 4588-1977 कच्चे प्राकृतिक रबर की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 5.1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है।	--	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. IS : 4665 (भाग 1)--1968	सुधाक्ष	एस०प्रो० 4599	संख्या 1	(1) पृष्ठ 32, खंड 20.17.2, पंक्ति 2-- "IS : 2048--1962*" के स्थान पर "IS : 2824--1975*" पढ़िये। (2) पृष्ठ 32, "†" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित पाद- टिप्पणी पढ़िये : "नमी की प्रवस्था में ठोस रोधक परार्थों के तुलन स्मक दैकिंग सूचकांक मापने की विधि (पहला पुनरीक्षण)"	1978-12-31
मोटर चालित मोजारों की विनिष्टि : भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण	तिथि 1968-12-28	दिसम्बर 1978			
35. IS : 4762-1968 सामान्य उपयोग के लिये सविल चालक के ह्राज क्लिप की विनिष्टि	एस०प्रो० 368	संख्या 1	तिथि 1969-01-25	दिसम्बर 1978	तालिका 1 में दी गई प्राकृति के स्थान पर नयी प्राकृति दी गई है।
36. IS : 4875-1975 बोलकों द्वारा प्राप्त खाद्य मृगफल की धाटे की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 3439	संख्या 1	तिथि 1978-12-02	दिसम्बर 1978	(1) खंड 2.1.2 का संशोधन किया गया है (2) पृष्ठ 4 पर "†" और "‡" चिह्न वाली पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणियां लगाई गई हैं। (3) तालिका 1 का संशोधन किया गया है।
37. IS : 4876-1968 बोलकों द्वारा प्राप्त खाद्य विनिष्टि के धाटे की विनिष्टि	एस०प्रो० 1906	संख्या 1	तिथि 1969-05-17	दिसम्बर 1978	(1) पृष्ठ 5, तालिका 1, क्रम संख्या 7-- इसको काट दीजिये और बाव की लेखियों के नम्बर फलस्वरूप बदलिये। (2) खंड 2.1 के पश्चात् खंड 2.1.1. जोड़ा गया है। (3) पृष्ठ 4 पर "‡" चिह्न की पादटिप्पणी के बाव एक नई पादटिप्पणी जोड़ी गई है।
38. IS : 5049-1969 तारों का व्यास मापने के लिये गेज की विनिष्टि	एस०प्रो० 3728	संख्या 1	तिथि 1969-09-15	दिसम्बर 1978	(1) खंड 0.2, 0.3, 4.1 और 4.2 का संशोधन किया गया है। (2) पृष्ठ 2 और 3 पर "*" चिह्न वाली पादटिप्पणी के स्थान पर एक नई पाद- टिप्पणी दी गई है। (3) तालिका 1 का संशोधन किया गया है। और "*" चिह्न और "‡" चिह्न वाली पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं।
39. IS : 5223-1969 तेल कोल्लुओं की कार्य- क्षारिता मूल्यांकन की परीक्षण पद्धतियां	एस०प्रो० 89	संख्या 2	तिथि 1970-01-10	दिसम्बर 1978	खंड 0.3 के स्थान पर एक नया खंड प्रति- स्थापित किया गया है।
40. IS : 5359-1969 साइन बाव की विनिष्टि	एस०प्रो० 1236	संख्या 1	तिथि 1970-04-04	दिसम्बर 1978	(1) खंड 2 के स्थान पर एक नया खंड प्रतिस्थापित किया गया है। (2) पृष्ठ 4, "†" चिह्न वाली पादटिप्पणी --वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर लें : "† इसका की बिकर्स कठोरता परीक्षण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)"
41. IS : 5412-1964 जोसेफ प्राकृति की नासिका धारी की विनिष्टि	एस०प्रो० 2110	संख्या 1	तिथि 1971-05-29	दिसम्बर 1978	खंड 6.1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है।
42. IS : 5676-1970 सांचे में डले ठोस रबड़ के तलों और एडिया की विनिष्टि	एस०प्रो० 1555	संख्या 4	तिथि 1972-06-24	दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 4, खंड 4.3.1, पंक्ति 1)--"तले" की जगह "तला और एडि" करिये।
43. IS : 5747-1970 लेम्यट प्राकृति के एन्डोरल रिट्रैक्टर की विनिष्टि	एस०प्रो० 1555	संख्या 1	तिथि 1972-06-24	दिसम्बर 1978	खंड 6 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है।
44. IS : 5749-1970 कुट्टित रैमशॉर्म हुक की विनिष्टि	एस०प्रो० 3544	संख्या 1	तिथि 1971-09-25	दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 4, खंड 4.1, पंक्ति 4)--"0.2 प्रतिशत के स्थान पर "0.02 प्रतिशत" पढ़िये।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. IS : 5765--1970 एलुमिनियम के बने खाने के डिब्बे की विशिष्टि	एस०प्रो० 1555 तिथि 1972-06-24	संख्या 2 दिसम्बर 1978	(1) पदनाम-भालक में जहाँ भी : IS : 5765--1970" प्राये तो उनके स्थान पर "IS : 1660 (भाग 7) 1970" करिये। (2) पृष्ठ 1 पर वर्तमान शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है।	1978-12-31	
46. IS : 5812--1970 प्रकाशीय बेसल मापक की विशिष्टि	एस०प्रो० 1635 तिथि 1972-07-08	संख्या 2 दिसम्बर 1978	खंड 12.1, 12.2 और 12.5 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं।	---	
47. IS : 6109--1971 कोल्फ से निकली खाद्य तिलखली के घाटे की विशिष्टि	एस०प्रो० 398 तिथि 1972-02-05	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) पृष्ठ 5, तालिका 1, क्रम संख्या (6) कॉलम 3--"4.0" के स्थान पर "6.0" पढ़िये। (2) खंड 2.1 के पश्चात् खंड 2.1.1 जोड़ा गया है। (3) (पृष्ठ 4, पाठ टिप्पणी) अन्त में निम्न-लिखित जोड़िये। "पशु आहार और आहार पदार्थों के अथन और परीक्षण पद्धतियां : भाग 1 साधारण पद्धतियां।	---	
48. IS : 6232--1971 ठोले लोहे के बक्स की कोण प्लेट की विशिष्टि	एस०प्रो० 751 तिथि 1974-03-16	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 1, खंड 3, पैरि 2)--"IS : 210--1962 'धूसर लोह डली वस्तुओं की विशिष्टि (पुनरीक्षित)' के स्थान पर IS : 210--1970 'धूसर लोह डली वस्तुओं की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)' कर लीजिए।	---	
49. IS : 6320--1971 गेहूं गहार्ह के धोसर की विशिष्टि	एस०प्रो० 3055 तिथि 1973-10-27	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 1, खंड 4.3, पैरि 3)--"गहार्ह इस के बायीं ओर के डबकन के स्थान पर "गहार्ह इस" पढ़िये। (2) खंड 6.3 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है। (3) (पृष्ठ 7, खंड 8.1.1 (डी)--"प्रवेशिका और निकास द्वार" के स्थान पर "शक्ति क्षमता, किवा (ह्वा) " कर लीजिए। (4) खंड 6.8 के अन्त में नयी सामग्री जोड़ी गयी है। (5) खंड 6.8 के पश्चात् खंड 6.9 जोड़ा गया है। (6) खंड 9.3.5 के पश्चात् परिशिष्ट "ए" जोड़ा गया है।	---	
50. IS : 6360--1971 लैक्टोबोन बोन की विशिष्टि	एस०प्रो० 510 तिथि 1974-02-23	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 4, खंड 3.1 क्रम संख्या (20)--वर्तमान सामग्री के अगठ निम्नलिखित पढ़िये : "अम्लकारी पदार्थ, खाद्य ग्रेड"	---	
51. IS : 6550--1971 समानान्तर शैफ वाले अक्रदार बूझी काटने के यंत्र (मिथिंग कटर) की विशिष्टि	एस०प्रो० 1853 तिथि 1974-07-27	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 1, खंड 2, अन्तीपचारिक तालिका कॉलम डी पांचवीं और छठवीं प्रविष्टि सामने) -- "1205" के स्थान पर 12 पढ़िये।	---	
52. IS : 6638--1972 ट्रैक्टर से जुड़े और स्प्रिंग भारित कल्टीवेटर की विशिष्टि	एस०प्रो० 770 तिथि 1975-03-08	संख्या 2 दिसम्बर 1978	पृष्ठ 5 पर आकृति 2 के स्थान पर एक नयी आकृति दी गई है।	---	
53. IS : 6694--1972 पुनः विघला के लिये मैगनीशियम (99.8 प्रतिशत) हंगट की विशिष्टि	एस०प्रो० 1290 तिथि 1975-04-26	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 3 और 3.1 के स्थान पर नये खंड दिए गए हैं।	---	
54. IS : 7001--1973 छरों पिटाई की पद्धति और छरों पिटे मोह धातु पुर्जे	एस०प्रो० 4690 तिथि 1975-11-01	संख्या 1 दिसम्बर 1978	पृष्ठ 5 पर आकृति 1 के स्थान पर एक नयी आकृति दी गयी है।	---	
55. IS : 7240--1974--80° से 40° से तक ऊष्मा रोधन सामग्रियों के लगाने और फिनिश देने की रीति संहिता	एस०प्रो० 1598 तिथि 1976-05-08	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(1) खंड 10.1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है। (2) (पृष्ठ 10, खंड 10.2, पैरि 6) : "पाईप" के स्थान पर "पाइप/डक्ट" पढ़िये।	---	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)																	
56. IS : 7300—1974 समाश्रयण और अन्त्यो- स्याश्रयण की पद्धति	एस०प्रो० 1597 तिथि 1976-05-08	संख्या 1 विसम्बर 1978	खंड 3.2.2, 3.4.3.1, 4.3.2 और 4.3.3 का संशोधन किया गया है।	—																		
57. IS : 7365—1974 वाल्टी आकार के ऊर्जा मिटाने के यंत्रों के द्वितीय डिजाइन के मापदण्ड	एस०प्रो० 2858 तिथि 1976-08-07	संख्या 1 विसम्बर 1978	खंड 4.2.2.3 का संशोधन किया गया है।	—																		
58. IS : 7413—1974 40° से 700° से तक ऊष्मा रोधन सामग्री लगाने और फिनिश देने की रीति संहिता	एस०प्रो० 3279 तिथि 1976-09-11	संख्या 1 विसम्बर 1978	(1) खंड 9.1 के स्थान पर एक नया खंड लाया गया है। (2) खंड 9.2 और जे-5.1 का संशोधन किया गया है।	1978-12-31																		
59. IS : 7460—1964 गावहुम होसर बेअरिंग की विशिष्टि	एस०प्रो० 1092 तिथि 1977-04-09	संख्या 2 विसम्बर 1978	(पृष्ठ 2, खंड 4.1.2, अनौपचारिक तालिका, “बाहरी व्यास” खाना शीर्षक के नीचे) — “dm” के स्थान पर “Dm” और “d*” के स्थान पर “D*” पढ़िये।	—																		
60. IS : 7550—1975 राशन के लिये ब्रेड की टोकरी की विशिष्टि	एस०प्रो० 1092 तिथि 1977-04-09	संख्या 1 विसम्बर 1978	(1) खंड 3.1.1.1 के स्थान पर एक नया खंड लगाया गया है। (2) आकृति 1 का संशोधन किया गया है।	—																		
61. IS : 7586—1975 खानों के लिये वर्षण प्रव- लम्बों की विशिष्टि	एस०प्रो० 2547 तिथि 1977-08-31	संख्या 1 विसम्बर 1978	(1) खंड 3.1 के स्थान पर एक नया खंड लाया गया है। (2) (पृष्ठ 2, खंड 3.1.1) — इसको काटिये	—																		
62. IS : 7681—1975 क्लोरीन गैस के लिये बैलकृत ध्रुव कार्बन इस्पात	एस०प्रो० 3351 तिथि 1978-11-25	संख्या 3 विसम्बर 1978	(1) (पृष्ठ 5, खंड 3.3, पंक्ति 2) — “IS : 2602” के स्थान पर “IS : 2062” पढ़िये। (2) (पृष्ठ 9, 10 और 15) — निम्नलिखित खंडों की संख्याएँ निम्नलिखित रूप में बदलिये : <table border="1"> <tr> <th>वर्तमान खंड</th><th>नम्बर परिवर्तित खंड</th></tr> <tr> <td>6</td><td>7</td></tr> <tr> <td>6.1</td><td>7.1</td></tr> <tr> <td>7</td><td>6</td></tr> <tr> <td>7.1</td><td>6.1</td></tr> <tr> <td>7.1.1</td><td>6.1.1</td></tr> <tr> <td>7.1.2</td><td>6.1.2</td></tr> <tr> <td>7.2</td><td>6.2</td></tr> <tr> <td>11.5</td><td>6.3</td></tr> </table> (3) खंड 7.1 (नया नम्बर 6.1) —, खंड 10.10.1, 11.5 (नया नम्बर 6.3) और 12.1.2 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं। (4) खंड 552 (ए) और 11.1(ए) का संशोधन किया गया है। (5) पृष्ठ 11, खंड 11.1 (ई) — इस खंड के नीचे निम्नलिखित पाठ टिप्पणी जोड़िये : “*” सर्पिण्डित गैस सर्पिलिडर के द्रवस्थैतिक तनाव परीक्षण के लिए विफारिशें”	वर्तमान खंड	नम्बर परिवर्तित खंड	6	7	6.1	7.1	7	6	7.1	6.1	7.1.1	6.1.1	7.1.2	6.1.2	7.2	6.2	11.5	6.3	—
वर्तमान खंड	नम्बर परिवर्तित खंड																					
6	7																					
6.1	7.1																					
7	6																					
7.1	6.1																					
7.1.1	6.1.1																					
7.1.2	6.1.2																					
7.2	6.2																					
11.5	6.3																					
63. IS : 7835—1975 खाद्य मध्यम चिकनाई- युक्त सोयाबीन के घाटे की विशिष्टि	—	संख्या 1 विसम्बर 1978	(1) खंड 2.1.1 के बाद खंड 2.1.2 जोड़ा गया है। (2) पृष्ठ 4 पर नई पाठ टिप्पणी “†” बिन्दु के साथ जोड़ी गई है। (3) तालिका 1 का संशोधन किया गया है।	—																		
64. IS : 7836—1975 खाद्य कम चिकनाईयुक्त सोयाबीन के घाटे की विशिष्टि	—	संख्या 1 विसम्बर 1978	(1) खंड 2.1.1 के बाद खंड 2.1.2 जोड़ा गया है। (2) पृष्ठ 4 पर एक नई पाठ टिप्पणी “‡” बिन्दु के साथ जोड़ी गयी है।	1978-12-31																		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
65. IS : 8008—(भाग 7)—1976 पेय जल प्रवाय के लिये इंजेक्शन मोल्डेड उच्च घनत्व पॉलीथीन की फिटिंग की विशिष्ट भाग 7 सैन्डविच प्लेज की विशिष्ट प्रपेक्षाये	—	संख्या 1 दिसम्बर 1978	तालिका 1 का संशोधन किया गया है।		
66. IS : 8127—1976 प्रेस औजार सेटों के लिये मार्गदर्शक बुक की विशिष्ट	—	संख्या 1 दिसम्बर 1978	खंड 2 के नीचे अनौपचारिक तालिका का संशोधन किया गया है।		—
67. IS : 8655 (भाग 1)—1977 चुम्बकीय फीते पर हानि अभिलेखी और पुनर्स्थापन उपकरण रील से रील की विशिष्ट भाग 1 मापन पद्धतियां	—	संख्या 1 दिसम्बर 1978	(पृष्ठ 11, खंड 5. 4. 3, टिप्पणी) —“टिप्पणी” के स्थान पर “टिप्पणी 1” पढ़िये और निम्न-लिखित नई टिप्पणी जोड़िये :		—
“टिप्पणी 2—मापने में अधिक परिशुद्धता के लिये और लघु काल में विद्यमान त्रुटि के लिये यह विधि अनुमोदित है।					

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और उसके शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिनेत्रम में प्राप्त की जा सकती है।

[सं० सी एम डी/13 : 5]

New Delhi, the 1981-08-19

S.O. 2309.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Standard amended	Indian No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 261—1966 Specification for copper sulphate (First Revision)	S.O. 2177 dated 1967-07-01	No. 1 Dec. 1978	[Page 4, clause 2.1(b)]—Substitute the following for the existing matter : (b) Pure—used in fine chemicals and pharmaceutical industry.'	1978-12-31
2.	IS : 285—1974 Specification for laundry soaps(second revision)	S.O. 3279 dated 1976-09-11 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1979-05-01	*No. 1 Dec. 1978	The requirement for salt (chlorides, as sodium chloride) content was intended to be taken care of by that for matter insoluble in alcohol and it was also expected to be automatically controlled in the process. In practice, however, this was not found so and excess of salt content in soap bars in supplies to Ministry of Defence had created problem during storage and also effected, to some extent, performance of the soap. The concerned Sectional Committee, therefore reintroduced the requirement for salt content in this specification through this Amendment No. 1.	1978-12-31
3.	IS : 398 (Part III)—1976 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes. Part III Aluminium conductors, aluminized-steel reinforced (second revision)		No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 15, Appendix B, informal table, col. 3, second and fourth entries)—Substitute '75' for '76' and '62' for '74*'. (ii) (Page 15, foot-note with '*' mark) Delete.	1978-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4. IS : 617—1975 Specification for aluminium and aluminium alloy ingots and castings for general engineering purposes (second revision)	S.O. 3530 dated 1977-11-19	No. 1 Dec. 1978	(Page 5, Table 1, col. 6, against Sl. No. 14)—Substitute '0.2—0.4' for '0.2—6.4'.	1978-12-31	
5. IS : 1254—1975 Specification for corrugated aluminium sheet (second revision)	S.O. 2239 dated 1978-08-05	No. 1 Dec. 1978	Clauses 6.1, 6.2 and 6.4 have been substituted by new ones.	1978-12-31	
6. IS : 1288—1973 Methods of test for mineral gypsum and gypsum products (first revision)	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No. 1 Dec. 1978	Clause 15 has been added after 14.4.	1978-12-31	
7. IS : 1239 (Part I)—1973 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings Part I Mild steel tubes (third revision)	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 5 Dec. 1978	(i) Clause 14.1.1 alongwith its note has been substituted by new ones. (ii) Clause 0.2.3 has been added after clause 0.2.2.	1978-12-31	
8. IS : 1370—1976 Specification for friction surface rubber transmission belting (second revision)	—	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 2, clause 2.3)—Delete. (ii) Informal table under Clause 2.2 has been amended. (iii) Appendix G has been added after Appendix F. (iv) (Page 6, Explanatory Note, para 2)—Add the following new matter at the end of second paragraph : "The range of thickness of belt is given in the Appendix G as guide for manufacturer and user".	1978-12-31	
9. IS : 1570 (Part V)—1972 Schedules for wrought steels Part V Stainless and heat-resisting steels (first revision).	S.O. 1604 dated 1975-05-24	No. 2 Dec. 1978	Tables 5, 6, 10, 11, 12 and 15 have been amended.	1978-12-31	
10. IS : 1667—1971 Specification for toffees (first revision)	S.O. 3163 dated 1973-11-10	No. 3 Dec. 1978	[Page 4, Clause 3.1.1, Sl. No. (j)]—Substitute the following for the existing matter : (i) Acidulants, food grades;".	1978-12-31	
11. IS : 1950—1962 Code of practice for sound insulation of non-industrial buildings.	S.O. 3100 dated 1962-10-13	No. 1 Dec. 1978	Fig. 3 and 6D have been substituted by new ones.	1978-12-31	
12. IS : 1971—1975 Specification for hand-operated continuous single-barrel stirrup-pump (third revision)	—	No. 3 Dec. 1978	(i) Clauses 1.1.1 and 5.14.2 have been substituted by new ones. (ii) Clause 5.9 has been amended	1978-12-31	
13. IS : 1993—1974 Specification for cold-reduced tinplate and cold-reduced blackplate (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	No. 3 Dec. 1978	(i) Clauses 5.1.2, 5.1.3, 5.2.2, 5.2.3, 5.3.1, 5.3.2, 10.1.2, 10.3.1, 10.3.2, 11.1, 12.7.1 and A-4.3 have been substituted by new ones. (ii) Clause 11.1.1 has been amended. (iii) Fig. 3 has been amended. (iv) New clause 5.3.3. has been added after clause 5.3.2 and the existing clause 5.3.3 has been renumbered as clause 5.3.4. (v) A note has been added at the end of table 4. (vi) Note 3 has been added after note 2 at the end of table 5.	1978-12-31	
14. IS : 2361—1970 Specification for bulldog grips (first revision)	S.O. 1277 dated 1972-05-27	No. 2 Dec. 1978	(i) Table 1 has been amended. (ii) Clause 4.1 has been amended. (iii) Clause 5.4.1 has been substituted by a new one. (iv) Existing foot-note with "*" mark at page 5 has been substituted by a new one.	1978-12-31	
15. IS : 2586—1975 Specification for bench vices (machinist's vices) (first Revision)	—	No. 1 Dec. 1978	Informal table of clause 2 has been amended.	1978-12-31	

1	2	3	4	5	6
16.	IS : 2992—1965 Specification for insulation resistance testers (magnetoe generator type)	S.O. 2042 dated 1965-06-26	No. 3 Dec. 1978	Existing matter of Clause 9 2(a) has been substituted.	1978-12-31
17.	IS : 3010 (Part II)—1965 Specification for appliance-connectors and appliance-inlets (non-reversible three-pin type) Part II Appliance—inlets	S.O. 281 dated 1966-01-22	No. 3 Dec. 1978	(i) (Page 4, clause 1.1, line 1)—Delete the words '5A and'. (ii) (Page 5, clause 3 1, line 2)—Substitute 'Fig. 1' for 'Fig. 1 or 2'. (iii) (Page 6, Fig. 2)—Delete. (iv) (Pages 6 and 7, clause 5.1.1, last sentence)—Substitute 'Fig. 1' for 'Fig. 1 or 2'. (v) Clauses 5.1.3 and 8.3.2 have been substituted by new ones	1978-12-31
18.	IS : 3043—1966 Code of practice for earthing	S.O. 4023 dated 1966-12-31	No. 5 Dec. 1978	(i) Clause 17.3.2.2 has been substituted by a new one. (ii) Clause 17.3.2.3 has been added after clause 17.3.2.2 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly. (iii) A list of Indian Standards has been added in Appendix B for reference for earthing.	1978-12-31
19.	IS : 3326—1978 Specification for cotton stockinette (first revision)	—	No. 1 Dec. 1978	[Page 4, Table 1, col 2, against Sl. No. (i)]—Substitute 'Total Wales' for 'Wales/dm'.	1978-12-31
20.	IS : 3634—1977 Specification for hand-operated dust applicator for burrows (first revision)	—	No. 1 Dec. 1978	(Page 7, clause 6.12.1, line 1)—Substitute 'Discharge Hose' for 'Discharge House'.	1978-12-31
21.	IS : 3695—1966 Specification for thick bottom aluminium utensils	S.O. 241 dated 1967-01-21	No. 1 Dec. 1978	(i) (Designation)—Substitute 'IS : 1660 (Part V)—1966' for 'IS : 3695—1966' wherever it appears in the standard. (ii) Title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one.	1978-12-31
22.	IS : 3758—1966 Specification for hooks, aural	S.O. 913 dated 1967-03-18	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 7, clause 7.2 and 7.2.1)—Substitute the following for the existing clauses : '7.2 Corrosion Resistance—The instrument shall satisfy the boiling and autoclaving test as specified in IS : 7531—1975*.' (ii) (Page 7, foot-note)—Add the following new foot-note at the bottom of the page : '*Method for boiling and autoclaving test for corrosion resistance of stainless steel surgical instruments'.	1978-12-31
23.	IS : 3976—1975 Specification for safety rubber-canvas boots for miners—(first Revision).	S.O. 463 dated 1976-01-24	No. 5 Dec. 1978	Clause 4.2.1 has been substituted by a new one.	1978-12-31
24.	IS : 4072—1975 Specification for steel for spring washers (first revision)	S.O. 3279 dated 1976-09-11	No. 2 Dec. 1978	Table 1 has been substituted by a new one	1978-12-31
25.	IS : 4199—1974 Specification for liquid soap (first revision)	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 1 Dec. 1978	(i) Title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by new one. (ii) (Page 3, clause 0.2)—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly. (iii) (Page 3, clause 1.1, line 2)—Substitute 'liquid toilet soap' for 'liquid soap for general purposes'. (iv) (Page 5, Table 1, caption)—Substitute the following for the existing caption : 'Table 1 Requirements for liquid Toilet Soap'.	1978-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
26. IS : 4239—1970	Specification for mechanical bevel pretractors (First revision)	S.O. 1555 dated 1972-06-24	No. 1 Dec. 1978	Clauses 12.1, 12.2 and 12.5 have been substituted by new ones.	1978-12-31
27. IS : 4359—1967	Specification for Kautha	—	No. 1 Dec. 1978	(i) [Page 6, Table 1, col. 3, 4 and 5, against Sl. No. (i)]—Substitute '16' for '12' at all the places. (ii) Clause 3.2.1 has been added after clause 3.2.	1978-12-31
28. IS : 4427—1967	Grading for groundnut kernels for oil milling and for Table use	S.O. 2036 dated 1968-06-08	No. 2 Dec. 1978	JAWA variety of groundnut kernel for table use which now constitutes a sizeable portion of the export variety of groundnut kernels is being included in the Standard through this Amendment No. 2.	1978-12-31
29. IS : 4460—1967	Method for rating of machine cut spur and helical gears	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No. 1 Dec. 1978	(i) Clause 4.2.7.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 17, Appendix B, informal table, col. 6, last but one entry)—Substitute '255 Min' for '225 Min'. (iii) (Page 20, Appendix B, informal table, col. 6, tenth entry)—Substitute '200 (Core)' for '200 (Case)'. (iv) Informal table under Appendix B has been amended.	1978-12-31
30. IS : 4520—1968	Specification for Forceps, punch, nasal (Citelli's antrum and Hajeks' sphenoidal)	S.O. 2578 dated 1968-07-20	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 7, clauses 6.2 and 6.2.1)—Substitute the following for the existing clauses : '6.2 Corrosion Resistance—The instrument shall satisfy the boiling and autoclaving test as specified in IS : 7531—1975*'. (ii) (Page 7, foot-note)—Add the following new foot-note at the bottom of the page : '*Method for boiling and autoclaving test for corrosion resistance of stainless steel surgical instruments'.	1978-12-31
31. IS : 4563—1968	Specification for block squares	S.O. 3745 dated 1968-10-26	No. 1 Oct. 1978	(i) (Page 4, clause 3.1, line 3)—Substitute 'IS : 1501—1968*' for 'IS : 1501—1959*'. (ii) (Page 4, clause 3.2, line 4)—Substitute 'IS : 1501—1968*' for 'IS : 1501—1959*'. (iii) (Page 4, foot-note with '*' mark)—Substitute the following for the existing foot-note : '*Method for Vickers hardness test for steel (first revision).	1978-10-31
32. IS : 4570—1968	Specification for crystal holders	S.O. 3453 dated 1968-09-28	No. 2 Dec. 1978	(i) Table 1 has been amended (ii) Informal table under clauses 8.4.3.1, 8.4.3.2 and 8.4.3.3 has been amended. (iii) New matter sheet No. 10 has been added after sheet No. 9 at page 29.	1978-12-31
33. IS : 4588—1977	Specification for rubber, raw, natural (second revision)	—	No. 1 Dec. 1978	Clause 5.1 has been substituted by a new one.	1978-12-31
34. IS : 4665 (Pt I)—1968	Specification for portable motor-operated tools : Part I General requirement and tests.	S.O. 4599 dated 1968-12-28	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 32, clause 20.17.2, line 2)—Substitute 'IS : 2824—1975*' for 'IS : 2048—1962*'. (ii) (Page 32, foot-note with '†' mark)—Substitute the following for the existing foot-note : '*Method for determining the comparative tracking index of solid insulating materials under moist conditions (first revision).'	1978-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. IS : 4762—1968	Specification for worm drive hose clips for general purposes	S.O. 368 dated 1969-01-25	No. 1 Dec. 1978	Existing figure of table 1 has been substituted by a new one.	1978-12-31
36. IS : 4875—1975	Specification for edible groundnut flour (solvent extracted) (first revision)	S.O. 3439 dated 1978-12-02	No. 1 Dec. 1978	(i) Clause 2.1.2 has been amended (ii) Foot-notes with '†' and '‡' mark at page 4 have been substituted by new ones. (iii) Table 1 has been amended.	1978-12-31
37. IS : 4876—1968	Specification for edible cottonseed flour (solvent extracted)	S.O. 1906 dated 1969-05-17	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 5, Table 1, Sl. No. (vii)—Delete and renumber the subsequent entries accordingly. (ii) Clause 2.1.1 has been added after clause 2.1. (iii) A new foot-note has been added after foot-note with '‡' mark at page 4.	1978-12-31
38. IS : 5049—1969	specification for gauge or wire diameters	S.O. 3728 dated 1969-09-13	No. 1 Dec. 1978	(i) Clauses 0.2, 0.3, 4.1 and 4.2 have been amended. (ii) Existing foot-note with '*' at pages 2 and 3 has been substituted by a new one. (iii) Table 1 has been amended and the existing foot-notes with '*' and '‡' have also been substituted by new ones.	1978-12-31
39. IS : 5223—1969	Methods of test for evaluation of performance of oil expellers	S.O. 89 dated 1970-01-10	No. 2 Dec. 1978	Clause 0.3 has been substituted by a new one.	1978-12-31
40. IS : 5359—1969	Specification for sine bars	S.O. 1236 dated 1970-04-04	No. 1 Dec. 1978	(i) Clause 3 has been substituted by a new one. (i) (Page 4, foot-note with '†' mark)—Substitute the following for the existing foot-note : '†' Method for Vickers hardness test for steel (first revision).'	1978-12-31
41. IS : 5412—1969	Specification for saws, nasal, Joseph's pattern	S.O. 2110 dated 1971-05-29	No. 1 Dec. 1978	Clause 6.3 has been substituted by a new one.	1978-12-31
42. IS : 5676—1970	Specification for moulded solid rubber soles and heels	S.O. 1555 dated 1972-06-24	No. 4 Dec. 1978	(Page 4, clause 4.3.1, line 1)—Substitute 'Soles and heels' for 'soles'.	1978-12-31
43. IS : 5747—1970	Specification for retractor, endaural (Lempert's pattern)	S.O. 1555 dated 1972-06-24	No. 1 Dec. 1978	Clause 6 has been substituted by a new one	1978-12-31
44. IS : 5749—1970	Specification for forged ramshorn hooks	S.O. 3544 dated 1971-09-25	No. 1 Dec. 1978	(Page 4, clause 4.1, line 4)—Substitute '0.02 percent' for '0.20 percent'.	1978-12-31
45. IS : 5765—1970	Specification for box, lunch, aluminium	S.O. 1555 dated 1972-06-24	No. 2 Dec. 1978	(i) (Designation)—Substitute 'IS : 1660 (Part VII)—1970' for 'IS : 5765—1970' wherever it appears in the standard. (ii) Title at page 1 has been substituted by a new one.	1978-12-31
46. IS : 5812—1970	Specification for optical bevel protactors	S.O. 1635 dated 1972-07-08	No. 2 Dec. 1978	Clauses 12.1, 12.2 and 12.5 have been substituted by new ones.	1978-12-31
47. IS : 6109—1970	Specification for edible sesame flour (expeller pressed)	S.O. 398 dated 1972-02-05	No. 1 Dec. 1978	(i) (Page 5, Table 1, Sl. No. vi, col 3)—Substitute '6.0' for '4.0' (ii) Clause 2.1.1 has been added after clause 2.1 (iii) (Page 4, foot-note)—Add the following note at the end : '†' Methods of sampling and tests for animal feeds and feeding stuffs : Part I General methods.'	1978-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48.	IS : 6232—1971 Specification for cast iron box angle plates	S.O. 751 dated 1974-03-16	No. 1 Dec 1978	(i) (Page 1, clause 3, line 2)—Substitute "IS : 210—1970 'Specification for grey iron castings (second revision)' for "IS : 210—1962 'Specification for grey iron castings (revised)'". (ii) (Page 2, table 1, foot-note with "*" mark line 2)—Substitute "IS : 2013—1974 'Dimensions for T-slots (first revision)' for "IS : 2013—1962 'Dimensions for T-slots'".	1978-12-31
49.	IS : 6320—1971 Specification for wheat power, threshing (Hammer Mill type)	S.O. 3055 dated 1973-10-27	No. 1 Dec 1978	(i) (Page 5, clause 4.3, line 3)—Substitute 'the threshing drum' for 'left side cover of threshing drum'. (ii) Clause 6.3 has been substituted by a new one (iii) (Page 7, clause 8.1.1(d)—Substitute 'Power rating, kW (hp)' for 'Inlet and outlet'. (iv) New matter has been added at the end of clause 6.8 (v) Clause 6.9 has been added after clause 6.8 (vi) Appendix A has been added after clause 9.3.5	1978-12-31
50.	IS : 6360—1971 Specification for lacto bonbon	S.O. 510 dated 1974-02-23	No. 1 Dec 1978	[Page 4, clause 3.1, SI No. (xx)]—Substitute the following for the existing matter : '(xx) Acidulants, food grade;'	1978-12-31
51.	IS : 6550—1971 Specification for thread milling cutters with parallel shanks	S.O. 1853 dated 1974-07-27	No. 1 Dec 1978	(Page 1, clause 2, informal table, values under column d, fifth and sixth entries)—Substitute '12' for '12.5'.	1978-12-31
52.	IS : 6638—1972 Specification for tractor-mounted spring-loaded cultivators	S.O. 770 dated 1975-03-08	No. 2 Dec 1978	Fig. 2 at page 5 has been substituted by a new one	1978-12-31
53.	IS : 6694—1972 Specification for magnesium ingot (99.8 percent) for remelting	S.O. 1290 dated 1975-04-26	No. 1 Dec 1978	Clauses 3 and 3.1 have been substituted by new ones	1978-12-31
54.	IS : 7001—1973 Method for shot peening and test for shot peened ferrous metal parts	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No. 1 Dec 1978	Existing figure 1 at page 3 has been substituted by a new one	1978-12-31
55.	IS : 7240—1974 Code of practice for application and finishing of thermal insulating materials between 80°C to 40°C.	S.O. 1596 dated 1976-05-08	No. 1 Dec 1978	(i) Clause 10.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 10, clause 10.2, line 6)—Substitute 'pipe/duct' for 'pipe'.	1978-12-31
56.	IS : 7300—1974 Methods of regression and correlation	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 1 Dec 1978	Clauses 3.2.2, 3.4.3.1., 4.3.2. and 4.3.3 have been amended	1978-12-31
57.	IS : 7365—1974 Criteria for hydraulic design of bucket type energy dissipators	S.O. 2858 dated 1976-08-07	No. 1 Dec 1978	Clause 4.2.2.3 has been amended	1978-12-31
58.	IS : 7413—1974 Code of practice for the application and finishing of thermal insulating materials at temperature between 40°C and 700°C	S.O. 3279 dated 1976-09-11	No. 1 Dec 1978	(i) Clause 9.1 has been substituted by a new one (ii) Clauses 9.2 and J-5.1 have been amended	1978-12-31
59.	IS : 7460—1974 Tolerances for tapered roller bearings	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 2 Dec 1978	(Page 2, clause 4.1.2, informal table, column headings under 'Outside Diameter')—'Dm' Substitute 'Dm' for 'dm' and 'D*' for 'd*'	1978-12-31
60.	IS : 7550—1975 Specification for cane basket for ration	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 1 Dec 1978	(i) Clause 3.1.1.1. has been substituted by a new one (ii) Fig. 1 has been amended	1978-12-31
61.	IS : 7586—1975 Specification for friction props for mines	S.O. 2547 dated 1977-08-31	No. 1 Dec 1978	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 2, clause 3.1.1)—Delete.	1978-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)																		
62.	IS : 7681—1975 Specification for welded low carbon steel gas cylinders for chlorine gas	S.O. 3351 dated 1978-11-25	*No. 3 Dec 1978	(i) (Page 5, clause 3.3, line 2)—Substitute 'IS : 2062' for 'IS : 2602'. (ii) (Pages 9, 10 and 15)—Renumber the following clauses as under : <table><tr><th>Existing Clause</th><th>Renumbered Clause</th></tr><tr><td>6</td><td>7</td></tr><tr><td>6.1</td><td>7.1</td></tr><tr><td>7</td><td>6</td></tr><tr><td>7.1</td><td>6.1</td></tr><tr><td>7.1.1</td><td>6.1.1</td></tr><tr><td>7.1.2</td><td>6.1.2</td></tr><tr><td>7.2</td><td>6.2</td></tr><tr><td>11.5</td><td>6.3</td></tr></table> (iii) (Clause 7.1 (new clause 6.1), 10, 10.1, 11.5 (new clause 6.3) and 12.1.2 have been substituted by new ones (iv) Clauses 5.5.2(a) and 11.4(a) have been amended (v) [Page 11, clause 11.1(e)]—Add the following new foot-note after 11.1(e) ***'Recommendations for hydrostatic stretch testing of compressed gas cylinders.'	Existing Clause	Renumbered Clause	6	7	6.1	7.1	7	6	7.1	6.1	7.1.1	6.1.1	7.1.2	6.1.2	7.2	6.2	11.5	6.3	1978-12-31
Existing Clause	Renumbered Clause																						
6	7																						
6.1	7.1																						
7	6																						
7.1	6.1																						
7.1.1	6.1.1																						
7.1.2	6.1.2																						
7.2	6.2																						
11.5	6.3																						
63.	IS : 7835—1975 Specification for edible medium-fat soya flour	—	No. 1 Dec 1978	(i) Clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1 (ii) New foot-note with 'T' mark has been added at page 4 (iii) Table 1 has been amended	1978-12-31																		
64.	IS : 7836—1975 Specification for edible low-fat soya flour	—	No. 1 Dec. 1978	(i) Clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1. (ii) New foot-note with '§' mark has been added at page 4	1978-12-31																		
65.	IS : 8008 (Pt VII)—1976 Specification for injection moulded high density polyethylenes (HDPE) fittings for potable water supplies Part VII Specific requirements for sandwich flanges	—	No. 1 Dec 1978	Table 1 has been amended	1978-12-31																		
66.	IS : 8127—1976 Specification for guide bushes for press tool sets	—	No. 1 Dec 1978	Informal table under clause 2 has been amended	1978-12-31																		
67.	IS : 8655 (Part I)—1977 Specification for magnetic sound tape recording and reproducing equipment (reel-to-reel) Part I Methods of measurement	—	No. 1 Dec 1978	(Page 11, clause 5.4.3., Note)—Substitute 'NOTE 1' for 'NOTE' and add the following new Note : 'NOTE 2—For measurement for higher accuracy and indication of short term variations this method of measurement is recommended.'	1978-12-31																		

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, : 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna, and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 5]

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1979-05-01.

कां.आं. 2310.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियमावली 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार, भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 80 लाइसेंसों के ब्यौरे दिये गये हैं, वे लाइसेंसधारियों को मुहर लगाने का अधिकार देते हुए, फरवरी 1979 में स्वीकृत किये गये हैं :

अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस सं. सी.एम/एल	वैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक : पदनाम
		से	तक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम एल/7506 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	हिन्द मेटल एंड अलाईड इंडस्ट्रीज, 25 बी, एफ०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, बटाला (पंजाब)	जल-सेवाओं के लिए जोड़चूड़ियाँ, साइज केवल 15 मिमी— IS : 2692—1964
2.	सी एम/एल-7507 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	केमिकल्स एंड इंसेक्टिमाइड्स, ग्राम राम-नगर, करंजहा, डा० भैसहा (बाया सरदार-नगर) जि० गोरखपुर (उ० प्र०) (कार्यालय : सराफ चैम्बर, हिन्दी बाजार, गोरखपुर (उ० प्र०))	एल्ट्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307—1973
3.	सी एम/एल-7508 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	इंडियन डेयरी एंटीप्रोप्रीयटीस एग्रीकल्चरल कंपनी लिमिटेड, इंडस्ट्रियल एरिया, रानीवाड़ा-343040 जिला जलोरा (राजस्थान) (कार्यालय : 1, भवानी सिंह रोड, जयपुर-302001)	शिशु दुग्ध ग्राह्यार— IS : 1547—1968
4.	सी एम/एल-7509 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	देवीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, 50/ए डी० आई० जी० सी० इस्टेट करोल, जि० पंचमहल, गुजरात	मलायियोन धूलन पाउडर— IS : 2568—1973
5.	सी एम/एल-7510 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	ओके टेक्स्टाइल्स, (94 बी) 1, लक्ष्मीनगर मेन रोड, तिरुपुर-638602 (तमिलनाडु)	इन्टरलाक बनी हुई सूती बनियान टाइप : आर एन और आर एन एस साइज : 75 से 100 सेमी गेज : 24 और 20— IS : 4965 (भाग 2)—1975
6.	सी एम/एल-7511 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	मेनोटेक्स, 2 एन (1), ब्रिजवे कालोनी एक्सटेंशन, तिरुपुर-638602 (तमिलनाडु)	इन्टरलॉक बनी हुई सूती बनियान टाइप आर एन और आर एन एस साइज 75 से 100 सेमी गेज : 24— IS : 4965 (भाग 2)—1975
7.	सी एम/एल-7512 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	किसान इंसेक्टिसाइड्स कं०, सी-14, इंडस्ट्रियल इस्टेट, विजयवाड़ा-520007 (आं० प्र०)	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1975
8.	सी एम/एल-7513 1979-02-02	79-01-16	80-01-15	टाटा आइरन एंड स्टील कं० लि०, विद्या-विहार रेलवे स्टेशन (पश्चिम) सेंट्रल रेलवे (कार्यालय : न्यू इंडिया एस्थोरेस बिल्डिंग, 87, एम० जी० रोड, फोर्ट, बम्बई-5400023)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966
9.	सी एम/एल-7514 1979-02-05	79-01-16	80-01-15	यूनिवर्सल सिलेंडर लि०, 197, मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर (राजस्थान)	33.3 लिटर पानी की ममाई वाले एल पी जी सिलेंडर— IS : 3196—1974
10.	सी एम/एल-7515 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	प्लान्टकयोर कान्सेट्रट्स, हिम्मतनगर (राणा रबड़ फैक्टरी के पीछे) सहारनपुर (उ० प्र०)	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1975
11.	सी एम/एल-7516 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	राठी इस्पात लि०, इस्पात नगर, गाजियाबाद (उ० प्र०)	कार्बन इस्पात के ढले बिलेट पिंड (मानक किस्म— IS : 6914—1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12. सी एम/एल-7517	79-02-16	80-02-15	राठी इस्पात लि०, इस्पात नगर, गाजियाबाद (उ० प्र०)	कार्बन इस्पात के ढले बिलेट पिंड (साधारण किस्म)--- IS : 6915-1973	
13. सी एम/एल-7518 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	हानुत सेल्स कार्पोरेशन, 140, इंडस्ट्रियल एरिया, झोटवाड़ा, जयपुर (राज०)	18-लिटर समाईवाले वर्गाकार टिन--- IS : 916-1975	
14. सी एम/एल-7519 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	यूनाइटेड पल्पराइजर्स, बोदला, आगरा-202007 (उ० प्र०)	कार्बेरिल जलविस्त्रंणीय पाउडर सान्द्र (भूमि छिड़काव ग्रेड)--- IS : 7121-1973	
15. सी एम/एल-7520 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	क्राउन निर्दिग मिल्स, 88 एफ, (15) बी (19), कामराज रोड, तिरुपुर-638604	सादा बनी सूती वास्कटें टाइप : ग्रार एन और ग्रार एन एस साइज : 40 से 100 सेमी गेज : 24--- IS : 4964 (भाग 2)--1975	
16. सी एम/एल-7521 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	पाइपफिक्स इंडस्ट्रीज, सैक्टर 17, ई-28-29 नवीन कविनगर के पीछे इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद (उ० प्र०)	धातवर्धन ढले लोहे के नलों के फिटिंग, निम्न टाइप के :-- साइजों के नाम बराबर साफिट एम 2 1/2 से 2 बराबर एल्बो ए 1 1/2 से 2 बराबर टी बी 1 1/2 से 2 IS : 1879 (भाग 2, 3 और 4)--1975	
17. सी एम/एल-7522 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	वेल्डक्राफ्ट प्रा० लि०, ब्लॉक 1 शामइंड स्ट्रियल कम्प्लैक्स, 60, इंडस्ट्रियल सबर्ब, सेकिड स्टेज, एम एफ आई के पीछे, बंगलौर-560022	संरचना इस्पात की धातु आर्क वेल्डिंग के लिए ढके इलेक्ट्रोड---ब्राड IS : 814 (भाग 1) IS : 814 (भाग 2) के लिए कोडिंग के लिए कोडिंग अधिकतम 6013 ई-317-412 ई-317 अधिकतम अल्युमिनियम ई-313-412 ई-313 IS : 814 (भाग 1 और 2)--1974	
18. सी एम/एल-7523 1978-02-06	79-02-16	80-02-15	क्राप हेल्थ प्राइक्ट्स प्रा० लि०, डी-31/1, इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद (उ० प्र०)	हेप्टाक्लोर पायसनीय तेज द्रव--- IS : 6439-1972	
19. सी एम/एल-7524 1979-02-06	79-02-16	80-02-15	राणा रबड़ इंडस्ट्रीज, स्टार पेपर मिल रोड, सहारनपुर-247001	रबड़ कन्वेयर और एलीवेटर बेल्टिंग-ग्रेड एम-24 सामान्य कार्य--- IS : 189 (भाग 1)--1968	
20. सी एम/एल-7525 1979-02-07	79-02-16	80-02-15	रेडीहाट इलेक्ट्रिकल्स, 17, डिप्टीगंज, सदर बाजार, दिल्ली-110006	बिजली का घरेलू आहार-मिक्सी 200 वा 230 वा ए सी, 0.5 लिटर समाईवाला (2 मिनट चालू 5 मिनट बन्द)--- IS : 4250-1967	
21. सी एम/एल-7526 1979-02-07	79-02-16	80-02-15	इन्टरब्रुश दौलताबाद रोड, गुड़गाँव (हरियाणा) (कार्यालय : 4/24 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110001)	पेन्ट, वॉनिश ब्रुश, चपटे; साइज : 100 मिमी केवल--- IS : 384-1971	
22. सी एम/एल-7527 1979-02-07	79-02-16	80-02-15	मल्टी प्लैक्स एग्री इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, प्लाट नं० 184/11 और 12 जी० आई० डी० सी० इस्टेट; नरोडा, अहमदाबाद-382330 (गुजरात)	कार्बेरिल धूलन पाउडर--- IS : 7122-1973	
23. सी एम/एल-7528 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	जे० के० केबिल्स इंडस्ट्रीज, 42, इंडस्ट्रियल इस्टेट, जम्मू (जम्मू-कश्मीर)	अल्युमिनियम युक्त चालक और एल्युमिनियम चालक, जस्तीकृत इस्पात प्रवर्तित--- IS : 398 (भाग 1 और 2)--1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24. सीएम/एल-7529 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	डिटच इंजिनियरिंग (इंडिया) लि०, 29, मल्कागंज रोड, दिल्ली-110007	बिजली की इस्तिरियां (घोड़ा), प्रस्वचल प्रकार, 250 वोल्ट से अनधिक बोल्टता की— IS : 366—1965	
25. सीएम/एल-7530 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	—वही—	बिजली की कैपिटियां—230 वोल्ट, 1.5 कि०वा और 1.5 लिटर समर्प वाणी— IS : 367—1977	
26. सीएम/एल-7531 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	प्रतिल रबड़ मिल, प्लाट, नं० 30, सैक्टर 6, फरीदाबाद	रबड़ कन्वियर और एलीवेटर बैल्टिंग, सामान्य कार्य, ग्रेड एम 24 केवल— IS : 1891 (भाग 1)—1968	
27. सीएम/एल-7532 1979-02-09	79-02-16	80-02-15	छोटाभाई जैदाभाई पटेल एंड कं०, टोबेको बीडी लीज मर्चेंट्स एंड बीडी मेन्सु-फेक्चरर्स, गोंदिया, जिला भंडारा (महाराष्ट्र)	बीडी— IS : 1925—1974	
28. सीएम/एल-7533 1979-02-09	79-02-16	80-02-15	सर्वे इंस्टीट्यूटसाइन्स एंड फर्टिलाइजर्स, 1-ग/2 इंडस्ट्रियल इस्टेट, मम्बूर, मद्रास-600058 (तमिलनाडु)	डी की टी जलविसर्जनीय पाउडर मान्द्र— IS : 565—1975	
29. सीएम/एल-7534 1979-02-15	79-03-01	80-02-29	मयूर निटिंग मिल, 33, देवजी कालोनी, निरुपुर-638601	सावा बुनी सूती बास्केटें : टाइप : प्रायरन और भार एन एस साइज : 75 से 100 से भी गेज : 26— IS : 4864 (भाग 2)—1975	
30. सीएम/एल-7535 1979-02-15	75-03-01	80-02-29	पेट्रोपियम प्रोडक्ट्स मेन्सु मोसाहटी विट्रल-वाडी इंडस्ट्रियल इस्टेट, भावनगर-364001 (गुजरात)	पेट्राफिन मोम, टाइप 3— IS : 4654—1974	
31. सीएम/एल-7536 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	रामकृष्ण बन्धु, 1509, खड्डा जिन, मालेगांव-423203, जिला नासिक (महाराष्ट्र)	कृषा ग्रेड 2— IS : 4359—1967	
32. सीएम/एल-7537 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	प्रेमश इंडस्ट्रीज, एम०आई०डी०सी० इंडस्ट्रियल एरिया, आस रोड "बी" अंशेरी (पूर्व) बम्बई-400093 (महाराष्ट्र)	सीलिंग रोजेज— IS : 371—1966	
33. सीएम/एल-7538 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	यूनियंसल स्टील इंडस्ट्रीज, 197, कोलशेट रोड, घोणे (महाराष्ट्र) (कार्यालय—सीमरी लेन, दासखाना बम्बई-400010)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1975	
34. सीएम/एल-7539 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	फर्ष (इंडिया) स्टील कं० लि०, प्लाट नं० एफ/3, रोड नं० 22 बागले इस्टेट, थाना-400604	तेज शक्तिशाली औजारों के लिए इस्पात 32.0 मिमी तक गोल, सभी स्थितियों के लिए— IS : 7291—1974	
35. सीएम/एल-7540 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	नन्दू केमिकल इंडस्ट्रीज (फूड प्राडक्ट्स डिपोजिट), एन-12, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मोकुल रोड, हुबली-580021 (कर्नाटक)	सामान्य नमक— IS : 253—1970	
36. सीएम/एल-7541 1979-01-16	79-03-01	80-02-29	गिल्लूराम गोरीशंकर, शाऊसागड़ी बैद्यनाथ-बैद्यनाथ, जिला सन्ध्याम परगना (बिहार)	एल्युमिनियम युक्त बालक और एल्युमिनियम बालक, जस्तीकृत इस्पात प्रबलित— IS : 398 (भाग 1 और 2)—1976	
37. सीएम/एल-7542 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	कवालिटो टी-मैन्ट मेन्सु बर्क्स, 11/1, तपासिया रोड, कलकत्ता-700046	आय की पेटी के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)—1979	
38. सीएम/एल-7543 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	इंडस्ट्रियल केबिल्स (इंडिया) लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, राजपुरा-140401	बिजली के लिए ट्रांसी और सम्पर्क तार— IS : 3476—1967	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
39. सीएम/एल-7544 1979-02-20	79-03-01	80-02-29	प्रवीण ट्रेडिंग कारपोरेशन, सी-24, इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 (कार्यालय : फ्रेजर रोड, पटना) (बिहार)	एल्यूमिनियम युक्त बालक और एल्यूमिनियम बालक, जस्ती, कृत इस्पात प्रबलित— IS : 398 (भाग 1 और भाग 2)—1976	
40. सीएम/एल-7545 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	श्री मंजुनाथ पल्लवराजस प्रां.लि०, 620 इंडस्ट्रियल सबर्न, यशवन्तनगर, बंगलौर-560022 (कर्नाटक) (कार्यालय : साबुबाणी बिल्डिंग, एन० आर० रोड, बंगलौर-560002 (कर्नाटक)	टोक्साफेनी पायसनीय तेज द्रव— IS : 7946—1976	
41. सीएम/एल-7546 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	मैक्सवेल वायर इंडस्ट्रीज, राजापुर पटना-800001	एल्यूमिनियम युक्त बालक और एल्यूमिनियम बालक, जस्तीकृत इस्पात प्रबलित— IS : 398 (भाग 1 और 2)—1976	
42. सीएम/एल-7547 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	रैडियेंट केबिल्स प्रां.लि० बी-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मसतनगर, हैदराबाद-500018 (आंध्रप्र०)	(पी बी सी रोडित भारी इयूटी) विजली के केबिल, तारों के जालको बाले— IS : 1554 (भाग 1)—1976	
43. सीएम/एल-7548 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	विज्वास इंजीनियरिंग कारपोरेशन, 2 अम्बिका मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700056 (पश्चिम बंगाल)	कृषि, कार्यों के लिए साफ, ठंडे, ताजा पानी के बास्ते क्षैतिज, अपकेन्द्रीय पम्प, निम्नांकित साइजों के — साइज गति 80—65 मिमी 1450 भार पी एम इयूटीप्राइन्ट 11 एम हैड पर 1000 एल पी एम डिस्चार्ज 70% क्षमता एवं 3.7 किवा पम्प इनपुट टाइप/माडल ई-50— IS : 6595—1972	
44. सीएम/एल-7549 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	हैडी प्राइवेट्स, जवाहर कोषापरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 58/74, कामाये पमबेल न्यू बम्बई (महारा०) (कार्यालय : 10, छपरा बिल्डिंग, आर०के० वैद्य रोड, रावर, बम्बई-400028)	बो सिलेन्डरों वाली रोटरी मशीन के लिए बुलीकेटिंग स्याही— IS : 1222—1973	
45. सीएम/एल-7550 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	रोमर एंड कं० (इंडिया) इंडस्ट्रियल इस्टेट, तामकटोरा, लखनऊ-226011	मीलिंग बैक्स ग्रेड 1, 2 और 3— IS : 868—1956	
46. सीएम/एल-7551 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	न्यू कश्मीर स्टील रोलिंग मिल्स, न्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंगयाल, जम्मू तबी	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1975	
47. सीएम/एल-7552 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	„	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
48. सीएम/एल-7553 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	मेटलमैन पाइप मेन्यू० कं० प्रां.लि०, 17—19 मुकलिया, इंडस्ट्रियल एरिया, सावर रोड, इन्दौर	मशीनी और सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियां, ई आर डब्ल्यू 21 और सी ई डब्ल्यू-38 ग्रेडों की— IS : 3601—1968	
49. सीएम/एल-7554 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	पालसन इंडस्ट्रियल, 165, मोखला इंडस्ट्रियल कंप्लेक्स, फेज 2 नई दिल्ली-110020	टाइपराइटर के रिबन, टाइप 1 और 2 काले और काले लाल के लिए मध्यम स्याही— IS : 4174—1977	
50. सीएम/एल-7555 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	इन्टर फार्मस्यूटिकल्स (इंडिया) प्रां.लि०, अशोक सिनेमा बिल्डिंग बुद्धमार्ग, पटना-800001 (बिहार)	रोगाणुनाशक द्रव, काला, श्रेणी-ए, ग्रेड-3 टाइप-सामान्य— IS : 1061—1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
51. सीएम/एल-7556 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	के०सी०ए० लि०, चन्द्रालय, बंडी बाजार, पक्का खाल ई, छाया रोड— वेदेष्वर, जामनगर-361002 (गुजरात) (कार्यालय: जैमन्त कुंज, घस्पताल रोड, जाम- नगर 360001 (गुजरात))	IS : 2924-1974	
52. सीएम/एल-7557 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एस०एम०पी० (प्रा० लि०), 22/1, एम०आई०डी० गामा-बी एच सी पायसनीय तेज ब्रच की पुनः सी० इंस्ट्रियल इस्टेट, रोहा तालुका, जिला कोलाबा (महाराष्ट्र)	वैकिंग— IS : 633-1975	
53. सीएम/एल-7558 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एस०एम०पी० (प्रा० लि०), 22/1, एम०आई०डी० बी डी टी पायसनीय तेज ब्रच की पुनः वैकिंग सी इंस्ट्रियल इस्टेट, रोहा तालुका, जिला कोलाबा (महाराष्ट्र)	IS : 633-1975	
54. सीएम/एल-7559 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	„	फेरीटोथियोन पायसनीय तेज ब्रच की पुनः वैकिंग— IS : 5281-1969	
55. सीएम/एल-7560 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	„	मलाथियोन पायसनीय तेज ब्रच की पुनः वैकिंग— IS : 2587-1978	
56. सीएम/एल-7561 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	„	डाइक्लोबॉस पायसनीय तेज ब्रच की पुनः वैकिंग— IS : 5277-1978	
57. सीएम/एल-7562 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	„	बी डी टी जलविज्ञानीय पाउडर सामग्री की पुनः वैकिंग— IS : 565-1975	
58. सीएम/एल-7563 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	„	बी एच सी जलविज्ञानीय पाउडर सामग्री की पुनः वैकिंग— IS : 562-1972	
59. सीएम/एल-7564 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	यमुना वैकिंग इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, सहारनपुर रोड, यमुनानगर-135001	चाय की पेटियाँ के लिये पेटियाँ— IS : 10 (भाग 3)-1974	
60. सीएम/एल-7565 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	फीडर बैलेंसिंग डेयरी, टी गन्टूर डिस्ट्रिक्ट मिस्त प्रोड्यूसर्स को-ऑप० यूनियन लि०, वाडलामुडी, तेनाली तालुक, जिला गन्टूर (आ० प्र०)	दुग्ध चूर्ण— IS : 1165-1975	
61. सीएम/एल-7566 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	हिमाचल स्टील्स, ग्राम व डा० महोली नलगढ (हि० प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1975	
62. सीएम/एल-7567 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	अपार प्रा० लि०, पश्चिमी रेलवे के सामने “डी” केबिन छानी रोड, बड़ीवा-390002	मेटल आर्क वेल्डिंग के लिये ठके इलेक्ट्रोड सामान्य प्रवेश टाइप— IS : 814 (भाग 1)-1974	
63. सीएम/एल-7568 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एंब्राम स्टील ट्यूब्स लि०, 45/3 इंडस्ट्रियल एरिया, साइट 4, साहिबाबाद (उ० प्र०)	संरचना कार्यों के लिये इस्पात की नलियाँ, हल्की और मध्यम, काली, ग्रेड : वाई एस टी 22 ई ग्राउंड ब्यू, साइज : केवल- 80 मिमी तक— IS : 1161-1968	
64. सीएम/एल-7569 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	ट्रियो इंजीनियरिंग कं०, 1/1बी सुबलचन्द्र लेन, कलकत्ता-700009 (प० बंगाल)	हस्तचालित दबाव वाला नौसैक स्प्रेयर— IS : 1970 (भाग 1)-1974	
65. सीएम/एल-7570 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	जिन्दल (इंडिया) प्रा० लि०, धर्मसला रोड, डा० बेनुरमठ, हावड़ा, (कार्यालय: 2/1, ग्रहमव मामूजी स्ट्रीट, डा० सिलुआ, जि० हावड़ा)	संरचना कार्यों के लिये इस्पात की नलियाँ, साइज : 13.5 मिमी एन बी तक एवं सहित श्रेणी/ “हल्की” और “माध्य” ग्रेड : वाई एस टी 22— IS : 1161-1968	
66. सीएम/एल-7571 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एग्रिकल्चरल इंडस्ट्रीज (रजि०) जी० टी० रोड, बटाला	मलमल के लिये बालू ठेलें सोहे के पाइप साइज : 50, 75 और 100 मिमी केवल— IS : 1729-1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67. सीएम/एल-7572 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	मिनर्वा इंडस्ट्रीज 6/5, गनी बड़ा भाई, बेल-नगंज, भागलपुर-282004 (उ० प्र०)	खड़े, एक सिलेंडर के चार स्ट्रोक वाले जलशीतित, डीजल इंजन, निम्नांकित, रेटिंग के— मिगम गति अधिकतम 4.77 किवा 1500 श्रेणी "बी" (6.5 हापा) आरपीएम टाइप/माडल एस एफ सी एम 1-2 269 जी/किवा/घं (198 जी/बीएचपी/एच) IS : 1601-1960	
68. सीएम/एल-7573 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	मिनप्रो इंडस्ट्रीज, 50-51 और 60, इंडस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर-452003	सामान्य कार्यों के लिये ध्रुवमिनियम पेंट, दुहरे डिब्बे में— IS : 2339-1963	
69. सीएम/एल-7574 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एग्रिकल्चरल डिस्कस कार्पोरेशन जी० टी० रोड, करनाम (हरियाणा)	खेत-जुताई के डिस्क, मतावेर टाइप-साइज : केबल 610 मिमी— IS : 4366 (भाग 1)-1972	
70. सीएम/एल-7575 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	एम० पी० एग्रो वेस्टिमाइक्स लि०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, बीना-470113 (मध्य रेलवे) जिला सागर (म० प्र०)	डी० डी० डी० जलविसर्जन पाउडर सामान्य— IS : 565-1975	
71. सीएम/एल-7576 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	रैलिस इंडिया लि०, (फर्टिलाइजर्स एंड वेस्टि-साइड्स डिबीजन) 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बतूर, मद्रास-600058 (त० ना०)	क्लोरोडेन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2682-1966	
72. सीएम/एल-7577 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	सर्वन इमेक्सिटाइड्स एंड फर्टिलाइजर्स, 1-ए/2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बतूर, मद्रास-600058 (त० ना०)	आक्सीडीमोटन मिथाइल पायसनीय तेज द्रव— IS : 8259-1976	
73. सीएम/एल-7578 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	नैसेट रबड़ इंडस्ट्रीज, 13/1, न्यू तांगड़ा रोड, कलकत्ता-700046 (प० बं०)	खान थर्मिकों के लिये सुरक्षा रबड़ केनवास बुट, टाइप 2— IS : 3976-1976	
74. सीएम/एल-7579 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	स्वास्तिक केबिल कं०, 43, राजस्थानी उद्योग-नगर जी० टी० रोड जहांगीरपुरी के सामने दिल्ली	रबड़ रोहित केबिल, नम्य डोरी तांबे के चालकों वाले केबल 250/440 वोल्ट के IS : 434 (भाग 1)-1964	
75. सीएम/एल-7580 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	इंडस्ट्रियल केबिल्स (इंडिया) लि०, स्टील, वायर यूनिट, लालचन्द नगर किलाजम्कार गढ़ जि० जी० (हरियाणा)	ठंडा बिचो प्रतिबलित अवयुक्त तार— IS : 1785 (भाग 1)-1966	
76. सीएम/एल-7581 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	—नहीं—	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिये वातेदार तार— IS : 6003-1970	
77. सीएम/एल-7582 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	मैन्स्फील्ड केबिल्स बी/42.43 सैक्टर 6, नोइडा इंडस्ट्रियल कम्प्लेक्स जि० गाजियाबाद (उ० प्र०)	पी बी सी रोहित केबिल, ध्रुवमिनियम बालकों वाले केबल 650/1100 वोल्ट तक एवं सहित कार्यकारी वोल्टता के लिये (मृत्युसह केबिलों को छोड़कर)— IS : 694-1977	
78. सीएम/एल-7583 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	स्वदेशी एन्टरप्राइज एंड केमिकल इंडस्ट्रीज, 111/108, ए-60ए पोखर पुष्पा, कानपुर (उ० प्र०) (कार्यालय : 26/50, बिर-हागा रोड, कानपुर-208001 (उ० प्र०))	वी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1978	
79. सीएम/एल-7584 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	किशनचन्द एंड सन्स, डी-9, कृष्णनगर, दिल्ली (कार्यालय : भागीरथ पैलेस, सजिकल मार्केट, दिल्ली)	हथकरघा की सूती जाली, अवशोषक— IS : 758-1975	
80. सीएम/एल-7585 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	पाया फुटकेयर इंडस्ट्रीज, 14/4 सिविल लाइन्स कानपुर 208001 (उ० प्र०)	चमड़े के दस्ताने और मोजे, टाइप 1, 2 और 3— IS : 2573-1975	

[सं० सी एम डी/13: 11]

ए० पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक

S. O. 2310:—In pursuance of sub regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that eighty licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of February, 1979 authorising the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No. (CM/L-)	Period of Validity		Name and Address of the licensee	Article/Process covered by Licences and the Relevant IS : Designation
	From	To		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. CM/L-7506 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Hind Metal & Allied Industries, 25 BF, Industrial Estate, Batala (Punjab)	Ferrules for water services, Size : 15 mm only— IS : 2692—1964
2. CM/L-7507 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Chemicals & Insecticides, Village Ramnagar, Karanjaha P. O. Bhainsah (Via Sardar Nagar) Distt. Gorakhpur (U.P.) (Office : Saraf Chamber Hindi Bazar, Gorakhpur) (U.P.)	Aldrin EC— IS : 1307—1973
3. CM/L-7508 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Indian Dairy Entrepreneurs Agricultural Co. Ltd., Industrial Area, Raniwara-343040 Distt. Jalora (Rajasthan) (Off : 1, Bhiwani Singh Road, Jaipur-302001)	Infant milk foods— IS : 1547—1968
4. CM/L-7509 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., 50/A D.I.G.C. Estate Kalol, Distt. Panchmahals, Gujarat	Malathion DP— IS : 2568—1973
5. CM/L-7510 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Okey Textiles, 94(B)1, Laxminagar Main Road, Tirupur-638602 Tamilnadu	Interlock knitted cotton vests . Types : RN and RNS Sizes : 75 to 100 cm Gauges : 24 and 20— IS : 4965 (Part II)—1975
6. CM/L-7511 1979-02-02	79-02-16	80-12-15	Manotex 2H (1), Bridgeway Colony Extension Tirupur-638602 Tamilnadu	Interlock knitted cotton vests : Types : RN and RNS Sizes : 75 to 100 cm Gauge : 24— IS : 4965 (Part II)—1975
7. CM/L-7512 1979-02-02	79-02-16	80-02-15	Kisan Insecticides Co. C-14 Industrial Estate, Vijaywada-520007 (A.P.)	DDT EC— IS : 633—1975
8. CM/L-7513 1979-02-02	79-01-16	80-01-15	Tata Iron & Steel Co. Ltd., Vidya Vihar Railway Station (West) Central Railway (Off : New India Assurance Bldg. 87, M. G. Road, Fort, Bombay-400023).	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966
9. CM/L-7514 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Universal Cylinder Ltd. 197, Mataya Industrial Area, Alwar (Rajasthan)	LPG cylinder 33.3 litre water capacity— IS : 3196—1974
10. CM/L-7515 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Plantcure Concentrates, Himmat Nagar, (Behind Rana Rubber Factory) Saharanpur (U.P.)	DDT EC— IS : 633—1975
11. CM/L-7516 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Rathi Ispat Ltd. Ispat Nagar Ghaziabad	Carbon steel cast billet ingots (standard quality)— IS : 6914—1973
12. CM/L-7517 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots (ordinary quality)— IS : 6915—1973
13. CM/L-7518 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Hanut Sales Corpn., 140 Industrial Area, Jhotwara, Jaipur	18-litre square tins— IS : 916—1975
14. CM/L-7519 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	United Pulverisers, Bodla Agra-282007(U.P.)	Carboryl water dispersible powder concentrates (Ground Spray Grade)— IS : 7121—1973
15. CM/L-7520 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Crown Knitting Mills, 88F, (15) B (19), Kamraj Road, Tirupur-638604 (Tamil Nadu)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS Size : 40 to 100 cm Gauge 24 IS : 4964 (Part II)—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. CM/L-7521 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Pipefix Industries, Sector XVII E-28-29 Behind New Kavinagar Industrial Area, Ghaziabad-(U.P.)	Malleable cast iron pipe fittings of the type : Size Designation Equal Sockets M2 1/2 to 2 Equal Elbows A1 1/2 to 2 Equal Tees B1 1/2 to 2 IS : 1879 (Part II, III & IV)—1975	
17. CM/L-7522 1979-02-05	79-02-16	80-02-15	Weldcraft Pvt. Ltd., Block 1 Sham Industrial Complex, 60, Industrial Suburb, II Stage, Behind MEI, Bangalore-560022	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel Brand Coding for IS : 814 (Pt I) Coding for IS : 814 (Pt II) Maximum 60131 E-313-412 E-313 Maximum 6013 E-317-412 E-317 Maximum Aluminium E-313-412 E-313 IS : 814 (Part I & II)—1974	
18. CM/L-7523 1979-02-06	79-02-16	80-02-15	Crop Health Products Pvt. Ltd., D-31/1, Industrial Area, Meerut Road, Ghaziabad (U.P.)	Heptachlor EC— IS : 6439—1972	
19. CM/L-7524 1979-02-06	79-02-16	80-02-15	Rana Rubber Industries, Stars Paper Mill Road, Saharanpur-247001	Rubber conveyor and elevator belting— Grade M-24 general purpose IS : 1891 (Part I)—1968	
20. CM/L-7525 1979-02-07	79-02-16	80-02-15	Redihot Electricals, 17, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi-110006	Domestic electric food mixer, 200 W 230 VAC, 0.5 Lit capacity (2 minutes on 5 minutes off) IS : 4250—1967	
21. CM/L-7526 1979-02-07	79-01-16	80-02-15	Interbrush, Daulatabad Road, Gurgaon (Haryana) (Office : 4/24-A Asaf Ali Road New Delhi-110001).	Brushes paints and varnishes flat; Size : 100 mm only— IS : 384—1971	
22. CM/L-7527 1979-02-07	79-02-16	80-02-15	Multiplex Agro Industries Pvt. Ltd., Plot No. 184/11 and 12 G.I.D.C. Estate Naroda Ahmedabad-382330 (Gujarat)	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
23. CM/L-7528 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	J. K. Cables Industries, 42, Industrial Estate, Jammu (J&K).	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Pt I & II)—1976	
24. CM/L-7529 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	Ditz Electricals (India) Ltd., 29, Malkaganj Road, Delhi-110007.	Electric irons, Non-automatic type, voltage not exceeding 250 volts— IS : 366—1965	
25. CM/L-7530 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	-do-	Electric kettles—230 V, 1.5 KW & 1.5 litre capacity— IS : 367—1977	
26. CM/L-7531 1979-02-08	79-02-16	80-02-15	Anil Rubber Mills, Plot No. 30, Sector 6, Faridabad	Rubber conveyor and elevator belting general purposes, Grade M 24 only IS : 1891(Pt I)—1968	
27. CM/L-7532 1979-02-09	79-02-16	80-02-15	Chhotabhai Jethabhai Patel & Co. Tobacco Bidi Leaves Merchants and Bidi Manufactures, Gondia Distt. Bhandara Maharashtra.	BIDIS— IS : 1925—1974	
28. CM/L-7533 1979-02-09	79-02-16	80-02-15	Southern Insecticides & Fertilizers I-A/2 Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058 Tamil Nadu	DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565—1975	
29. CM/L-7534 1979-02-15	79-03-01	80-02-29	Mayura Knitting Mills, 33 Devji Colony, Tirupur-638601.	Plain knitted cotton vests: Types: RN and RNS Sizes: 75 to 100 cm Gauge: 26— IS : 4964 (Part II)—1975	
30. CM/L-7535 1979-02-15	79-03-01	80-02-29	Petroleum Products Mfg. Society, Vithalwadi Industrial Estate, Bhavnagar-364001 Gujarat.	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)					
31. CM/L-7536 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Ramkrishna Bandhu, 1509 Khadda Jin, Malegaon-423203 Distt. Nasik Maharashtra.	Kattha Grade 2— IS : 4359—1967						
32. CM/L-7537 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Precious Industries, M.I.D.C. Industrial Area, Cross Road 'B', Andheri (East)—Bombay-400093 (Maharashtra).	Ceiling roses— IS : 371—1966						
33. CM/L-7538 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Universal Steel Industries, 197 Kolshet Road Thane (Maharashtra). (Office: Third Lane, Darukhana, Bombay-400010).	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975						
34. CM/L-7539 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Firth (India) Steel Co. Ltd., Plot No. F/3 Rd. No. 22, Wagle Estate Thana-400604.	High speed tool steels round upto 32.0 mm for all conditions— IS : 7291—1974						
35. CM/L-7540 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Nandu Chemical Industries (Food Products Division) N-12 Industrial Estate, Gokul Rd. Hubli-580021 (Karnataka). Office: MHB-40 Vishweshwar Nagar Hubli-580022 (Karnataka).	Free flowing table salt— IS : 253—1970						
36. CM/L-7541 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Gillooram Gaurishankar Jhousagarhi, Baldyanath-Deoghar, Distt. Santhal Pargana (Bihar).	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Part I & II)—1976						
37. CM/L-7542 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Quality Tea Chest Mfg. Works, 11/1 Tapasia Road, Calcutta-700046.	Tea-chest metal fittings— IS : 10 (Part IV)—1979						
38. CM/L-7543 1979-02-16	79-03-01	80-02-29	Industrial Cables (India) Ltd. Industrial Area, Rajpura-140401	Trolley and contact wire for electric traction— IS : 3476—1967						
39. CM/L-7544 1979-02-20	79-03-01	80-02-29	Praveen Trading Corporation, C-24 Industrial Area, Patna-800013. (Office: Fraser Road, Patna) (Bihar).	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Part I&II)—1976						
40. CM/L-7545 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Sree Manjunatha Pulversers Pvt. Ltd., 62, Industrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore-560022 (Karnataka). (Office: Sabuvani Building, N.R. Road, Bangalore-560002) (Karnataka).	Toxaphene EC— IS : 7946—1976						
41. CM/L-7546 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Maxwell Wire Industries Rajapur, Patna-800001.	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Pt I&II)—1976						
42. CM/L-7547 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Radiant Cables Pvt. Ltd., B-2, Industrial Estate. Sanatnagar, Hyderabad-500018 (A.P.)	PVC insulated (Heavy duty) electric cables with copper conductors— IS : 1554 (Part I)—1976						
43. CM/L-7548 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Biswas Engg. Corporation, 2, Ambika Mukherjee Road, Calcutta-700056 (West Bengal).	Horizontal Centrifugal pumps for clear, cold fresh water for agricultural purpose of the following sizes: <table><tr><td>Size</td><td>Speed</td></tr><tr><td>80 × 65 mm</td><td>1450 RPM</td></tr></table> Duty Point <table><tr><td>At 11M Head</td><td>1000 LPM</td></tr></table> Discharge 70% efficiency and 3.7 K W pump input Type/Model E-50 IS : 6595—1972	Size	Speed	80 × 65 mm	1450 RPM	At 11M Head	1000 LPM
Size	Speed									
80 × 65 mm	1450 RPM									
At 11M Head	1000 LPM									
44. CM/L-7549 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Handy Products, Jawabar Co-operative Industrial Estate, Plot No. 58/74, Kamothe Panvel, New Bombay (Maharashtra). Office: 10 Chhapra Building R.K. Vaidya Road Dabar, Bombay-400028.	Duplicating ink for twin cylinder rotary machine— IS : 1222—1973						

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. CM/L-7550 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Romer & Co. (India) Industrial Estate, Talkatora, Lucknow-226011 (U.P.)	Sealing wax—Grade 1, 2 and 3— IS : 868—1956	
46. CM/L-7551 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	New Kashmir Steel Rolling Mills, New Industrial Estate Gangyal, Jammu Tawi.	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
47. CM/L-7552 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
48. CM/L-7553 1979-02-21	79-03-01	80-02-29	Metalman Pipe Mfg. Co. Pvt. Ltd., 17—19 Suklia, Industrial Area, Sanwer Road, Indore.	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes, ERW—21 and CEW—38 grades— IS : 3601—1968	
49. CM/L-7554 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	Palson Industries, 165, Okhla Industrial Complex, Phase II, New Delhi-110020.	Typewriter ribbons, Type I & II, medium inking for black and black and red IS : 4174—1977	
50. CM/L-7555 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	Inter Pharmaceuticals (India) Pvt. Ltd., Ashok Cinema Building, Budh Marg, Patna-800001 (Bihar).	Disinfectant fluid, black Class-A Grade-3 Type-Normal IS : 1061—1975	
51. CM/L-7556 1979-02-24	79-03-01	80-02-29	K.C.A. Ltd., Chandralaya, Chandi Bazar, Bedeshwar, Jamnagar-361002 (Gujarat). (Office: Hemant Kunj, Hospital Road, Jamnagar-360001) (Gujarat).	Fast Red E, Food grade IS : 2924—1974	
52. CM/L-7557 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	SMP (P) Ltd. 22/1 MIDC Industrial Estate, Roha Taluka, Kolaba Distt. Maharashtra.	Repacking of Gamma—BHC EC IS : 632—1978	
53. CM/L-7558 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	SMP (P) Ltd. 22/1 M.I.D.C. Industrial Estate, Roha Taluka, Kolaba District (Maharashtra).	Repacking of D.D.T. EC— IS : 633—1975	
54. CM/L-7559 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	SMP (P) Ltd., 22/1 M.I.D.C. Industrial Estate, Roha Taluka, Kolaba District (Maharashtra).	Repacking of fenitrothion EC— IS : 5281—1969	
55. CM/L-7560 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	SMP (P) Ltd., 22/1 M.I.D.C. Industrial Estate, Roha Taluka, Kolaba District (Maharashtra).	Repacking of Malathion EC— IS : 2567—1978	
56. CM/L-7561 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	-do-	Repacking of Dichlorvos EC— IS : 5277—1978	
57. CM/L-7562 1979-02-28	79-02-01	80-02-29	-do-	Repacking of DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565—1975	
58. CM/L-7563 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	-do-	Repacking of BHC water dispersible powder concentrates— IS : 562—1972	
59. CM/L-7564 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Yamuna Packing Industries (P) Ltd., Saharanpur Road, Yamunagar-135001	Tea chest battens— IS : 10 (Part III)—1974	
60. CM/L-7565 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Feeder Balancing Dairy, The Guntur Distt. Milk Producers' Co-op. Union Ltd., Vadlamudi Tenali Taluk, Guntur District (A.P.)	Milk powder— IS : 1165—1975	
61. CM/L-7566 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Himachal Steels, V.P.O. Majholi, Nalagarh (H.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
62. CM/L-7567 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Apar Pvt. Ltd., Opp. Western Rly., 'D' Cabin, Chhani Road, Baroda-390002.	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel normal penetration type— IS : 814 (Part I)—1974	
63. CM/L-7568 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Advance Steel Tubes Ltd., 45/3, Industrial Area, Site 4, Sahibabad (U.P.)	Steel tubes for structural purposes, light and medium black, grade: Yst 22 ERW. Size up to 80 mm only— IS : 1161—1968	
64. CM/L-7569 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Trio Engineering Co., 1/1B, Subal Chandra Lane, Calcutta-700009 (West Bengal).	Hand operated compression knapsack sprayer— IS : 1970 (Pt I)—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)											
65. CM/L-7570 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Jindal (India) Pvt. Ltd., Dharamtala Rd., P.O. Belurmath, Howrah. (Office: 2/1 Ahmed Mamuji Street, P.O. Liluah, Distt. Howrah).	Steel tubes for structural purposes— Size: upto and including 135 mm NB Class: 'Light' and 'Medium' Grade: Yst 22— IS : 1161—1968												
66. CM/L-7571 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Agricultural Industries (Regd.), G.T. Road, Batala.	Sand cast iron soil pipes— Size: 50.75 & 100 mm only— IS : 1729—1964												
67. CM/L-7572 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Minerva Industries, 6/5 Gali Bara Bhai Belanganj, Agra-282004 (U.P.)	Vertical single cylinder four-stroke, water cooled diesel engine of the following rating: <table><tr><td>Output</td><td>Speed</td><td>Governing</td></tr><tr><td>4.77 kw (6.5 HP)</td><td>1500 RPM</td><td>Class 'B'</td></tr><tr><td>Type/Model</td><td colspan="2">SFC</td></tr><tr><td>MI-2</td><td colspan="2">269 g/KW/h (1982g/bhp/h)—</td></tr></table> IS : 1601—1960	Output	Speed	Governing	4.77 kw (6.5 HP)	1500 RPM	Class 'B'	Type/Model	SFC		MI-2	269 g/KW/h (1982g/bhp/h)—	
Output	Speed	Governing														
4.77 kw (6.5 HP)	1500 RPM	Class 'B'														
Type/Model	SFC															
MI-2	269 g/KW/h (1982g/bhp/h)—															
68. CM/L-7573 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Synpro Industries, 50-51 & 60 Industrial Estate, Indore-452003.	Aluminium paint for general purposes, in dual container— IS : 2339—1963												
69. CM/L-7574 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Agricultural Discs Corporation, G.T. Road, Karnal (Hary. na).	Agricultural tillage Discs; concave type Size-610 mm only— IS : 4366 (Pt I)—1972												
70. CM/L-7575 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	M.P. Agro Pesticides Ltd., Industrial Estate Bina-470113 (C. Rly.) Distt. Sagar (M.P.)	DDT water dispersible powder concentrates — IS : 565—1975												
71. CM/L-7576 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Rallis India Ltd. (Fertilizers and Pesticides Division), 94 Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058 (Tamil Nadu).	Chlordane EC— IS : 2682—1966												
72. CM/L-7577 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Southern Insecticides & Fertilizers 1-A/2, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058 (Tamil Nadu).	Oxydemeton methyl EC— IS : 8259—1976												
73. CM/L-7578 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Crescent Rubber Industries, 13/1, New Tangra Road, Calcutta-700026 (West Bengal).	Safety rubber canvas boots for miners, Type 2— IS : 3976—1976												
74. CM/L-7579 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Swastik Cable Co., 43, Rajasthani Udyog-nagar, G.T. Road, Opp. Jhangirpuri, Delhi.	Rubber insulated cables, flexible cords, copper conductors 250/440 volts only— IS : 434 (Part I)—1964												
75. CM/L-7580 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Industrial Cables (India) Ltd., Steel Wire Unit, Lalchand Nagar, Kilazaffargarh Distt. Jind (Haryana)	Cold drawn stressed relieved wire— IS : 1785 (Part I)—1966												
76. CM/L-7581 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	-do-	Indented wire for prestressed concrete— IS : 6003—1970												
77. CM/L-7582 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Mansfield Cables, B/42-43, Sector VI, NOIDA Industrial Complex, Distt. Ghaziabad (U.P.)	PVC insulated cables, Aluminium conductor for working voltage upto and including 650/1100 volts only (excluding weather proof cables)— IS : 694—1977												
78. CM/L-7583 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Swadeshi Enterprise and Chemicals Industries, 111/108 A, 60 P.O. Kharpurwa, Kanpur (U.P.) [Office: 26/50, Birhana Road, Kanpur-208001 (U.P.)]	BHC DP— IS : 561—1978												
79. CM/L-7584 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Kishan Chand and Sons, D-9, Krishan Nagar, Delhi. [Office: Bhagirath Palace (Surgical Market (Delhi))].	Handloom cotton gauze absorbent— IS : 758—1975												
80. CM/L-7585 1979-02-28	79-03-01	80-02-29	Pama Footcare Industries, 14/4, Civil Lines, Kanpur-208001 (U.P.)	Leather gauntlets and mittens, Types I, II & III— IS : 2573—1975												

उद्योग संचालक

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1981

क्रा० आ० 2311 —पृष्ठ 314 पर छपी इस विभाग की अधिसूचना संख्या 349, दिनांक 31 जनवरी, 1981 में प्रांशिक करते हुये और सार्वजनिक परिसर (अनाधिकृत दखनदारों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन०एच० आर० पाठक, प्रबन्धक (WEX), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, झांसी को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है। वह उक्त अधिनियम के द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और सोये गए कर्तव्यों का पालन स्थायी सीमाओं के अन्दर करेगा जैसा 9 अक्टूबर, 1976 की अधिसूचना क्र०आ०सं० 3544 की सारणी के भाग II में परिभाषित किया गया है।

[क्र०सं० 14(3)/74-एस०ई० एम०]

एन० मुन्नाय्यम, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 30th July, 1981

S.O. 2311.—In partial modification of this Deptt.'s Notification No. 349, dated the 31st January, 1981 on page 344 and in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri Y. Pathak, Manager (WEX), Bharat Heavy Electricals

Ltd., Jhansi to be the Estate Officer for the purpose of the said Act. He shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officer, by and under the said Act, within the Local limits as defined in Part II of the table of the Notification S.O. No. 3544 dated the 9th October, 1976.

[F. No. 14-3/74-HEM]

N. SUBRAHMANYAM, Under Secy.

ऊर्जा संचालक

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1981

क्र०आ० 2312 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाय्य अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किये जाने की संभावना है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 की 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक निरीक्षण सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड कार्यालय, (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाउस रांची में या उपायुक्त के कार्यालय हजारीबाग (बिहार) में अथवा कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1 काउन्सेल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी पक्षों चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) को भेजेगा।

अनुसूची

सिरका कोल्यरी विस्तार ब्लॉक—IV

(वसिणी कन्नपुरा कोयला क्षेत्र)

रेखांकन सं० राजस्व /32/81

तारीख 12-3-81

(पूर्वक्षण करने के लिए अधिसूचित भूमि दर्शित करते हुए)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	टोंगी	साँझू	135	हजारीबाग	111.50	भाग

कुल क्षेत्र : 111.50 एकड़ (लगभग) या 45.12 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख रेखा ग्राम, टोंगी में से होकर जाती है (जो सिरका कोल्यरी विस्तार ब्लॉक-III की भागत : साक्षी सीमा है)।

ख-ग रेखा सिरका और टोंगी ग्रामों की भागत : सीमा के साथ-साथ जाती है (जो सिरका कोल्यरी विस्तार ब्लॉक-III की भागत : साक्षी सीमा है)।

ग-घ रेखा सिरका और टोंगी ग्रामों की भागत : साक्षी सीमा के साथ-साथ जाती है।

घ-ङ रेखा टोंगी ग्राम में से होकर जाती है।

ङ-च रेखा नामा की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है।

च-क रेखा ग्राम टोंगी में से होकर जाती है।

[सं 19 (11) /81-सी.एल. (भाग-I)]

मधु सिन्हा, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 22nd August, 1981

S.O. 2312.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, Bihar within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Sirka Colly. Extn. Block-IV
(South Karanpura Coalfield)

Drg. No. Rev/32/81
dated 12-3-81

(showing lands notified for prospecting)

Serial Number	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Tongi	Mandu	135	Hazaribagh	111.50	part
Total area :—111.50 acres (approximately) or 45.12 hec. (approximately).						

Boundary Description:

A-B	Line passes through village Tongi (which forms part common boundary of Sirka Colliery Extn. Block-III).
B-C	Line passes along the part common boundary of village Sirka & Tongi (which forms part common boundary of Sirka Colliery Extn. Block-III).
C-D	Line passes along the part common boundary of villages Sirka and Tongi.
D-E	Line passes through village Tongi.
E-F	Line passes along the western boundary of the Nalla.
F-A	Line passes through village Tongi.

[No. 19(11)/81-CL (Pt. I)]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1981

क्र.सं. 2313. — भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) के खण्ड 14 के उपखण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् के परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची के भाग-I में क्रम संख्या 9 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाये:—

“9क. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फर- पुर	आयुर्वेदिक चिकित्सा जी० और शल्य चिकित्सा ग० मे स्नातक एम० ग० नक”	1973 में 1981 तक”
---	---	----------------------------

[संख्या-बी० 26011/10/79-ए०ई०]

616 G1/81—5

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 20th August, 1981

S.O. 2313.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely:—

In Part I of the said Schedule after serial number 9 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

“9A. University of Bihar, Muzaffarpur	Graduate in G.A.M.S. From Ayurvedic Medicine and Surgery.	1973 to 1981.”
--	--	-------------------

[No. V. 26011/10/79-AE]

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1981

क्र०प्र० 2314.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् से परामर्श लेने के पश्चात्, एतद्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करनी है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची के भाग 2 में

(1) क्रम संख्या 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

“श्री बेंकटेश्वर विश्व ताबिल-ए-कामिल 1957 से
विद्यालय। 1982 तक”

(2) क्रम संख्या 9 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के साथ निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जायें, अर्थात् :—

“9क. सागर विश्व- यूनानी आयुर्विज्ञान तथा बी०यू० 1973 से
विद्यालय, सागर। शल्य विज्ञान का स्नातक एम०एस० आगे।

9ख. महाकौशल आयुर्वेद- यूनानी आयुर्विज्ञान तथा बी०यू० 1966 से
विक एवं यूनानी शल्य विज्ञान का एम०एस० 1970 तक
चिकित्सा पद्धति स्नातक
बोर्ड जबलपुर।

9ग. मध्य प्रदेश आयुर्वेद- यूनानी आयुर्विज्ञान तथा बी०यू० 1971 से
विक एवं यूनानी शल्य विज्ञान का एम०एस० 1974 तक
चिकित्सा पद्धति स्नातक
तथा प्राकृतिक
चिकित्सा बोर्ड,
भोपाल

(3) मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबंधित क्रम संख्या 21 के सामने “यूनानी तिब तथा शल्य चिकित्सा स्नातक—बी०यू०टी०एस० 1947 से 1952 तक” प्रविष्टियों के साथ कालम 2, 3 और 4 के सामने क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायें, अर्थात् :—

“डाक्टर आफ यूनानी डी०यू०एम०एम०डी० 1974 से 1977 तक
मेडिसिन। (यूनानी) 1978 से आगे

आधुनिक आयुर्विज्ञान बी०यू०एम०एम०एस० 1972 से 1983 तक।”
तथा शल्य विज्ञान
के साथ यूनानी
आयुर्विज्ञान का स्नातक

(4) क्रम संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जायें, अर्थात् :—

“23. अरबी और फार्सी फाजिल-ए-तिब 1936 से
परीक्षाओं का बोर्ड, 1982 तक
उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

24. बरकत-उल्लूम, फाजिल-उल-तिब 1964 से
वेधबन्द, उत्तर प्रदेश 1984 तक

[संख्या बी०-26015/1/78-ग०ई०]
हिम्मत सिंह घकालिया, प्रवर सचिव

New Delhi, the 22nd August, 1981

S.O. 2314.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part II of the said Schedule

(i) for serial number 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“Sri Venkateswara Tabib-e-Kamil From 1957 to 1982”
University.

(ii) after serial number 9 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be inserted, namely :—

“9A. University of Bachelor of B.U.M.S. from 1973
Sagar, Sagar. Unani Medicine onwards.
& Surgery

9B. Mahakoshal Bachelor of B.U.M.S. from 1966
Board of Unani Medicine to 1970.
of Ayurvedic & Surgery.
& Surgery.
Unani Systems
of Medicine,
Jabalpur.

9C. Madhya Pradesh Bachelor of B.U.M.S. from 1971
Board of Unani Medicine to 1974.
of Ayurvedic & Surgery.
& Surgery.
Unani Systems
of Medicine
and Naturopathy,
Bhopal.

(iii) against serial number 21, relating to Muslim University, Aligarh, after the entries “Bachelor of Unani Tib and Surgery B.U.T.S. From 1947 to 1952”, the following entries shall be inserted against columns 2, 3 and 4 respectively, namely :—

“Doctor of Unani Medicine. D.U.M. From 1974 to 1977.
M.D. (Unani) From 1978
onwards.

Bachelor of Unani Medicine B.U.M.M.S. From 1972 to
with Modern Medicine & 1983”. 1983”
& Surgery.

(iv) after serial number 22 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted namely :—

“23. Board of Arabic Fazil-e-Tibb From 1936 to 1982
and Persian
Examinations,
U.P., Allahabad.

24. Darul-Uloom, Fazil-ut-Tibb D.U.M. From 1964 to
Deoband, U.P. 1984”

[No. V. 26015/1/78-AE]
H. S. DHAKAALIA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1981

क्र०प्र० 2315.—प्रतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किये जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरोक्त कृत्यों के पालन में सगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के

परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें निर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम स्थानान्तरित करती है:—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1	श्री जे.ए.म. सम्मैना	कार्यालय अधीक्षक	सहायक निदेशक	27-3-81 (पूर्वाह्न)
2	श्री ओ.पी. वर्मा सुपुत्र श्री जीवा राम	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
3	श्री राम लाल सुपुत्र श्री रूप बहादुर	—	वाचमैन	1-3-69
4	श्री राम फल सिंह सुपुत्र श्री हरि रमान सिंह	—	वाचमैन	1-3-69
5	श्री यश लाल सुपुत्र श्री सीता राम	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
6	श्री लाल बहादुर सुपुत्र श्री धर्म सिंह	—	वाचमैन	1-3-69
7	श्री एन.के. कौशिक सुपुत्र श्री कृष्ण प्रसाद कौशिक	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
8	श्री मिस्त्री महता	—	स्टीचर	1-3-69
9	श्री रामानुज सिंह	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ.सी.-III (वा.सं.प-7)]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 31st July, 1981

S. O. 2315.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Govt. dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India, as required by the proviso to sub-Section 12A of the said Act;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers & employees to the Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the officer/ employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to F.C.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri J.S. Saxena	Office Supdt.	Asstt. Director	27/3/81 (F.N.)
2.	Shri O.P. Verma S/O Shri Jiwa Ram	—	Godown Clerk	1/3/69
3.	Shri Ram Lal S/O Shri Rup Bahadur	—	Watchman	1/3/69
4.	Shri Ram Phal Singh S/o Shri Hari Ghyan Singh	—	Watchman	1/3/69
5.	Shri Panna Lal S/o Shri Sita Ram	—	Godown Clerk	1/3/69
6.	Shri Lal Bahadur S/o Shri Dharam Singh	—	Watchman	1/3/69
7.	Shri N.K. Kaushik S/o Shri Kishan Prasad Kaushik	—	Godown Clerk	1/3/69
8.	Shri Mishri Mahato	—	Stitcher	1/3/69
9.	Shri Ramanuj Singh	Watchman	Watchman	1/3/69

[No. 52/1/79-FCIII (Vol. VII)].

शुद्धि-पत्र

क्र.सं. 2316—भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3, दिनांक 30-12-72 में एम.ओ. संख्या 5369 के अधीन प्रकाशित इस विभाग के आदेश संख्या 52/21/68-आर.ई. 1, दिनांक 11-10-72 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाएँ:—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
1	2
75	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "सहायक अधीक्षक" पढ़ें।
76	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "कार्यालय अधीक्षक" पढ़ें।
142	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "कार्यालय अधीक्षक" पढ़ें।
143	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "सहायक अधीक्षक" पढ़ें।
198	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "वरिष्ठ गोशाम रक्षक" पढ़ें।
199	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "गोशाम अधीक्षक" पढ़ें।
201	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "वरिष्ठ गोशाम रक्षक" पढ़ें।

1	2	1	2
202	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोदाम अधीक्षक" पढ़ें।	1609	(1) कालम 2 में "श्री एस० बी० पावले" के स्थान पर "श्री एस० पी० पोवले" पढ़ें। (2) कालम 3 में "बही" के स्थान पर "गोवी निरीक्षक" पढ़ें। (3) कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोवी निरीक्षक" पढ़ें।
248	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोवी निरीक्षक" पढ़ें।	1610	(1) कालम 3 में "बही" के स्थान पर "गोदाम लिपिक" पढ़ें। (2) कालम 4 में "बही" के स्थान पर "कनिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।
249	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोदाम अधीक्षक" पढ़ें।	1724	कालम 2 में एस० एन० गोपलासी के स्थान पर "श्री सी० एन० गोकलानी" पढ़ें।
1384	कालम 2 में "श्री जे० पी० कालसा" के स्थान पर "श्री जे० पी० कालसा" पढ़ें।	1824	कालम 2 में "श्री पी० एस० पाटिल" के स्थान पर "श्री धी० एस० पाटिल" पढ़ें।
1396	कालम 2 में "श्री टी० एस० शृंगे" के स्थान पर "श्री टी० ए० शृंगी" पढ़ें।	1940	कालम 2 में "श्री बी० ए० पवार" के स्थान पर "श्री आर० ए० पवार" पढ़ें।
1415	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोवी अधीक्षक" पढ़ें।	1960	(1) कालम 3 में "डेण" के स्थान पर "अपरासी" पढ़ें। (2) कालम 4 में "डेण" के स्थान पर "अपरासी" पढ़ें।
1116	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "कनिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।	1961	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोदाम लिपिक" पढ़ें।
8176	कालम 4 में "शिपट सुपरवाइजर" के स्थान पर "फोरमैन" पढ़ें।	2219	कालम 2 में "श्री एस० के० मलिक" के स्थान पर "श्री एस० के० मलिक" पढ़ें।
3177	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "शिपट सुपरवाइजर" पढ़ें।	2256	कालम 2 में "श्री डी० बी० चौधरी" के स्थान पर "श्री डी० जी० चौधरी" पढ़ें।
4846	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "कनिष्ठ लिपिक" पढ़ें।	2872	कालम 2 में "श्री आर० बी० वाघ" के स्थान पर "श्री आर० बी० घात" पढ़ें।
4847	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "अपरासी" पढ़ें।	2938	कालम 2 में "श्री रमा नायडू" के स्थान पर "श्री रमन नानी" पढ़ें।
312	(1) कालम 2 में "श्री एस० एम० बंके" के स्थान पर "श्री एस० एम० बंके" पढ़ें। (2) कालम 4 में "बही" के स्थान पर "कनिष्ठ लिपिक" पढ़ें।	3105	कालम 2 में "श्री ए० एम० जेख" के स्थान पर "श्री ए० के० शेख" पढ़ें।
313	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "कनिष्ठ लिपिक" पढ़ें।	4294	(1) कालम 3 में "बही" के स्थान पर "वायरमैन" पढ़ें। (2) कालम 4 में "बही" के स्थान पर "वायरमैन" पढ़ें।
942	कालम 2 में "श्री टी० प्रमेश्वर" के स्थान पर "श्री बी० टी० प्रमेश्वर" पढ़ें।	4295	(1) कालम 3 में "बही" के स्थान पर "वायरमैन" पढ़ें। (2) कालम 4 में "बही" के स्थान पर "वायरमैन" पढ़ें।
1046	(1) कालम 2 में "श्री आर० बी० ननावरे" के स्थान पर "श्रीमती आर० बी० ननावरे" पढ़ें। (2) कालम 5 में "बही" के स्थान पर "21-11-70 (अपराह्न)" पढ़ें।	678	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "प्रधूमन सहायक" पढ़ें।
1047	कालम 5 में "बही" के स्थान पर "1-3-69" पढ़ें।	679	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "तकनीकी सहायक" पढ़ें।
1236	कालम 2 में "श्री एस० के० मंत्री" के स्थान पर "श्री एस० जे० मंत्री" पढ़ें।	680	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "प्रधूमन सहायक" पढ़ें।
1271	कालम 2 में "श्री एस० डी० बोहरा" के स्थान पर "श्री डी० बोहरा के० आर०" पढ़ें।	681	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "तकनीकी सहायक" पढ़ें।
1328	कालम 2 में "श्री एन० जी० जोशी" के स्थान पर "श्री एन० जे० जोशी" पढ़ें।		
1421	कालम 2 में "श्री आर० एन० गुप्ता" के स्थान पर "श्री आर० एम० गुप्ते" पढ़ें।		
1500	कालम 2 में "श्री सी० जे० खाडे" के स्थान पर "श्री सी० जी० खाडे" पढ़ें।		
1507	कालम 2 में "श्री टी० भावसर" के स्थान पर "श्री के० टी० भावसर" पढ़ें।		

2. भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, दिनांक 22-2-75 में एस० ओ० संख्या 559 के अधीन प्रकाशित इस विभाग के आदेश संख्या 52/22/74-एफ० सी० 3 (वाल्सूम-1) में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें—

स्थानान्तरण आदेश की जाने वाली शुद्धियाँ में क्रम संख्या

22 कालम 4 में "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" के स्थान पर "गोदाम अधीक्षक" पढ़ें।

23 कालम 4 में "वही" के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।

27 कालम 2 में "श्री एन० रमाराव" के स्थान पर "श्री के० रमाराव" पढ़ें।

3 इस विभाग के आदेश संख्या 52/1/79-एफ० सी० 3, दिनांक 8-1-79 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें— :

स्थानान्तरण आदेश की जाने वाली शुद्धियाँ में क्रम संख्या

26 कालम 4 में "गुण निरीक्षक" के स्थान पर "क्वालिटी सुपरवाइजर" पढ़ें।

4 भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, दिनांक 26-7-75 में एस० ओ० संख्या 2378 के अधीन प्रकाशित इस विभाग के आदेश संख्या 52/22/74-एफ० सी० 3, (वाल्सूम 2), दिनांक 4-7-75 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें—

स्थानान्तरण आदेश की जाने वाली शुद्धियाँ में क्रम संख्या

81 कालम 2 में "श्री जोधा सिंह एस०" के स्थान पर "श्री जोत सिंह एस०" पढ़ें।

5. भारत के राजपत्र के भाग 2, दिनांक 29-7-78 में एस० ओ० संख्या 2190 के अधीन प्रकाशित इस विभाग के आदेश संख्या 52/4/71-एफ० सी० 3 (वाल्सूम-9), दिनांक 7-7-78 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें—

स्थानान्तरण आदेश की जाने वाली शुद्धियाँ में क्रम संख्या

3 (1) कालम 3 में "उच्च श्रेणी लिपिक" के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।

(2) कालम 4 में "उच्च श्रेणी लिपिक" के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।

[सं० 52/1/79-एफ० सी० 3 (वाल्सूम-7)]

कुज बिहारी, अवध सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, 31st July, 1981

S.O. 2316.—In this Department's Order No. 52/21/68-REI, dated 11-10-72 published in Part II, Section 3 of the Gazette of India dated 30-12-72 under S.O. No. 5369, the following corrections shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order Correction to be carried out

1

2

75 For the words "Do" in col. 4, read "Assistant Supdt."

76 For the words "Do" in col. 4, read "Office Supdt."

142 For the words "Do" in col. 4, read "Office Supdt."

1

2

143 For the words "Do" in col. 4, read "Assistant Supdt."

198 For the words "Do" in col. 4, read "Sr. Godown Keeper."

199 For the words "Do" in col. 4, read "Godown Supdt."

201 For the words "Do" in col. 4, read "Sr. Godown Keeper."

202 For the words "Do" in col. 4, read "Godown Supdt."

248 For the words "Do" in col. 4, read "Dock Inspector."

249 For the words "Do" in col. 4, read "Godown Supdt."

1384 For the words "Shri J.P. Kalra" in col. 2, read "Shri J.P. Khalsa"

1396 For the words "Shri T.S. Shringee" in col. 2, read "Shri T.A. Shringee"

1415 For the words "Do" in Col. 4, read "Dock Supdt."

1416 For the words "Do" in col. 4, read "Sr. Godown Keeper."

3176 For the words "Shift Supervisor" in Col. 4, read "Foreman".

3177 For the words "Do" in col. 4, read "Shift Supervisor".

4846 For the words "Do" in col. 4, read "Junior Clerk".

4847 For the words "Do" in col. 4, read "Peon".

312 (i) For the words "Shri S.M. Backe" in col. 2, read "Shri S.M. Bache".

(ii) For the words "Do" in col. 4, read "Junior Clerk".

313 For the words "Do" in col. 4, read "Senior Clerk".

942 For the words "Shri T. Amesur" in col. 2, read "Shri B.T. Amesur".

1046 (i) For the words "Shri R.V. Namavere" in col. 2, read "Smt. R.V. Nanaware".

(ii) For the words "Do" in col. 5, read "21-11-70" (A.N.)".

1047 For the words "Do" in col. 5, read "1-3-69".

1236 For the words "Shri S.K. Mantri" in col. 2, read "Shri S.J. Mantri".

1271 For the words "Shri S.D. Vohra" in col. 2, read "Shri Daudi Vohra K.R.".

1328 For the words "Shri N.G. Joshi" in col. 2, read "Shri N.J. Joshi".

1421 For the words "Shri R.N. Gupta" in col. 2, read "Shri R.M. Gupte".

1500 For the words "Shri C.J. Khade" in col. 2, read "Shri C.G. Khadye".

1507 For the words "Shri T. Bhavsar" in Col. 2, read "Shri K.T. Bhavsar".

1609 (i) For the words "Shri S.V. Pawle" in Col. 2, read "Shri S.P. Powale".

1	2
	(ii) For the words "Do" in col. 3, read "Dock Inspector".
	(iii) For the words "Do" in col. 4, read "Dock Inspector".
1610	(i) For the words "Do" in col. 3, read "Godown Clerk".
	(ii) For the words "Do" in col. 4, read "Jr. Godown Keeper".
1724	For the words "Shri S.N. Gopalani" in col. 2, read "Shri C.N. Goklani".
1824	For the words "Shri P.M. Patil" in col. 2, read "Shri V.M. Patil".
1940	For the words "Shri B.A. Pawar" in col. 2, read "Shri R.A. Pawar".
1960	(i) For the dash in col. 3, read "Peon".
	(ii) For the dash in col. 4, read "Peon".
1961	For the words "Do" in col. 4, read "Godown Clerk".
2219	For the words "Shri S.K. Malik" in col. 2, read "Shri S.K. Malim".
2256	For the words "Shri D.B. Chodhary" in col. 2, read "Shri D.G. Choudhary".
2872	For the words "Shri R.B. Wagh" in col. 2, read "Shri R.B. Ghag".
2938	For the words "Shri Rama Naidu" in col. 2, read "Shri Raman Nani".
3105	For the words "Shri A.M. Sheikh" in col. 2, read "Shri A.K. Shaikh".
4294	(i) For the words "Do" in col. 3, read "Wireman".
	(ii) For the words "Do" in col. 4, read "Wireman".
4295	(i) For the words "Do" in col. 3, read "Watchman".
	(ii) For the words "Do" in col. 4, read "Watchman".
678	For the words "Do" in col. 4, read "Fumigation Assistant".
679	For the words "Do" in col. 4, read "Technical Assistant".
680	For the words "Do" in col. 4 read "Fumigation Assistant".
681	For the words "Do" in col. 4, read "Technical Assistant".

II. In this Department's Order No. : 52/22/74-FC. III (Vol. I) dated 3-2-75 published in Part II, Section 3 of the Gazette of India dated 22-2-75 under S.O. No. 359, the following corrections shall be carried out.

Sl. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
22	For the words "Senior Godown Keeper" in col. 4, read "Godown Supdt".
23	For the words "Do" in col. 4, read "Sr. Godown Keeper".
27	For the words "Shri N. Ramarao" in Col. 2, read "Shri K. Ramarao".

III. In the Department's Order No. 52/1/79 FC. III dated 8-1-79, the following correction shall be carried out.

Sl. No. in the Transfer Order

26 For the words "Quality Inspector" in col. 4, read "Quality Supervisor".

IV. In this Department's Order No. 52/22/74-FC. III (Vol. II) dated 4-7-75 published in Part II, Section 3 of the Gazette of India dated 26-7-75 under S.O. No. : 2378, the following correction shall be carried out :—

Sl. No. in the Transfer Order

81 For the words "Shri Jodha Singh S" in col. 2, read "Shri Jot Singh S."

V. In this Department's Order No. 52/4/71-F.C. III (Vol. IX) dated 7-7-78 published in Part II, section of the Gazette of India dated 29-7-78 under S.O. No. 2190, the following corrections shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order

3 (i) For the words "U.D.C." in col. 3, read "Sr. Godown Keeper".
(ii) For the words "U.D.C." in col. 4, read "Sr. Godown Keeper".

[No. 52/1/79-FC. III (Vol. VII)]
KUNJ BEHARI, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1981

का० आ० 2317.—दिल्ली नगर कला आयोग, अधिनियम, 1973 (1974 का 1) की धारा 5 तथा 3 के साथ पठित धारा 4 के द्वारा प्रवक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, निर्माण और आवास मन्त्रालय की दिनांक 20 मई, 1979 अधिसूचना संख्या कार्यालय आदेश 321 (ई०) का आशिक रूप से संशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा नई दिल्ली स्कूल आफ आर्ट के भूतपूर्व प्रोफेसर सेखो चौधुरी को कार्यभार सम्भालने की निधि से दो वर्ष तक के लिए दिल्ली नगर कला आयोग, नई दिल्ली का पूर्णाकालिक सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार, निर्माण और आवास मन्त्रालय के दिनांक 27 अप्रैल, 1974 की अधिसूचना संख्या मा० का० नि० 190 (ई०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :—

कथित अधिसूचना में "एक अंशकालिक अध्यक्ष तथा तीन अंशकालिक सदस्य होंगे" शब्दों के स्थान पर तथा उसके अन्तर्गत की गई प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित को रखा जायेगा नामतः.

"निम्न प्रकार से एक अंशकालिक अध्यक्ष, एक पूर्णाकालिक सदस्य और तीन अंशकालिक सदस्य होंगे :—

- | | |
|----------------------------|-------------------|
| (1) श्री एस० सी० बोंम मलिक | अंशकालिक अध्यक्ष |
| (2) प्रोफेसर सेखो चौधुरी | पूर्णाकालिक सदस्य |
| (3) श्री राजेन्द्र कुमार | अंशकालिक सदस्य |
| (4) श्री वी० एस० कटारा | अंशकालिक सदस्य |
| (5) श्री एम० एम० राणा | अंशकालिक सदस्य |

[संख्या ए० 11013/4/81-डी० सी० -5-बी०]

जे० ए० समद. उप सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 17th August, 1981

S.O. 2317.—In exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5 and 3 of the Delhi Urban Art Commission Act, 1973 (1 of 1974) and in partial modification of the Notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 321(E) dated the 29th May, 1979, the Central Government hereby appoints Professor Sankho Chaudhuri, formerly of the Baroda School of Arts, as a whole-time member of the Delhi Urban Art Commission, New Delhi, from the date he takes over for a period of two years and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. G.S.R. 190(E) dated the 27th April, 1974, namely :—

In the said notification for the words "shall consist of a part-time Chairman and three other part-time members" and the entries thereunder, the following shall be substituted namely :—

"shall consist of a part-time Chairman, a whole-time member and three part-time members as follows :—

- (1) Shri S.G. Bose Mullick—Part-time Chairman.
- (2) Professor Sankho Chaudhuri—Whole-time member
- (3) Shri Gajendra Kumar—Part-time member
- (4) Shri V.S. Katara—Part-time Member.
- (5) Shri M.M. Rana Part-time member".

[No. A.11013/4/81-DDVB.]

J. A. SAMAD, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आवेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1981

क्र० आ० 2318—फिल्म सलाहकार बोर्ड के कार्यकरण से सम्बन्धित विनियमों के नियम 14 (ख) के उपबंधों के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एम्बेडगाइंग इमके साथ खीनी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरणों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

अनुसूची

क्र०	फिल्म का नाम	फिल्म की सम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा, संबंधी फिल्म है या समाज और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1711 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1711 (क्षेत्रीय वितरण)	303.00	फिल्म प्रभाग, 24, शा० गोपालराव देशमुख मार्ग, बम्बई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। कमरा: सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिये।
2	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1712 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1712 क्षेत्रीय पश्चिम	269.00	वही		वही

[फाइल संख्या 315/5/81-एफ पी]

कश्मीरी लाल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1981

S.O. 2318.—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Regulations relating to the Working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their languages versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purposes of a film dealing with news current documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Indian News Review No. 1711 and Indian News Review No. 1711 (Regional South).	303 mtrs.	The Films Division, 24-Dr. Gopalrao Deshmukh Marg, Bombay-26.		News and Current events General & Regional release respectively.
2.	Indian News Review No. 1712 and Indian News Review No. 1712 (Regional West).	269 mtrs.	-do-		-do-

[File No. 315/5/81-FPP]

KASHMIRI LAL, Desk Officer

पुनर्वास और पुनर्वासि विभाग

पुनर्वास विभाग

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1981

क्र० आ० 2319:—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जिलों के कलेक्टरों को, कलेक्टरों के अपने कार्यों के अतिरिक्त, मध्य प्रदेश में स्थित निष्कांत सम्पत्तियों के संबंध में, उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उसके अधीन अधीनस्थ अधिकार के कार्यों का निष्पादन करने के लिए, उनके संबंधित जिलों के लिए, उपर अधीनस्थ के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1 (13) /वि० सैल/81-एम० एस०-II(क)]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 6th August, 1981

S.O. 2319.—In exercise of the powers conferred by Section 6(1) of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Collectors of the various districts in the State of Madhya Pradesh as Additional Custodians for their respective districts for the purpose of discharging, in addition to their own duties as Collectors, all duties imposed on the Custodian by or under the said Act in respect of evacuee properties in the State of Madhya Pradesh.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(A)]

क्र० आ० 2320:—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जिलों के उप-संयोजक अधिकारियों को, उप-संयोजक अधिकारी के रूप में उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त, मध्य प्रदेश राज्य में स्थित निष्कांत सम्पत्तियों के संबंध में उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उसके अधीन अधीनस्थ अधिकार को सौंपे गए सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए, उनके संबंधित जिलों के लिए, उप अधीनस्थ के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एम०एस०-II(ख)]

S.O. 2320.—In exercise of the powers conferred by Section 6(1) of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Sub-Divisional Officers of various districts in Madhya Pradesh State, as Deputy Custodians for their respective districts, for the purpose of discharging, in addition to their own duties as Sub-Divisional Officers, all the duties imposed on the Custodian by or under the said Act in respect of evacuee properties in the State of Madhya Pradesh.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(B)]

क्र० आ० 2321:—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, मध्य प्रदेश सरकार, पुनर्वास विभाग के उप सचिव को, मध्य प्रदेश सरकार के उप-सचिव के रूप में उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त, उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उसके अधीन सहायक महाअधीनस्थ अधिकार को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, मध्य प्रदेश में स्थित निष्कांत सम्पत्तियों के संबंध में, सहायक महाअधीनस्थ अधिकार के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एम०एस०-II(ग)]

S.O. 2321.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Rehabilitation Department as Assistant Custodian General of Evacuee

Property for the State of Madhya Pradesh for the purpose of discharging, in addition to his own duties as Deputy Secretary to the Government of Madhya Pradesh, the duties imposed on such Assistant Custodian General by or under the said Act in respect of evacuee properties in the State of Madhya Pradesh.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(C)]

क्र० आ० 2322:—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निर्देश देती है कि, मध्य प्रदेश राज्य में स्थित मुद्रावजा पूल की भूमि और सम्पत्तियों के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) और धारा 33 के अधीन उमके द्वारा प्रयोग की जाने वाली किसी भी शक्ति का प्रयोग सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, पुनर्वास विभाग, भोपाल द्वारा भी किया जाएगा।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एम०एस०-II(ड०)]

S.O. 2322.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 34 of the Displaced persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby directs that any powers exercisable by it under Sub-Section (4) of Section 24 and Section 33 of the said Act, shall be exercisable also by the Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Rehabilitation Department, Bhopal, in addition to his own duties, in respect of the land and properties forming part of the Compensation Pool within the State of Madhya Pradesh.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(E)]

क्र० आ० 2323:—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उप सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, पुनर्वास विभाग, भोपाल को उपसचिव के रूप में उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के अधीन बंदोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, मध्य प्रदेश राज्य में स्थित मुद्रावजा पूल के भाग की भूमि और सम्पत्तियों के संबंध में, बंदोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/एम०एस०-II(घ)]

एम. एन. वाधवानी, अधर सचिव

S.O. 2323.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Rehabilitation Department, Bhopal, as Settlement Commissioner for the purpose of performing, in addition to his own duties as Deputy Secretary, the functions assigned to a Settlement Commissioner by or under the said Act, in respect of the land and properties forming part of the Compensation Pool within the State of Madhya Pradesh.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS. II.(F)]

N. M. WADHWANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1981

क्र० आ० 2324:—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 की उपधारा (3) द्वारा महाअधीनस्थ के रूप में भूसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, इसके द्वारा, मध्य प्रदेश सरकार, पुनर्वास विभाग के उपसचिव और इस विभाग की दिनांक

6 अगस्त, 1981 की अधिसूचना सं० 1 (13) /विशेष सैल /81-एस० एस० -II द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के लिए नियुक्त किए गए सहायक महा-प्रभिरक्षक को अपनी निम्नलिखित शक्तियां सौंपते हैं :—

- (i) अधिनियम की धारा 24 और 27 के अधीन शक्तियां।
- (ii) अधिनियम की धारा 10(2)(0) के अधीन किसी भी निष्क्रान्त सम्पत्ति के हस्तांतरण के अनुमोदन की शक्तियां।
- (iii) निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशामन (केन्द्रीय) नियमावली, 1950 के नियम 30-क के अधीन मामलों के हस्तांतरण की शक्तियां।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एस० एस० II (ब)]

New Delhi, the 6th August, 1981

S.O. 2324.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by sub-section (3) of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Custodian General hereby delegates to the Deputy Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Rehabilitation Department and Assistant Custodian General for the State of Madhya Pradesh appointed vide this Department's Notification No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(C), dated the 6th August, 1981, his following powers :—

- (i) Powers under Sections 24 and 27 of the Act.
- (ii) Powers of approval of transfer of any of evacuee property under section 10(2)(O) of the Act.
- (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1950.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS.II.(D)]

का० जा० 2325—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्य बंधोबस्त आयुक्त इसके द्वारा इस विभाग की अधिसूचना सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एस० एस०-II(ब), दिनांक 6 अगस्त, 1981 द्वारा बंधोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त उपसचिव, मध्य प्रदेश सरकार, पुनर्वास विभाग को अपनी निम्न-लिखित शक्तियां सौंपते हैं :—

- (1) अधिनियम की धारा 23 के अधीन अपील सुनने की शक्तियां।
- (2) अधिनियम की धारा 24 के अधीन पुनरीक्षण अपील सुनने की शक्तियां।
- (3) अधिनियम की धारा 28 के अधीन मामलों के हस्तांतरण की शक्तियां।

[सं० 1(13)/विशेष सैल/81-एस० एस०-II (छ)]

श्रीविन्द जी मिश्र

मुख्य बंधोबस्त आयुक्त

S.O. 2325.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (Act, No. 44 of 1954), the Chief Settlement Commissioner hereby delegates to the Deputy Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Rehabilitation Department, appointed as Settlement Commissioner, vide this Department's Notification No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS. II(F) dated the 6th August, 1981, his following powers:—

- (i) Powers to hear appeals under Section 23 of the said Act.
 - (ii) Powers to hear revisions under Section 24 of the said Act.
- 616 GI/81-6.

(iii) Powers to transfer cases under Section 28 of the said Act.

[No. 1(13)/Spl. Cell/81-SS-II(G)]

G. J. MISRA, Chief Settlement Commissioner.

संचार मंत्रालय

अनुश्रवण संघटन (मुख्यालय)

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1981

का० जा० 2326.— केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम 4 के अनुसरण में, अनुश्रवण संघटन, संचार मंत्रालय के निम्नलिखित अनुश्रवण केन्द्रों को, जिनके कर्मचारी बृत्त ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :—

1. अनुश्रवण केन्द्र, जालंधर
2. अनुश्रवण केन्द्र, श्रीनगर

[संख्या 9-नौन (24)/78]

पवन कुमार गर्ग, सहायक बेतार सलाहकार

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Monitoring Organisation)

New Delhi, the 13th July, 1981

S.O. 2326.—In pursuance of sub-rule 4 of rule 10 of the Official Languages (use for official purpose of the union) Rule, 1976, the Central Government hereby notify following stations of Monitoring Organisation of the Ministry of Communication, the staff whereof, have acquired by working knowledge of Hindi.

1. Monitoring station, Jullundur.
2. Monitoring station, Srinagar.

[No. 9-MON(24)/78]

P. K. GARG, Asstt. Wireless Advisor

अभ्य संज्ञालय

आदेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई 1981

का० जा० 2327.— केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में पश्चिमी रेलवे प्रशामन, प्रहमदाबाद के प्रबन्ध मंडल से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद त्रिज्यकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा 1(1) के खंड (ब) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० एस० बरोत होंगे, जिनका मुख्यालय प्रहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पश्चिम रेल कर्मचारी परिषद्, साबरमती प्रहमदाबाद की यह भाग न्यायोचित है कि उन आकस्मिक श्रमिकों को, जिनके बारे में उन्होंने विवाद उठाया है, इंजीनियरिंग कर्मशाला साबरमती के आकस्मिक श्रमिकों को उपलब्ध परिशिष्टों/मुख्य सुविधाएं और फायदे दिए जाने चाहिए ? यदि हां, तो ये किस अनुसूची के हकदार हैं ?

सं० एस—41025/1/80—बी II (बी)

साबर मती इंजीनियरिंग कर्मशाला, पश्चिमी रेलवे की म्मिषी बुकान में काम करने वाले कर्मचारियों की सूची।

1. रामनिबाम सुपुत्र गणपत
2. गणपतसाय सुपुत्र जल्पाभाई
3. सोमभाई सुपुत्र पुंजभाई
4. गोविन्द भूखजी
5. जगदीश सिंह हरीसरण
6. वेरुभाई बिसा भाई
7. रघुजी सोमाजी
8. गंगाराम भीमराव
9. किशोर सिंह बेगसिंह
10. शशिकांत शांताराम
11. मोहम्मद अजैन छंगा
12. अमोककुमार ज्वाला प्रसाव
13. गिरीजाशंकर हरीनारायण
14. मनुभाई जसवंत भाई
15. सधशिवम अरुणचलम
16. गणेशभाई कंजी भाई
17. खोवाजी गंगाजी
18. जिलेन्द्र सिंह राम सिंह
19. नरेश सदाशिव
20. सुरेश चन्द प्रेमजी
21. केशवदेव रोहतासदेव
22. रत्न लाल मनिलाल
23. रामासिंह रामसरण सिंह
24. भीराक काशीराम
25. सुनील सदाशिव
26. कालाजी मामाजी
27. बरुवजन श्री रंगम
28. लक्ष्मणजी भीकाजी
29. रमेशचन्द्र सुरेशपाल
30. राजनारायण जलेश्वर]
31. राधेश्याम मुंशीसिंह
32. गौरीशंकर कर्णसिंह
33. दहिया भाई मंगजी भाई
34. सुभाष चन्द रामचन्द्र
35. रणछोड़ कर्णसिंह
36. बीरित कुमार ललितकुमार
37. मसीभाई रणछोड़ भाई
38. सतीश कुमार मनीलाल
39. गुलाभाई मोहनलाल
40. हरीशंकर श्याली राम
41. जयंती भाई मोती राम
42. राजकुमार रामसुख
43. दमरी प्रसाव हरखा]
44. यशदत्त भीखम्बर
45. शिवबहादुर रघुमाथ
46. रमणाजी मामाजी
47. विनेश रिमीपाल
48. हरीसिंह रामगोपाल
49. दहिया भाई बहुरभाई
50. चन्द्रकांत रसोराम
51. देवदत्त भनन्ता
52. हरीसिंह तिलक सिंह
53. कालिया परममल भोपाल
54. कुंजबिहारी रामस्नेही
55. कालीदास शंकरभाई
56. अमोक किसरी लाल
57. रामचरण रामजीवन
58. कलजी भाई गोविन्द भाई
59. गंगाजी ताला जी
60. राजागंम रंगास्वामी
61. राधेश्याम पूरणभाई
62. प्रताप सिंह नंजीभाई
63. महमूद अम्बुल जाधुर
64. सत्येन्द्र कुमार रामस्वरूप
65. मोहन भाई मोती भाई
66. लंगवेलू चिसन
67. राधेश्याम जगन्नाथ
68. रतनसिंह भारत सिंह
69. कमलेश वसन्तराव
70. प्रह्लाद विशाराम
71. गुल्ला साना मोहम्मद ईस्राईल
72. मो० यासनी मो० नासिर
73. दीपक सेमुयल
74. दीपक मोती
75. बामू लाल सोदा भाई
76. रामसेवक भोले सिंह
77. रमेश कुमार बन्जी भाई
78. सत्यनारायण गजधर
79. चन्दु लाल शिवभाई
80. जय कुमार परमानन्द
81. सत्य प्रकाश दुर्गमल
82. बामू लाल कचराभाई
83. नोबरो राम राम मलत राम
84. रघुबीर सिंह सुखसिंह
85. दिनकर सुपुत्र
86. मोह. हाफिज मो० हाजिम
87. मलसुव हसन मो० हसन
88. अमंतराव दिगम्बर
89. हरीश कुमार जल्पाताल
90. मनोरदास नरायण दास
91. दयाचन्द हुंकरचन्द
92. मोरार भाई बहाली दास
93. मनुभाई विक्रमभाई
94. सिद्धनाथ सिंह चतुरधम सिंह
95. मिथलपाल रामप्रताप पाल
96. बामू भाई शंकर जी
97. विक्रमादित्य जोशीराम

[सं० एल-41025 (1)/ 80डी० II (बी)]

MINISTRY OF LABOUR

ORDERS

New Delhi, the 10th July, 1981

S.O. 2327.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Western Railway Administration, Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the demand of the Paschim Railway Karamihari Parishad, Sabarmati, Ahmedabad that casual labour in respect of whom they have raised the dispute should get the pre-requisites/amenities and benefits available to the casual labour of the Engineering Workshop, Sabarmati, justified? If so, to what relief they are entitled?

List of employees working in Smithy shop of Sabarmati Engineering Workshop. W. Rlv.

1. Ramniwas S/o Ganpat
2. Ganpatshai S/o Jothabhai
3. Somabhai S/o Punjabhai
4. Govind Bhulji
5. Jagdishsingh Hariharan
6. Dherubhai Vishabhai
7. Raghujai Somaji
8. Gangaram Bhimrao
9. Kishorsingh Begsimg
10. Sashikant Shantaram
11. Mohmed Ajain Chhaga
12. Ashok Kumar Jwalaprasad
13. Girjashankar Harinarain
14. Manubhai Jashwantbhai
15. Sadashivam Arunachalam
16. Ganeshbhai Kanjibhai
17. Khodaji Mangaji
18. Zilendrasingh Ramsingh
19. Naresh Sadashiv
20. Sureshchandra Premaji
21. Keshavdev Rohitasavdev
22. Ratilal Manilal
23. Ramsingh Ramsaransingh
24. Bhaurao Kashiram.
25. Sunil Sadashiv
26. Kalaji Manaji
27. Varudrajan Shreerangam
28. Laxmanji Bhikhaji
29. Ramashchandra Sureshpai
30. Raj Narain Jaleshwar
31. Radheshyam Munshisingh
32. Gaurishankar Karansingh
33. Dahyabhai Muljibhai
34. Subhashchandra Ramchandra
35. Ranchhod Karansingh
36. Kiritkumar Lalitkumar
37. Manibhai Ranchhodbhai
38. Satish Kumar Manilal
39. Gulabhai Mohanlal
40. Harishankar Khyaliram
41. Jaintibhai Motiram
42. Rajkumar Ramsukh
43. Damriprasad Harkhu
44. Yagyadatt Bhikhambhar
45. Shivbahadur Raghunath
46. Ramanji Galaji
47. Dinesh Rishipal
48. Harisingh Ramgopal
49. Dahyabhai Baharabhai
50. Chandrakant Rushiram
51. Devdatt Amanta
52. Hariani Singh Tilaksingh
53. Kalai Parsumal Bhopal
54. Kunjibhari Ramenchi

55. Kalidas Sarkrabhai
56. Ashok Kisrilal
57. Ramcharan Ramjiyavan
58. Valjibhai Govindbhai
59. Gagaji Talaji
60. Rajangam Rangaswami
61. Radheshyam Puranbhai
62. Pratapsingh Namjibhai
63. Mehboob Abdul Jahur
64. Satyandrakumar Ramswoop
65. Mohanbhai Motibhai
66. Tangvelu Chiman
67. Radheyasham Jagannath
68. Ratansingh Bharatsingh
69. Kamlesh Vasantrao
70. Prahalad Vishram
71. Gulla Sana Mohmed Israfi
72. Mohmed Yasin Moh. Nasir
73. Deepak Samual
74. Deepak Moti
75. Babulal Sadabhai
76. Ramsevak Bholesingh
77. Rameshkumar Nanjibhai
78. Satyanarain Gajadhar
79. Chandulal Shivabhai
80. Jalkumar Parmanand
81. Satyaprakash Durgmal
82. Babulal Kacharabhai
83. Naudhariram Rampalratram
84. Raghubir Singh Sukhansingh
85. Dinkar Supdu
86. Moh. Hapiz Moh. Hazim
87. Malesud Hasan Moh. Hasan.
88. Anantrao Digambar
89. Harishkumar Jethalal
90. Manordas Naraindas
91. Dahayachand Hakumchand
92. Morarbhai Bahaldas
93. Manubhai Trikamabhai
94. Sidhnathsingh Chaturghamsingh
95. Rampratap Pal Mitalpal.
96. Babubhai Shankarji.
97. Vikramaditya Jokhairam.

[No. L-41025(1)/80-D.II(B)]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1981

का० आ० 2328 :— केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाय्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के श्रे में हेवो वाटर प्रोजेक्ट, वणुशक्ति के प्रबंधन से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यायमिर्णय के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

प्रतः केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क की और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है। जिसके पीठामनी अधिकारी श्री भगवान दास जौहरी होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिनियम को व्यायमिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या हैवी वाटर प्रोजेक्ट, (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र) इकावर अनुसूचित कोटा, राजस्थान के प्रबन्धतंत्र की श्री खमराव राजोटी मददगार को 2-8-79 से सेवा से हटाने की कार्यवाही बीच और न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[सं० एल-42012/61/80-बी-ii(बी)]
एस० एस० भल्ला, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th July, 1981

S.O. 2328.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Heavy Water Project, Anushakti and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Bhagwan Dass Johri shall be the Presiding Officer with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Heavy Water Project (Bhabha Atomic Research Centre) P.O. Anushakti Kota, Rajasthan in removing Shri Khem Raj Raloti, Helper 'B', from service with effect from 2-8-1979 is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?

[No. L-42012(61)] [80-D.II(B)]
S. S. BHALLA, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1981

हा० सं० 2329 — केन्द्रीय सरकार को राय है कि इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आफ बीकानेर और
जयपुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और
उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित
करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947
का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड
(घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक
औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री
भगवान दास जोहरी होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त
विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या स्टेट बैंक आफ बीकानेर और जयपुर के प्रबन्धतंत्र की श्री हनुमान
सहाय शर्मा, अधीनस्थ सेवा कर्मचारिकृत् की सेवाओं को 26
अगस्त, 1976 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ?
यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[सं० एल 12012/255/80-बी-ii(ए)]

ORDER

New Delhi, the 17th July, 1981

S.O. 2329.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner &

Jaipur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal

of which Shri Bhagwan Dass Johri shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of Bikaner & Jaipur in terminating the services of Shri Hanuman Sahai Sharma, Subordinate Service Staff with effect from 26-8-76 is justified ? If not, to what relief is the worker entitled ?

[No. L-12012/255/80-D.II(A)]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1981

हा० सं० 2330 — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध
अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध
एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;
और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित
करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947
का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड
(घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण
गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री भगवान दास जोहरी
होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्यो-
गिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

1. क्या न्यू बैंक आफ इंडिया, जयपुर शाखा की श्री एस० के०
पपरिशाल, मुख्य कलक को 11-7-1979 से जूनेरपुर शाखा में स्थानांतरित
करने की कार्यवाही न्यायोचित है । यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस
अनुसूची का हकदार है ।

2. क्या न्यू बैंक आफ इंडिया, जयपुर शाखा की श्री बी० के० कपूर,
कलक-एवं-टंककभ को 20-6-1979 से कोटा शाखा में स्थानांतरित करने
की कार्यवाही न्यायोचित है । यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनु-
सूची का हकदार है ।

3. क्या न्यू बैंक आफ इंडिया, जयपुर शाखा की श्री एस० एस०
राही, कलक को 23-7-1979 से नौका शाखा (श्री गंगा नगर)
में स्थानांतरित करने की कार्यवाही न्यायोचित है । यदि नहीं, तो संबंधित
कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ।

[संख्या एल० 12011/10/80-बी-II(ए)]

New Delhi, the 30th July, 1981

S.O. 2330.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the New Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the

Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Bhagwan Das Jhari shall be the siding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

1. Whether the action of the New Bank of India, Jaipur Branch in transferring Shri M. K. Papriwal, Chief Clerk of Dungarpur Branch with effect from 11-7-79 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?
2. Whether the action of the New Bank of India, Jaipur Branch in transferring Shri B. K. Barock, Clerk-cum-typist to Kota Branch with effect from 20-6-79 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?
3. Whether the action of the New Bank of India, Jaipur Branch in transferring Shri L. N. Rathi, Clerk to Nauka Branch (Shri Ganga Nagar) with effect from 23-7-79 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?

[No. L-12011|10|80-D.II(A)]

का० भा० .—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है .

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद का उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची ।

क्या भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र की उनके हैदराबाद सर्किल के संबंध में श्री एम० एस० रामराव और श्री के० सत्यनारायण की 1-9-78 से पूर्ण कालिक कर्मचारियों के रूप में नियुक्त करते समय इन्हें क्रमशः सफाई-कर्मचारी और सफाई-कर्मचारी-एवं-वाहक के रूप में पदाभिहित करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची के हकदार हैं ;

[संख्या एल-12011/41/80-डी-II(ए)]

S.O. 2331.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India in relation to its Hyderabad Circle in designating Shri M. S. Rama Rao and Shri K. Satyanarayana as Sweeper and Sweeper-cum-Messenger respectively while appointing them as full time

employees with effect from 1-9-78 is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?

[No. L-12011|41|80-D.II(A)]

का० भा० 2332.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री भगवान दास जोहरी होंगे, जिसका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधतंत्र की उनकी एच० आई० रोड शाखा, जयपुर के संबंध में श्री के० सी० शर्मा, लिपिक एवं टंकक की 14-9-78 से स्टेनो-टाईपिस्ट के रूप में काम करने से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है । यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ।

[संख्या एल०-12012/144/78-डी-II(ए)]

S.O. 2332.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Bhagwan Das Johri shall be the Presiding Officer with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab National Bank in relation to its M.I. Road Branch, Jaipur in stopping Shri K. C. Sharma, Clerk-cum-Typist from working as Steno-Typist with effect from 14-9-78, is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012|144|79-D.II(A)]

का० भा० 2333.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० सुन्दरसनम रेनियल होंगे, जिसका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक, मद्रास के प्रबन्धतंत्र की भूतपूर्व चौकीदार, श्री ए० पी० पैरुमल की सेवाएं 21-5-79 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है। यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[संख्या एल-1201/2/209/80-डी० II(ए)]

S.O. 2333.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Sundarsanam Daniel shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras & refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India, Madras in terminating the services of Shri A. Perumal, Ex-Watchman with effect from 21-5-79 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012/209/80-D-II(A)]

का० आ० 2334.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में स्टेट बैंक आफ बिकानेर और जयपुर से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री भगवान दास जोहरी होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या स्टेट बैंक आफ बिकानेर और जयपुर की उनकी मरसपुर शाखा के संबंध में श्री आर० पी० प्रभाष, प्रस्थायी खजान्ची की सेवाएं 23-6-74 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ।

[सं० एल०-12012/273/80-डी० I-(ए)]

S.O. 2334.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of Bikaner & Jaipur and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Bhagwan Das Johri shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the State Bank of Bikaner & Jaipur in relation to their Bharatpur Branch, in terminating the services of Shri R. P. Agarwal, Temporary Cashier with effect from 23-6-74 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012/273/80-D-II(A)]

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1981

का० आ० 2335.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्र-5, भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद की काकीनाडा शाखा के श्री पी० रामाकृष्णा, लिपिक के नियोजन पत्र तारीख 11-1-1979 द्वारा समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[सं० एल०-12012/253/80-डी०-2(ए)]

New Delhi, the 1st August, 1981

S.O. 2335.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the Regional Manager, Region V, State Bank of India, Hyderabad in terminating the employment of Shri P. Ramakrishna, Clerk, Kakinada Branch vide letter dated 11-1-79 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012/253/80-D-II(A)]

का० आ० 2336.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में देना बैंक से सम्बद्ध औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण

गठित काली है जिसके पंढारीत अधिनारी श्री एष० एनमुखप्पा होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलूर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या देना बैंक, बंगलूर क्षेत्र के प्रबंधन की बंगलूर क्षेत्र में स्थित अपनी सराजपुरा शाखा के संबंध में श्री एम० पपप्पा, लिपिक, की 27-12-1976 से सेवाएं समाप्त करने का कार्रवाई न्यायव्यवस्थित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एन-12012/264/80-डी०-II(ए)]

S.O. 2336.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Denu Bank and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. Shanmukhappa shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore, and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Denu Bank, Bangalore Region in relation to their Saraj-pura Branch in Bangalore region in terminating the services of Shri M. Pappanna, Clerk with effect from 27-12-76 is justified? If not, to what relief is the worker concerned entitled?

[No. L-12012/264/80-D.II(A)]

New Delhi, the 18th August, 1981

S.O. 2337.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award under section 33A of the Industrial Disputes Act, of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of City Bank, N. A. New Delhi and their workman, which was received by the Central Government on the 12-8-81.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI.

I.D. No. 28 of 1991

In re:

General Secretary, First National City Bank Staff Association,

Versus

1. Sansad Marg, New Delhi, Petitioner
The Management, Citibank N.A.

3, Sansad Marg, New Delhi, Respondent

AWARD

This petition u/s 33A of the I.D. Act has been filed by the General Secretary, First National City Bank Staff Association against the Management of Citi Bank. The application is opposed on behalf of the respondent inter alia on the ground that it is not maintainable. Arguments were heard on the question of maintainability of this petition and I have come to the following findings upon this preliminary objection of the respondent.

2. The contention of the workman in their application is that the petitioner—Association is a registered association and the General Secretary thereof is duly authorised to file this petition; that there was a mutually established promotion policy which was being followed by the respondent; that this policy was declared vide letter dated 15-12-70 and was confirmed vide letter dated 16-2-71 and 1-6-71; that accordingly the promotions were to be made on seniority-cum-merit and not merit-cum-seniority; that later on certain promotions were made which were challenged by the workman side and are pending adjudication before this Tribunal as IDs No. 3/79, 55/80 and 104/80; that during the pendency of these IDs the Management has again violated the promotion policy and as such committed a default within the meaning of Section 33 I.D. Act and hence this petition.

3. The Management has contended inter-alia that this petition is not maintainable as none of the workmen who are aggrieved in the above mentioned references have filed this petition and this petition has not even been authorised to be filed by any of those workmen. It may be mentioned here that parties counsel have come forward with the following statement on 1-6-81;

Statement of counsel for parties on SA.

'Parties do not propose to lead any oral evidence. Documents on record may be read as evidence if any. Arguments may be heard.'

4. I have heard arguments at length and have come to the conclusion that certainly this petition is not maintainable as framed. From the perusal of the title of the petition I find that it reads as follows:

'General Secretary, First National City Bank Staff Association, 3, Sansad Marg, New Delhi.'

Vs.

The Management, Citibank NA 3, Sansad Marg, New Delhi.'

From para no. 1 of the petition also it appears that the petition has been filed by the General Secretary of the First National Citi Bank Staff Association. There is nothing in the body of the said petition which goes to suggest that this has been filed on an authorisation by either the workmen in ID No. 3/79, or the workman in ID No. 55/80 or No. 104/80. In view thereof it cannot be said that this petition as framed is maintainable. From the perusal of Power of attorney filed by Shri S. K. Maini I find that Shri S. K. Maini has been authorised by Shri K. L. Malhotra, President, First National Citibank Staff Association. This also does not show that the petition has been filed on the authorisation of any of the workmen in IDs No. 3/79 and 55/80 and 104/80. In view thereof also this petition cannot be said to be maintainable. From the perusal of Section 33A of ID Act it is abundantly clear that the petition can be moved by the aggrieved workman for workmen but such is not the case in the instant matter. This also is not evident from the record produced that the matter has been taken up by the Association on the representation of those workmen who were adversely affected in those IDs. From whichever angle I may consider the matter before me I do not find any support for the proposition that the petition as framed is maintainable. If at all the principle of law as enunciated in 1963 (2) I.L.J-10 goes to show that petition by the union is not maintainable in these circumstances and therefore I come to the conclusion that this petition is not maintainable. That being the position I do not think it would be proper for me to go into the merits of the petition. For my discussions above, the petition is dismissed and it is held that the workmen are not entitled to any relief in the petition and it is accordingly awarded that the petition is not maintainable. Parties would bear their own costs.

Further ordered:

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated : the 23rd July, 1981. **MAHESH CHANDRA,**
Presiding Officer

[No. L-12025/16/81-D.II(A)]

New Delhi, the 19th August, 1981

S.O. 2338.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on the 12-8-81.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBU-
NAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 203 of 1977

In re:

The General Secretary,
Bank of Baroda Employees Union,
710, Balli Maran, Chandni Chowk, Delhi,Petitioner

Versus

The Regional Manager,
Bank of Baroda, Parliament Street,
New Delhi,Respondent

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-12012/14/77-D.II.A dated the 5th December, 1977 referred an Industrial Dispute v/s 10 of the I.D. Act to this Tribunal in the following terms:

'Whether the action of Regional Office of the Bank of Baroda, New Delhi in permanently depriving Shri Vishwanath Singh, Cyclostyling machine operator from the posts attracting a special allowance higher than the special allowance of cyclostyling machine operator, justified? If not, to what relief Shri Vishwanath Singh is entitled?'

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties. In pursuance of these notices a statement of claim was filed and then a written statement was filed and finally a replication was filed. Upon the pleadings of the parties following issues were framed:

1. Whether the reference is bad as alleged?
2. As in order of reference?
3. Relief.
3. The case was then adjourned for evidence of the parties. After the evidence was recorded the workman side came forward with a statement on 10-7-81 which reads as under:

Statement of Shri R. L. Virmani on SA and the workman on SA.

'The workman was promoted clerk on 26th May 1978 and in view thereof no relief can be available in the reference as it stands and therefore the workman does not press for any relief in this reference in view of the limited nature of order of reference. The court may return a no dispute award in this reference. The workman reserves his right to have recourse to other mode of redress if otherwise available.'

4. Thereafter Shri S. S. Sethi made the following statement:

Statement of Shri S. S. Sethi on SA.

'The reference may be decided in term of order of reference. He cannot reserve any right.'

5. I have heard parties representatives. In view of the categorical statement of Shri R. L. Virmani and the workman, a no dispute award is hereby made in this reference leaving the parties to bear their own costs.

Further ordered:

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated : the 23rd July, 1981.

MAHESH CHANDRA,
Presiding Officer
[No. L-12012/14/77-D.II(A)]

New Delhi, the 20th August, 1981

S.O. 2339.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 14-8-81.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS.

(Constituted by the Government of India)

Wednesday, the 5th day of August, 1981

Industrial Disputes No. 91 of 1980

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of State Bank of India, Madras-1.)

BETWEEN

The workmen represented by
The General Secretary,
State Bank Employees Union,
No. 36/37, Angappa Naicken Street,
Madras-600001.

AND

The Chief General Manager,
State Bank of India,
Madras Local Head Office, No. 21, Madras-1.

REFERENCE :

Order No. L-12011/79/79-D.II.A, dated 5-12-1980 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 8th day of June, 1981 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the argument of Thiru K. Chandru for Thiruvallargal Row and Reddy and K. Chandru, Advocates for the workmen and of Thiruvallargal T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla and P. Raghunathan, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of State Bank of India, Madras-1 referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-12011/79/79-D.II.A, dated 5-12-1980 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue :

Whether the action of the State Bank of India, Local Head Office, Madras in increasing the total number of working hours per month from 176 to 208 hours and in reducing the weekly offs from 7-1/2 days to 4 days per month with effect from 26-1-79 in respect of control room operators is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

(2) Facts leading upto this dispute are as follows : The Management is State Bank of India, Madras Local Head Office functioning at No. 43, Moore Street, Madras-1. In keeping with the expansion of its activities the Bank constructed a multi-storeyed building at No. 21, Rajaji Salai, Madras-1 and which is known as "Circle Top House". The Bank moved into the new premises sometime in November, 1977. The new premises is centrally air conditioned and hence entries to the offices were only through specified entrances. In view of the nature of the building the Management has to maintain sophisticated fire extinguishing equipment to meet any possible fire hazard. In order to ensure that the fire detection fire prevention systems are attended to round the clock, a control room was set up. It is uncontroversial that control room came into being from the beginning of 1978. The staff employed in the control room are required to keep a constant vigil or watch on the equipment and they have to act as per the indications in the equipment. The Management of the Bank sanctioned a staff strength of 4 Control Room Officers/Assistant Security Officers in the Junior Management cadre. 4 control room operators and 4 fire-men who come under the award staff category. Initially when the control room was started 3 operators and 2 firemen were appointed. The present reference made by the Government of India, Ministry of Labour relates to 4 operators employed by the Management as control room operators. These control room operators are in charge of keeping control over sophisticated electronic instruments, fittings, etc. and the object of the control room is to take note of any untoward happenings as reflected in the equipment and to take steps to avert, control and put down the untoward emergencies. Thus operators will have to send periodical reports about the electrical gadgets Wet riser system, Electronic Fire Alarm System etc. and will have to maintain the details about the power shut downs and other things. These 4 operators were serving in the Indian Army/Air Force as Junior Commissioned Officers and they were recruited through the Special Employment Exchange. Exs. W-5, W-6 and W-7 were the appointment orders given by the Management to three of the four operators, one of whom has also been examined as W.W.1. He was appointed in July, 1978 whereas the other three were appointed in January, 1978 as evident from Exs. W-5 and W-6. The services of these operators were also duly confirmed as seen from Exs. W-8, W-9 and W-10. W.W.1 was confirmed in February, 1979 whereas the other two were confirmed on 22-6-1978 as can be gathered from Exs. W-8 and W-9. As mentioned earlier, in January, 1978, there were only three regular operators and these three regular operators were duly apprised of their duties listed under Ex. M-3. The three operators have received copy of Ex. M-3 on 11-1-1978 and 12-1-1978 and they appeared to have been apprised of their duties even in the first week of January, 1978. W.W.1 has admitted in cross-examination that the three other control room operators have received list of duties of control room operators and had received in January, 1978. W.W.1 who has been appointed as Operator only in July, 1978 would say that he does not remember to receive also the copy of duties of control room operators at the time of his appointment similar to Ex. M-3. He would say that as a control room operator he is not required to perform duty No. 9 and 12(d) as mentioned in Ex. M-3. But he admits that the other duties found in Ex. M-3 were performed by him as an operator. Moreover, when W.W.1 is appointed as an operator six months later it is quite probable that he would have been furnished with the list of duties mentioned in Ex. M-3. In the circumstances, by and large the duties of control room operators can be spelt out from Ex. M-3.

(3) From clause (2) of Ex. M-3 it can be noted that the control room operators were working in three shifts. The 1st shift from 06.00 hours to 14.00 hours, 2nd shift from 14.00 hours to 22.00 hours and the 3rd shift from 22.00 hours to 06.00 hours on the following day. Although there were four control room operators, the daily requirements were only three operators while the 4th operator was staying away from duty. Similarly they were changing the shifts once in two days and the shift was changed from 1st shift to 2nd shift and 2nd shift to 3rd shift. In the nature of the system that was in vogue the operator was working in the 3rd shift for two days could not change to the 1st shift without a break for one day and therefore after working for a 3rd shift for two days the operator used to avail a day off. Thus the control room was operated with the aid of three

operators for three shifts a day and the 4th man was to operate as a reliever and as a leave. As I had mentioned earlier this was the scheme of working of the control room during the first year, namely 1978. During the 2nd year of service contingencies for leave reserve for these operators did arise. According to the Management, during the 2nd year of service of these operators, the roster for shift system was re-laid in such a way that after providing for three operators for three shifts the 4th operator would act as a reliever during weekly holiday of the other control room operators and as a leave reserve. The Security Officer of the Management-Bank has been examined as M.W.1. As a Security Officer, his duty is to prepare the duty register of the control room. W.W.1 has also stated even in chief examination that Security Officer alone prepares the duty roster. He has stated that Ex. W-11 is a statement prepared by him indicating the duty allotted to the control room operators as extracted from duty roster register maintained by the Management. This statement Ex. W-11 comprises of two portions. The first part indicating the duty roster pattern of control room operators obtained in the Management prior to 26th January, 1979 while the 2nd portion mentioned the duty roster pattern of control room operators after 26th January, 1979. W.W.1 has admitted even in chief examination that the data mentioned in Ex. W-11 related to the duties of the control room operators prior to 26-1-1979 is correct and he has stated that it is in accordance with the duty roster register. But according to him the basis on which the duty roster register prior to 26-1-1979 in Ex. W-11 was based on the guidelines prepared by him in Ex. M-4 which is an 'Aide Memoire on Shift system'. In cross-examination, it has been clarified from him that the details furnished in Ex. M-4 are correct. Moreover, in his cross-examination, it was elicited that the actual working of the four operators during the first year upto 26-1-1979 is indicated at the lower part of Ex. M-4. The case of the operators is that after 26-1-1979 the working hours of the operators had been increased from 176 hours per month with 8 days off to 208 hours and only 4 days off and that the Bank has not given any notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 and therefore the change effected by the Management from 26-1-1979 is wholly illegal. But according to M.W.1 no such notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 was required and therefore the action of the Management is perfectly justified. On this controversy between the workmen and the Management the present reference has been made by the Government of India, Ministry of Labour to this Tribunal for adjudication.

(4) As seen from the appointment orders Exs. W-5, W-6 and W-7 issued to the operators, it can be noted that they will be governed by Desai Award and they are placed in the clerical cadre. It is not gain-said that paragraph 10.46 of the Desai Award has fixed actual hours of work for workmen other than sub-staff as 6-1/2 hours a day and 4 hours for Saturday and it has also provided for a lunch recess of half an hour to one hour. The same working hours for these operators had also been fixed in the bi-partite settlement dated 31-3-1967, printed copy of which is marked as Ex. M-5. Accordingly, these operators were made to work 176 hours per month with 2 weekly offs ever since their entry into service upto 26-1-1979. The case of the Management is that the bi-partite settlement reached under Section 18(f) of the Industrial Disputes Act—vide Ex. M-5 was made long before the control room operator joined the services and therefore they cannot claim the benefits of the working hours as laid down in Ex. M-5. But it must be noted that even the appointment orders Exs. W-5, W-6 and W-7 disclose that their service conditions will be governed by Desai Award. Therefore there is prima facie justification for the submission of the workmen that in accordance with paragraph 10.46 of the Desai Award the actual working hours for workmen other than sub-staff would only be 6-1/2 hours a day and 4 hours for Saturday and therefore any change in that condition which was obtained upto 26-1-1979 would be in direct violation of the terms of the Desai Award and as such since the Bank has not given even any notice Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947, the change effected by them must be held to be illegal. Learned counsel for the Management Thiru Gopalan points out that although the Union may seek to rely on paragraph 10.46 of the Desai Award in support of their position they cannot ignore paragraph 10.46 (5) which runs as follows :

"Part time employees as well as members of the watch and ward staff, bank employees engaged in domestic service, gardeners, sweepers, godown-keepers, engaged solely for the work other than those

required to remain in attendance at the bank during office hours, are excluded from the scope of the aforesaid directions. The provisions contained in clause 9 below equally not to apply to them."

Thus it can be seen that the category of employees sought to be covered under clause (5) are those employees engaged solely for work other than those required to remain in attendance at the bank during office hours. Though the category of control room operators may not find a place in paragraph (5), yet by virtue of their being required not to remain in attendance of the Bank during office hours, it can be said that they must be deemed to be excluded from the scope of paragraph 10.46 (1 to 4) of the Award. Although in the appointment orders Exs. W-5, W-6 and W-7, it is stated that conditions of service will be governed by Desai Award, yet there is no stipulated working hours per week or per month for control room operators. Therefore when there is no stipulation about monthly working hours or weekly working hours there cannot be any question of increasing of working hours with effect from 26-1-1979. A point was also sought to be made by the Union, in that the duty roster pattern in vogue prior to 26-1-1979 should also be upheld on the ground of customary privilege or usage. But out of the four control room operators, three were appointed in January, 1978 and 4th one W.W.1 joined in July, 1978. The duty roster pattern was readjusted with effect from 26-1-1979. Therefore when the control room itself was founded less than a year ago and three of the operators were appointed in January, 1978 and the 4th operator W.W.1 joined the Management only in July, 1978 and while the operation of the control room was in its maiden or formative or nascent stage, by no stretch of imagination can it be said that by about January, 1979 the operators can advance a right based on customary privilege or usage with regard to their working hours or weekly offs.

(5) W.W.1 has admitted in cross-examination that both before and after 26-1-1979, his shift hours duty is only 8 hours. He has also added he had been availing off strictly in accordance with Duty Roster Register. He also says that duty roster register is prepared once a month. M.W.1 is the Officer who prepares the duty roster register. From Ex. M-3, it can be further noted that the preparation of the duty roster was left to the discretion of the Security Officer, and the control room operators were expected to work strictly in accordance with duty roster. Thus it is apparent that prior to 26-1-1979, the Security Officer M.W.1 prepared the duty roster in such a manner and each control room operator could avail of one weekly off and another off after night shift. But from 26-1-1979, the work was assigned by the Security Officer equitably among all the 4 control room operators and so since 26-1-1979 not only was there equitable distribution of available work among all the four control room operators but all the four control room operators became eligible for liberal leave benefits. In the circumstances, the control room operators are bound to work in accordance with the duty roster prepared by the Security Officer M.W.1. But it cannot be held that while preparing the duty roster register the Security Officer changes the service conditions as such of the control room operators.

(6) At this juncture, I may also examine if as a result of the duty roster prepared by the Security Officer M.W.1 from 26-1-1979 any hardship had been caused to any of these control room operators. As seen from the working of the shifts in Ex. M-4 the available shifts in a month would be 90 shifts. The number of control room operators were four. If each control room operator was given one week off then three control room operators will operate 78 shifts in a month and the 4th operator will have only 12 shifts in a month. For the remaining days in a month the 4th operator may not have full employment. To obviate this contingency the Security Officer has in an equitable manner distributed the workload among the four control room operators equally by dividing the 90 available shifts by four and the net result would be that each control room operator will require to work 22½ shifts. Instead of that, two control room operators were required to work for 23 shifts in a month and the other two operators were required to work 22 shifts in a month. This is also explained by the admission of W.W.1 that prior to 26-1-1979 the working hours and working days used to vary from operator to operator. It will be pertinent to set out some more details with regard to these control room operators. Control Room is a place where master panel for various equipment is kept. The control room operator has to keep watch over this and if anything of abnormal is noticed he should take further steps. The control room operator did not

and was not required to loom after the maintenance or repairs of the equipments of the control room. Control Room, Watch and Ward and the Fire Services come under the control of Security Department under the Management. Control Room Operator is an award staff of the Bank. Some of the award staff also work in shifts. All the award staff who worked in shifts have 8 hours duty. All the award staff members of the Bank are given only one weekly holiday. No doubt, as far as emoluments are concerned, control room operators are placed on clerical cadre. But W.W.1 has admitted that so far no control room operator has been transferred out as a clerk. Conversely never has there been any instance where a clerk has been posted as a control room operator. The control room operator has to make entries in Log Book, Handing over and Taking over Register, Key Deposit Register, Attendance Register and Despatch Register daily. Control Room is a unique feature found only in the Circle Top House and there is no other parallel in any other Bank in this area or region. Therefore regard being had to the peculiar nature of work in the control room and in the absence of indication of specific hours of work in the order of appointment and the admitted facts that the control room work has to be carried on in three shifts with four operators and the undisputed fact that the control room operators have to faithfully carry out the duty roster as prepared by the Security Officer the aforesaid officer was perfectly justified in distributing the work among the four operators, so that each operator would get the weekly off and each shift does not exceed 8 hours of duty, it cannot be concluded that such duty roster prepared by Security Officer as from 26-1-1979 is either improper, illegal or unjust or unfair or inequitable.

(7) The Management relies on the decision of the Supreme Court reported in 1973—I—L.L.J. Page 18 (The Oil and Natural Gas Commission vs. their workmen). Briefly, the facts are as follows :

"When the workshop of the Oil and Natural Gas Commission (ONGC) at Baroda was under construction the office administrative staff used to work in a different place and at that time their working hours were 10 a.m. to 5 p.m. with an interval of 1½ hour. That is the total working hours were six and half hour a day. These working hours lasted from December, 1964 to June, 1965. When administrative staff was shifted to the factory, the working hours of the administrative staff was fixed from 8 a.m. to 5.00 p.m. with an interval of one hour. The workmen claimed that the working hours have been increased without 9(a) Notice."

Eventually the Supreme Court rejected the contention that notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 was essential and pointed out that the Management must have full power and discretion in fixing the working hours of the administrative staff within the limit prescribed by the statute. On the facts of the present case, I am inclined to hold that the dictum of the Supreme Court *mutatis mutandis* would apply and the Management has every right to fix the working hours within the limits prescribed by the statute.

(8) In as much as I am not inclined to accept the case of the Union that there is change in service conditions of these operators it is unnecessary for me to refer to the several citations placed before me for the position that in the absence of any notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 the action of the Management wholly illegal. Finally, the action of the Management can also be sustained because it seeks to distribute the work equally among the four operators in charge of the control room of the Management. If as the operators would have it to restore the status quo as indicated in paragraph (10) of the claim statement it would amount to this, namely, perpetration of the inequalities between these four operators. Suffice for me to refer to only one factor. If each control room operator is given only weekly off than the three control room operators will operate 78 shifts in a month and the 4th operator will have only 12 shifts in a month and for the remaining days in the month the 4th operator may not have full employment. It is in this context the Security Officer M.W.1 has stated that the 4th operator had been working as a relief for the other three operators and so his services are not utilised in full. He has further stated that after 26-1-1979 all the four operators are given equal shifts thus rationalising the entire work. Even after 26-1-1979, each operator gets a weekly off on any one of the 7 days. If the working arrangement in vogue prior to 26-1-1979 were to be guidelines for ever and ever as Union would have it, it would tantamount to giving a real

of authority for the unequal distribution of work among the four control room operators employed by the Management. Certainly, it would be most undesirable nay even un-business like on the part of any Management to succumb to such a course. Therefore, looked at from any angle, the action of the Management cannot be assailed.

(9) At the time of arguments, learned counsel for the operators Thiru K. Chandru also raised the question as to how far the action of the Management can be justified calling upon the employee to work for 8 hours without a break. It must be pointed out that in the claim statement no such specific plea has been raised to give the Management an opportunity to explain their stand. Support for the submission made by the learned counsel was by a reference to the provisions of Tamil Nadu Shops and Establishments Act, wherein it is provided that no person employed shall be required to work continuously for more than four hours without a break of one hour. Learned counsel for the Management Thiru Gopalan points out that State Bank is exempted from certain provisions of Tamil Nadu Shops and Establishments Act including Section 14(2) subject to certain conditions. Therefore, there is no question of violation of provisions of Tamil Nadu Shops and Establishments Act. Moreover this plea has not been taken up earlier or even before the Conciliation Officer. Further more, it is not as though these operators from 1978 onwards had never taken any lunch or meals during a shift period of 8 hours. Finally at page (4) paragraph 8(d) in the claim statement it is averred that the action of the Management is discriminatory and violative of Article 14 of the Constitution. Although the control room operators are placed on par with clerical staff for emoluments it cannot be said that with regard to their working hours there is a discrimination between the control room operators as a group and the other class of clerical staff. On the other hand, I had elsewhere pointed out how in the context of the operation of the control room which is unique the work of operators had to be regulated in such a way as to achieve the most efficient working of the control room operators. Therefore the action of the Management can neither be termed discriminatory or violative of any of the articles enshrined in the constitution. In the circumstances, I must hold that the action of the Management in regulating the work of control room operators with effect from 26-1-1979 is perfectly justified and consequently does not warrant the grant of any relief to the control room operators.

(10) In the result, an Award is passed holding that the action of the Management in regulating the work of Control Room Operators with effect from 26-1-1979 is perfectly justified and consequently no relief can be granted to the Control Room Operators. In the peculiar circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

WITNESSES EXAMINED

For workmen

M.W.1—Thiru N. Mahalinga Rao,

For Management.

M.W.1—Thiru D. S. Grawal, Security Officer.

DOCUMENT MARKED

For workmen

Ex. W-1/9-4-79—Letter from the Union to the Regional Labour Commissioner (Central), Madras for intervention.

Ex. W-2/10-9-79—Letter from the Bank to the Regional Labour Commissioner (Central) Madras, in reply to Ex. W-1. (copy).

Ex. W-3/30-11-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (Central), Madras for reduction of working hours.

Ex. W-4/7-12-79—Conciliation failure report.

Ex. W-5/5-1-78—Appointment order issued to Thiru K.G. Gopalakrishnan Nair.

Ex. W-6/3-1-78—Appointment order issued to Thiru S. Ramadoss.

Ex. W-7/26-7-78—do—to W.W.1.

Ex. W-8/22-6-78—Confirmation order issued to Thiru K. Gopalakrishnan Nair.

Ex. W-9/22-6-78—Confirmation order issued to Thiru S. Ramadoss.

Ex. W-10/1-2-79—do—to W.W.1.

Ex. W-11—Duty roster pattern of the control room operators before and after 26-1-1979.

Ex. W-12—Proforma forms of the daily report to be filled by the control room operator.

For Management

Ex. M-1—Representation of the control room operators of the Bank to the Chief General Manager of the Bank for inclusion of their trade in the codified circular and for special allowances.

Ex. M-2—Attendance Register for control room operators, Firemen and lifeguards from 11-12-78 to 15-6-80.

Ex. M-3—Statement of duties of control room operators.

Ex. M-4—Statement showing the Aide Memoire on shift system, normal pattern of work and rationalised pattern adopted for the first year.

Ex. M-5—Agreement entered into between the Bank and All India State Bank of India Staff Federation.

Dated, this 5th day of August, 1981.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer.

[No. L-12011/79/79-D.II(A)]

New Delhi, the 27th August, 1981

S.O. 2340.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, and their workman, which was received by the Central Government on the 12-8-81.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI.

I.D. No. 47 of 1981

In re:

The General Secretary,
UP. Bank Workers' Organisation,
Navin Market, Kanpur.

... Petitioner.

Versus

The Regional Manager,
State Bank of India, Region-II,
Varanasi-221001

AWARD

The Central Govt. as appropriate Government vide its order No. L-12012/30/80-D.II(A) dated the 2nd April, 1981 referred an Industrial Dispute to this Tribunal in the following terms:

"Whether the action of the management of State Bank of India, Varanasi (Region-II) in terminating the services of Shri Bhoop Narain Dixit, Driver Sardar Narain Branch (Gorakhpur) with effect from 7-4-76 is justified? If not, to what relief is the workers concerned entitled?"

2. On receipt of the reference usual notices were issued to the parties. In furtherance of the said notices a statement of claim was filed by the workman side. Thereafter case was adjourned for filing of written statement of the Management but before any written statement could be filed a settlement has been arrived at between the parties which has been recorded vide my order dated 29-7-81. The settlement is incorporated in the statements of parties representatives which reads as under:

"Statement of Shri S. N. Shukla for workman on S.A. and Shri K. M. Tripathi for bank on S.A." An award reappointing this workman on regular permanent basis subject to usual 6 month's probation on completion may be passed in favour of workman and against bank. The appointment would be treated as fresh appointment w.e.f. 1-9-81. Workman forgoes all other claims arising from previous services."

3. In view of the statements recorded, above, it is awarded that the workman is appointed on regular permanent basis subject to usual six month's probation completion w.e.f. 1st September, 1981 in his earlier capacity in the usual grade. The workman would not be entitled to any other relief on the basis of previous service. Parties would bear their own costs.

Further ordered:

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated: the 29th July, 1981

No. L-12012/30/80-D.II(A)

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1981

का० जा० 2341.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० जा० 552 तारीख 31 जनवरी, 1981 द्वारा पाइराइट्स खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए 27 जनवरी, 1981 से छः माह की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः माह की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जुलाई, 1981 से छः माह की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[संख्या एस०-11017/2/80-डी० 1(ए)]

New Delhi, the 10th August 1981

S.O. 2341.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. SO 552 dated the 31st January 1981, the pyrites mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 27th January, 1981.

And whereas the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th July, 1981.

[No. S-11017/2/80-D.I(A)]

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1981

का० जा० 2342.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० जा० 553 तारीख 31 जनवरी, 1981 द्वारा फासकोराइट खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जनवरी, 1981 से छः माह की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था, और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः माह की और कालावधि के लिए, बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को 27 जुलाई, 1981 से छः माह की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस-11017/2/80-डी० 1(ए)]

संजीव दत्ता, अवसर सचिव

New Delhi, the 19th August, 1981

S.O. 2342.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 553 dated the 31st January 1981, the phosphorite mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 27th Jan., 1981;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months, from the 27th July, 1981.

[No. S-11017/2/80-D.I(A)]

SANJIV DATTA, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1981

का० जा० 2343.—इस मंत्रालय के आदेश संख्या एल-17011/181-डी० 4(ए) तारीख 16 मई, 1981 की प्रसूची में "श्री एम० एस० पानीकर" नाम के स्थान पर "श्री पी० एस० पानीकर" रखा जाए ।

नन्द लाल, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th August, 1981

S.O. 2343.—In the Schedule to this Ministry's Order No. L-17011/181-D.IV(A) dated the 16th May 1981, the name "Shri M. S. Panicker" may be substituted by Shri P. S. Panicker."

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 18th August, 1981

S.O. 2344.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following arbitration award of Shri V. Josph, Asst. Labour Commissioner (C), Ernakulam in the industrial dispute between the employer in relation to

Shri Jacob Rajan, St. Joseph Villa Colachel Contractor under M/s. Indian Rare Earths Limited, Manavalakurichi and his workmen.

AWARD

Decision under Section 10(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 in an industrial dispute between Shri Jacob Rajan, Contractor and their workmen represented by Mineral Workers Union and Manavalakurichi Minerals Staff Association Manavalakurichi.

PRESENT

Shri V. Joseph

Assistant Labour Commissioner
(Central) Ernakulam and
Arbitrator.

Representing Employer:

Shri Jacob Rajan,
St. Joseph Villa, Colachel.
(Mount Carmel, Neyattinkara)
Contractor to M/s Indian Rare Earths Ltd.,
Manavalakurichi.

Representing the Workmen:

The President
Mineral Workers Union,
Manavalakurichi.
The President,
Manavalakurichi Minerals Staff
Association.
Manavalakurichi.

INDUSTRY : Non-Coal Mine STATE : Tamil Nadu.
SHORT RECITAL

The Mineral Workers Union, Manavalakurichi and Shri Jacob Rajan, Shipping Contractor for transporting shipping and stevedoring under M/s Indian Rare Earths Ltd. Manavalakurichi referred an industrial dispute for arbitration to me vide their agreement dated 17-11-1978, under Section 10(A) of the Industrial Disputes Act. Since the arbitration agreement was not in the proper form, the Government returned the agreement which was revised by the parties and resubmitted vide their letter dated 7-2-1979. This was notified in the Official Gazette vide notification No. L-29013/3/79-D.II.B dated 12th October 1979. The specific matters in dispute were—

"(a) What should be the rates of wages payable to the workers for:

- (i) Loading Minerals in lorries at Manavalakurichi.
- (ii) Unloading Minerals at Colachel godowns.
- (iii) Unloading minerals at Colachel beach.

(b) What should be the time limit within which arrears of wages if any should be paid by the contractor."

1. The dispute had arisen since there was no proper agreement regarding the rates of wages payable to these workmen. When the ship for exporting the minerals reached Colachel port, the workmen struck work and the matter could not be resolved. However, an interim agreement was reached by which the contractor agreed to pay wages at the rate of Rs. 1.60 per Metric Ton for loading at Manavalakurichi and unloading at Colachel godown/Beach all put together. The wages paid according to these rates were to be adjusted against the rates that would be decided by the arbitrator on completion of proceedings before him.

2. Hearings were conducted on several dates and a good deal of evidence brought in by the parties. The union produced a copy of the tender for shipping contract for 1978-79 issued by M/s Indian Rare Earths Ltd. (ext-P1). The schedule of rates submitted by Shri Jacob Rajan and accepted by M/s Indian Rare Earths Ltd. have also been produced (ext. Q-11) by the contractor. It is seen from this that the contractor was for a rate of Rs. 29.60 per metric ton while the contractor had worked this out by spilling it into different operations. The contractor had allotted Rs. 4.20 for transporting bagged cargo from ware-

houses in Manavalakurichi to Colachel by lorry and for stacking in the godowns provided by the Company. He had also allotted Rs. 2.16 for removal of cargo from godowns at Colachel port area by headlead workers to the Foreshore and stacking there, bagging the spillage from godowns etc. and transporting back to the plant including processing of shipping documents through port and customs.

3. It has been the contention of the unions that these two operations are not necessary in all cases and a good part of the cargo is lifted from Manavalakurichi and carried straight to the Beach (Colachel Port area) and hence the amount of Rs. 2.16 per metric ton shown by the contractor is a clear profit on such cargo. Against this, the contractor argued that he has to incur additional expenditure by laying roads on the sandy beach and on other incidental expenditure and that the amount of Rs. 2.16 is spent on such work where consignments are taken directly to the beach from the godowns at Manavalakurichi. This will be examined at length later.

4. The unions have argued that the wages paid by the contractor are far below those paid by the principal employer namely M/s Indian Rare Earths Ltd. to their permanent workers. Ext. P-3 is a pay cover of one such worker for the month of January 1980. The total earnings according to this is Rs. 647.97 for a month. If the daily rate is calculated by dividing it by 26, the daily rate may amount to nearly Rs. 25. However this may have little relevance, since there is nothing in evidence to show that the contract labour and the workmen of company are employed on identical or similar jobs. The Unions representatives produced the Price Index Numbers for Nagercoil for the month of October 1979 along with those of Cuddalore and Tiruchirappally. The Index No. 415 for Nagercoil was 32 points above that of Tiruchirappally and 45 points above that of Cuddalore. According to them, this showed the cost of living at Nagercoil was higher than that in the other two towns and that Manavalakurichi which was near Nagercoil (10 KM from Nagercoil) also had a higher cost of living. This also may not be strictly relevant since Manavalakurichi is not Nagercoil though nearby.

5. The Unions representatives also produced a letter dated 5-7-1978 from the South India Corporation (P) Ltd. (Ext. P-6) where they had offered a rate of Rs. 2.50 per metric ton for loading and stacking of minerals for transportation by lorry at Manavalakurichi. According to the union the rate paid by the contractor namely Rs. 1.60 was far below the rates offered by competitors.

6. They also produced the Minimum Wages notification (Ext. P-5) of the Government of Tamil Nadu fixing the rate of loading and unloading charges in markets, shandies (fairs and market places) and other like places in the State of Tamil Nadu. As per this notification the rate in Zone 'C' was Re. 1 per metric ton either for loading or unloading operations. This notification is not legally applicable to the work done by the present contractor, as the minimum wages fixed are for public places like markets and Shandies. It is also admitted that no minimum wages have been fixed under the Minimum Wages Act for the work carried on through the contractor since it is not a scheduled employment. The union also produced a letter dated 9-4-1978 from Sri S. Sivathanu another transporting contractor (Ext. P-11) where he had also offered a rate of Rs. 2.50 per metric ton as loading and stacking charges for transporting Zircon, Rutile and Ilmenite from Manavalakurichi. The rates shown in these exhibits are informative and may be useful for purposes of comparison.

7. The contractor Sri Jacob Rajan also produced elaborate evidences, apart from his own depositions. According to him the rate of Rs. 29.16 per Metric Ton accepted by him was the consolidated rate for all operations. For transporting loading and unloading, his rate was Rs. 4.20 ps. per metric ton out of the above. The rate for lorry hire was Rs. 2.50 per metric ton. Apart from this, the rate for loading and unloading was Rs. 1.60 per Metric Ton which left a margin of 0.10 ps. only per metric ton for supervisory charges out of the amount of Rs. 4.20 per metric ton. Ext. P-1 was the lorry receipts from Velmurugan Lorry Service showing the rate of Rs. 2.50 per metric ton as lorry charges. He also produced an agreement between him and the union (Ext. Q-2) according to which the loading and unloading charges were fixed as Rs. 1.45 per metric ton for the year 1977-78.

8. While the tender for 1978-79 was called for on 28-7-1978 he had expected an increase of 10 to 15 paise per M.T. over

the previous rate, as per his enquiry from the workers. According to him the union had not made any demand regarding the rate for 1978-79. The contractor received the work order on 7-11-1978 and the Steamer to carry the cargo arrived in Colachel port on 10-11-1978. At this time, the workmen demanded the rate of Rs. 4.50 per metric ton and refused to work unless this was conceded. Since the steamer was in port, they could bring considerable pressure on the contractor. It was in this context that the arbitration agreement was reached. According to this the contractor made an interim payment at the rate of Rs. 1.60 per Metric Ton to be adjusted against the rate that would be awarded by the arbitrator. He produced six receipts showing these payments (Ext. Q-3 to Q-8). He also produced Ext. Q-9 where the lorry owners namely Velumurugan Lorry Service had offered to do the loading and unloading for 1978-79 at the rate of Rs. 1.50 per Metric Ton. According to him, he had actually paid Rs. 1.60 per Metric Ton which was higher than what he would have had to pay if Velumurugan Lorry Services were given the work. According to his calculations the rate of Rs. 1.60 per Metric Ton enabled the workmen to earn an average of Rs. 20 per day as wages. In Kanyakumari District where the minimum wages for an unskilled labourer were Rs. 8 per day per Metric Ton, his workmen had received wages at more than double this rate. He also produced a Bill of Lading (Ext. Q-10) which showed 47,550 M. Tons only was actually billed whereas the loading from the mines was 49,201 Metric Tons making a difference of 1651 Metric Tons for which the contractor did not receive any remuneration but had to pay wages to the labour.

9. Eventhough the parties had produced a good deal of evidence there were certain areas where they could not produce adequate and dependable information. One such was regarding the quantity of minerals transported, the rates tendered by different contractors, etc. Hence a few additional witnesses who were officers of the Principal Employers, namely, M/s. Indian Rare Earths Ltd. were examined together with records maintained by the Company.

10. It was found from the evidence of Sri S. V. Ramakrishnan, Personnel and Administrative Officer that the rates of wages per M.T. fixed by the company for contract loading and unloading workers were as follows :—

1973 & 1974	1975	1976	1977	1978 to March 80.	April 1980 onwards.
Rs. Ps. 1.25	Rs. Ps. 1.50	Rs. Ps. 1.60	Rs. Ps. 1.60	Rs. Ps. 2.00	Rs. Ps. 4.00

It was also found from the evidence of Sri P. T. Kutty, Administrative Officer that substantial quantities of minerals were transported directly from the Plant at Manavalakurichi straight to the Beach at Colachel. The figures for the year 1977-78 and 1978-79 are reproduced below :

	1977-78	1978-79
Quantity transported to Beach	37,800 MT	35,488 MT
Quantity transported to Godown	24,676 MT	14,447 MT

This would tend to prove that there could be substantial margin of profit for the contractor in that the quantity transported first to the godowns and from there to the beach thereafter.

11. While the unions made elaborate arguments comparing the wages of direct workmen of the plant at Manavalakurichi with those of the contract labour, there is little force in demanding the same wages for those workmen since the work of the plant workers are not identical with those of the contract labour. However, the rate paid by the company for contract loading and unloading is certainly relevant. This rate had risen gradually from Rs. 1.25 per MT in 1973 to Rs. 2 per MT in 1978 during the course of time. This rate had been doubled to Rs. 4 per MT with effect from April 1980 as also pointed out by the union. The latter rate may cast its shadows on the rate the contractor may have to pay in the future but this has no relations to the rates for the period of the contract (1978-79) over which there has been a dispute and the reference made to the Arbitrator.

12. The unions had argued that the arbitrator should fix the rate on the basis of minimum wages and not on consideration of the capacity of the employer to pay. They also wanted the element of social security (allowance for sickness, educational needs, etc.) to be provided for. The Tender form issued by the Principal Employer provided for the

contractor's taking those into consideration and also that wage rates should be negotiated with the union. This contractor had so negotiated and hence he alone was to be responsible if he had to undergo the risk, if higher wage rates were fixed with retrospective effect.

13. They also argued that in any case the contractor had a large margin of profit. This was proved by the fact that he had reduced the originally quoted rate after negotiations with the employers.

14. On the other hand the contractor argued that there was no mention in the tender form about the presence of the union or about the requirement for negotiating with them. According to him the rates he quoted were arrived at on the basis of expected escalation from the previous year's rate and also in comparison with the prevailing rates in the locality. He countered the argument of the unions that there were considerable savings when the minerals were transported directly to the Beach. According to him the amount of Rs. 2.16 per MT shown as charges (for unloading in Colachel godown and again loading to the foreshore) was not saved as there were additional items of expenditure like laying roads on the beach, bagging the spillage, etc. In the case of the mineral transported from Manavalakurichi straight to the beach at Colachel, though he was not able to quantify the cost of such work. The rate quoted by him was also inclusive of other items like the cost of keeping watchmen, electrification of the stacking area for lighting purpose, restacking if the stacks got wet by waves, etc., though these were not mentioned in the tender form. The unions rejoined that there was no evidence to show that the contractor had taken the permission of the port authorities at Colachel for laying roads on the beach, as port regulations required. According to them this proved that he did not lay any roads nor did he incur any expenditure on this. They also argued that other items of expenditure mentioned by the contractor could not be set off against the wages of these workmen only as there were others engaged in bagging, transporting, headload work etc. involving in loading from the godown to foreshore and those employed on vallooms, etc. These workmen should also share the element of these items of common expenditure.

15. Having heard the arguments of both sides I am persuaded to hold that there is some saving (though not the whole amount of Rs. 2.16 per MT) when the mineral is transported directly from Manavalakurichi to beach. It also appears that there is an element of risk and greater hazard when the unloading is done at the beach and it is comparatively easier to unload into the godowns. These facts have to be taken into consideration while fixing different rates for the work of loading minerals at Manavalakurichi, unloading minerals at Colachel godown and unloading minerals at Colachel beach as per the arbitration agreement. In consideration of the evidence and the arguments of either party I award the following rates for the shipping season 1978-79.

- (i) Loading minerals at Lorries at Manavalakurichi. 90 paise MT
- (ii) Unloading minerals at Colachel Godowns. 80 paise MT
- (iii) Unloading minerals at Colachel Beach. Rs. 1.10 MT

16. Since the work is already over and the accounts are finalised there is no reason to give an extended time limit for payment of arrears. Hence I award that the arrears due on the above rates may be paid within one month from the date of publication of this award.

Dated this the 29th May, 1981.

V. JOSEPH, Asstt. Labour Commissioner (Central)

Ernakulam and Arbitrator.

[No. L-29013/3/79-D.II(B)(P)]

New Delhi, the 19th August, 1981

S.O. 2345.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. East Suket Sahakari Shramik Theka Pashan Udyog Samiti Ltd. and his workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 45 of 1980

In re :

The Office Secretary, Rashtriya Mazdoor Sangh,
Ramganjmandi, Rajasthan. ...Petitioner.

Versus

M/s. Suket Sahakari Shramik Theka Pashan Udyog
Samiti Limited, P.O. Suket, District
Kota. ...Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-29011/19/80-D.III(B), dated the 31st May, 1981 referred an Industrial Dispute in the following terms u/s 10 of the I.D. Act to this Tribunal :

'Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of M/s. Suket Sahakari Shramik Theka Pashan Udyog Samiti Limited, P.O. Suket, District Kota are justified? If so to what relief the workmen are entitled?

1. Upward revision of rate of daily wage of unskilled workers.
2. Enhancement of piece rate for Stone cutters.
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scale for the clerical and other staff employed in the mine.
4. Provision of medical facilities.
5. Grant of two extra paid festival holidays.
6. Grant of 20 days casual leave in addition to leave admissible under the Mines Act.'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of the notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order ex-parte against the Management and ex-parte evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Government.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta s/o Shri Jamna Lal who has described himself in para no. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-79.

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Government to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief what-so-ever.

7. Now that the Management side had absented, the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification

of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent, even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required revision. Likewise they have not brought any evidence on record to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workman have miserably failed to establish their claim in this reference.

8. It may incidentally be mentioned here that the appropriate Government had vide its order No. S-32019(VI) 79-WC(MW) dated 12th September, 1980 revised the minimum rates of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it would be found that the appropriate Government has fixed minimum rates of wages for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of leaving allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees employed by contractors, which term would include the lease holder of the present type also. This order is effective from 1-10-1980 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Government has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone Mines which term would include lime stone mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would not admit of any further revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference what-so-ever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their output of production or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved if any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Further more now that minimum wages have been revised by the appropriate Government in respect of workers working in Stone Mines Industries including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

10. In view of my discussions above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified and it is awarded that the workmen are not entitled to any relief what-so-ever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

Dated. the 20th July, 1981. [No. L-29011/19/80-D.III(B)]

S.O. 2346.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employer Shri Kajermal S/o Madholal, Purohit-ki-Tappari, Kota and his workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-81.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 91 of 1980

In re :

Shri Kajermal S/o Madholal,
Mine Owner, Purohit-ki-Tappari,
Kota.

..Petitioner

Versus

The Office Secretary,
Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi,
Rajasthan.

..Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-29011/20/80-D.III(B) dated the 29th August, 1980 referred an Industrial Dispute in the following terms u/s 10 of the I. D. Act to this Tribunal :

'Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of Shri Kajermal S/o Madholal, Mine Owner, Purohit-ki-Tappari, Kota are justified? If so, to what relief the workmen are entitled?

1. Upward revision of rate of daily wage of unskilled workers;
2. Enhancement of piece rate for Stone Cutters;
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scales for the clerical and other staff employed in the mine;
4. Provision of medical facilities; and
5. Grant of two extra paid festival holidays;
6. Grant of 20 days casual leave in addition to leave admissible under the Mines Act.'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of that notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order ex-parte against the Management and ex-parte evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Govt.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta S/o Shri Jamma Lal who has described himself in para no. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-79.

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Govt. to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief what-so-ever.

7. Now that the Management side had absented, the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent, even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required revision. Likewise they have not brought any evidence on record to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workmen have miserably failed to establish their claim in this reference.

8. It may incidentally be mentioned here that the appropriate Govt. had vide its order No. S. 32019(VI)/79-WC(MW) dated 12th September, 1980 revised the minimum rates of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it could be found that the appropriate Govt. has fixed minimum rates of wages for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of leaving allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees employed by contractor which term would include the lease holder of the present type also. This order is effective from 1-10-80 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Govt. has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone Mines which term would include lime stone mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would not admit of any further revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference what-so-ever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their output of product on or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved if any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Further more now that minimum wages have been revised by the appropriate Govt. in respect of workers working in Stone Mines Industry including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

10. In view of my discussions above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified and it is awarded that the workmen are not entitled to any relief what-so-ever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated : the 20th July, 1981.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-29011/20/80-D.III(B)]

S.O. 2347.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between Shri Rambhagat Ramjidas, Mine Owner, Morak and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-81.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 59 of 1980.

The Office Secretary,
Rashtriya Mazdoor Sangh,
Ramganjmandi, Rajas/han.

Petitioner

Versus

Shri Rambhagat Ramjidas, Mine Owner,

Morak Station, Distt. Kota.

Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No.- L-29011/34/80-D.IILB dated the 30th June, 1980 referred an Industrial Dispute in the following terms u/s 10 of the I. D. Act to this Tribunal :

'Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of M/s Rambhagat Ramjidas Morak Station, Distt. Kota are justified ? If so, to what relief the workers are entitled ?

1. Revision of daily wage of unskilled workers ;
2. Enhancement of piece rate of stone cutters ;
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scales for the clerical and other staff employed in the mine ;
4. Provision of medical facilities ;
5. Grant of two extra paid festival holidays ;
6. Payment of children education allowance ; and
7. Payment of bonus @ 20 per cent for 1977-78 and 1979-80.'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of the notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order ex-parte against the Management and ex-parte evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Government.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta S/o Shri Janna Lal who has described himself in para No. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-1979.

616 GI/81—8

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Government to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief what-so-ever.

7. Now that the Management side had absented the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required revision. Likewise they have not brought any evidence on record to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workmen have miserably failed to establish their claim in this reference.

8. It may incidentally be mentioned here that the appropriate Government had vide its order No. S. 32019(VI)79-WC(MW) dated the 12th September, 1980 revised the minimum rate of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it would be found that the appropriate Government has fixed minimum rates of wages for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of living allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees by contractors, which term would include the lease holder of the present type also. This order is effective from 1-10-1980 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Government has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone Mines which term would include lime stone mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would not admit of any further revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference whatsoever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their output of production or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved if any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Further more now that minimum wages have been revised by the appropriate Government in respect of workers working in Stone Mines Industry including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

10. In view of my discussions above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified and it is awarded that the workmen are not entitled to any relief what-so-ever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : the 22nd July, 1981. [No. L-29011/34/80-D.III(B)]

S.O. 3019.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Karuna Mines, Salem and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-1981.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,

MADRAS

(Constituted by the Government of India)

Saturday, the 1st day of August, 1981

Industrial Dispute No. 88 of 1980

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Karuna Mines, Salem.)

BETWEEN

The workmen represented by

The General Secretary,

Mines Mineral and Allied Industries National

Workers Union, No. 30/D, Bhavani Main Road,

Sankari-637303.

AND

The Manager,

Karuna Mines and Minerals,

Mine Owners, No. 12, Bretts Road,

Salem-636001.

REFERENCE :

Order No. L-29011/47/80-D.III.B, dated 17th November, 1980 of the Ministry of Labour, Government of India New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Saturday, the 6th day of June, 1981 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandru for Thiruvallal Row and Reddy and K. Chandru, Advocates for the workmen and of Thiru S. V. Ananthapadmanabhan, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Karuna Mines, Salem referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-29011/47/80-D.III.B, dated 17th November, 1980 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue.

Whether the action of the management of Karuna Mines, Salem in terminating the services of 31 workmen mentioned below employed in the Mangarangampalayam Lime Stone Mine with effect from 16-5-1979 and their subsequent refusal to employ them in Palakhalpalayam and Varudhampati Limestone Mines is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled to?

Sarvashri

1. K. P. Kandaswami
2. P. Palaniswamy
3. C. Seerangam
4. S. Kuppusudan
5. P. Kandaswami
6. N. Karuppan

7. R. Doraiswami
8. R. Thailan
9. K. Sreerangan
10. K. Subramani
11. N. Natesan
12. E. Marri
13. K. Arumugham
14. C. Rathinam
15. A. Veydichi
16. A. Chinnathambi
17. C. Chinnapayyan
18. I. Chinna Kannu
19. P. Chinnaswami
20. C. Kannupayyan
21. M. Nallappan
22. P. Seerangan
23. K. Thangavelu
24. S. Perumal
25. C. Ammasi
26. S. Sengodan
27. V. Kandaswami
28. C. Ramaswami
29. C. Kaveri
30. V. Muthu
31. P. Venkatachalam.

(2) Facts leading upto this dispute are as follows: The Management is Karuna Mines and Minerals, No. 12, Bretts Road, Salem-63001, Tamil Nadu. The reference made by the Government of India, Ministry of Labour relates to 31 workmen. The Management is a partnership concern and had been licensed by the Government of Tamil Nadu to carry on mining operations in specified places. Ex. M-3 is the Government Order sanctioning the grant to Management of a mining lease for lime stone, etc. for a period of 20 years—vide G.O. Ms. No. 1109, dated 6-8-1974, Industries Department. Ex. M-4 is the photostate copy of the Mining Lease Deed. Of course M.W. 3 (the Manager) had the original of Ex. M-4 while he was examined before this Tribunal. Ex. M-4 also is a part of the mining lease deed. Before I proceed further, I may advert to the plea taken up by the Management that the issue referred to this Tribunal for adjudication is vague and misleading. This stand is based on two grounds. In the first place, the Management had no mining operation in Mangarangampalayam as stated in the reference made by the Government of India. Secondly, while the workmen mentioned in the reference had worked under the Management till 8-9-1979 the date of alleged termination as mentioned in the reference, namely 16-5-1979 is misleading. While so, the claim statement filed on behalf of these 31 workmen asserts the fact that they were working at Mangarangampalayam mines and their services were terminated on 16-5-1979. From the licence granted to the Management under Ex. M-3 and also the mining lease deed Ex. M-4 it can be easily held that the Management had no mining operation in Mangarangampalayam. The first person mentioned in the Annexure to the issue has been examined as W.W. 1. He would say that Mangarangampalayam is only a hamlet of Veerachinalayam. But in cross-examination he has admitted that Mangarangampalayam lies between Coimbatore and Salem on the National Highways and also says that a name board was there indicating the place and India Cements also have mining lease in Mangarangampalayam. He reiterates the claim that when his services were terminated he was working only at Mangarangampalayam. With regard to the date of termination it is mentioned as 16-5-1979. But the only witness W.W. 1 who was examined by the Union on 7-4-1981 has clearly stated even in chief examination that their services were terminated one year and eight months ago in the month of Avani. The specific case put up in the claim statement and also the reference is 16-5-1979 which would mean probably 1st of Vaikasi, 1979. But the present case of W.W. 1 is that it was in the month of Avani which may corroborate the case of the Management. However, on his own admission and in the specific claim that the services of these workmen were terminated on 16-5-1979, there is no good deal of force in the submission of the Management that at any rate the first part of the reference made by the Government of India for adjudi-

cation to this Tribunal is vague and misleading. The second part of the reference made by the Government of India proceeds on the footing that the Management refused to employ these workmen at Palakhalayam and Varudhampatti Limestone Mines. Although the reference proceeds on the footing that the Management refused to employ these workmen in Palakhalayam and Varudhampatti Limestone Mines yet significantly nowhere in the claim statement is there any whisper that these workmen were refused to be employed by the Management at Palakhalayam and Varudhampatti Limestone Mines. It should also be noted that the responsible Union represented by no less than a leading member of the bar Thiru K. Chandru did not choose to file any reply or rejoinder statement to the stand of the Management that the reference is vague and misleading. W.W. 1, the only one of the 31 workmen who has been examined has admitted in cross-examination that he does not remember the date or the month in which their services were terminated by the Management, but would add that that complaint was in 1980. In 1962-II-L.L.J. Page 227 (Express Newspapers Ltd., vs. their workers and staff and others) the Supreme Court has pointed out that the jurisdiction of the Industrial Tribunal in dealing with industrial dispute referred to it under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 is limited by Section 10(4) to the points specifically mentioned in the reference. It also points out that the Courts must attempt to construe the reference not too technically or in a pedantic manner, but fairly and reasonably. Even by the standard set up by the Supreme Court, if the reference made by the Government is scanned it must be held that the present reference is vague and misleading. In 1963-I-L.L.J. Page 507 (Ramamoorthy (W.P.A.R.) and others vs. Tirunelveli District National Plantation Workers' Union and others). His Lordship Veeraswami as he then was has pointed out that under Section 10(4) of the Industrial Disputes Act, 1947 when a reference is made for adjudication it shall confine its jurisdiction to the points of dispute referred to for adjudication. If the reference is made on an incorrect assumption, it is certainly not open to the Industrial Tribunal, while so holding to enlarge by its own choice to the scope of the reference and widen the issue for decision. In view of this decision also the stand of the Management has to be upheld. In the face of these materials as afforded in the cross-examination of W.W. 1 and in the light of the other clinching, circumstantial and documentary evidence, I am constrained to hold that the reference made by the Government of India is vague and misleading.

(3) Even granting that the reference made by the Government of India is not vague and misleading, I shall examine if on the merits the 31 workmen or any of them would be entitled to claim any relief as such. A perusal of the claim statement would leave one with the impression that because these 31 workmen joined the Petitioner-Union, namely Mines Mineral and Allied Industries National Workers Union, No. 30/D, Bhavani Main Road, Sankari-637303, Tamil Nadu, the Management has terminated the services of these 31 workmen. The claim statement filed by the Union does not specifically indicate as to when exactly these 31 workmen joined the Petitioner-Union. But W.W. 1 has stated in cross-examination that these workmen joined the Petitioner-Union in 1979 although he does not remember the exact month in which they joined the Union. Incidentally, it may also be noted that although the Secretary of the Union has signed the claim statement, not one of the 31 workmen has subscribed his signature to the claim made therein. On a plain reading of the claim statement, the workmen were denied employment by the Management once in February, 1979 and again they were given employment from 1-4-1979 and subsequently they were denied employment from 16-5-1979. But from the documents placed, it can be held that these workmen had worked under the Management till 8-9-1979. Therefore, there is considerable doubt if the case put forward by the Union or the 31 workmen is true. If in fact, the action of the Management in terminating the services of the workmen was intended to strike terror in the minds of the workmen or the Union to which they have affiliated themselves and if in January, 1979 these workmen joined the Petitioner-Union and in February, 1979 their services were first terminated it is hard to believe the case of the Union that after such termination they were again offered employment from 1-4-1979 and only to be terminated by 16-5-1979. These factors would give lie circumstantial to the case put forward by the Union that because these 31 workmen joined the Petitioner-Union their services were terminated by the Management.

(4) At this juncture, it will be pertinent for me to set out the case of the Management with regard to these 31 workmen. Their case is that these 31 workmen were never directly

employed by the Management, but these workmen were employed through a Contractor or Maistry as a leader on piece-rate basis. It cannot be denied that the mines are situated in the interior villages of the Salem District. In paragraph (5) of the counter statement, the Management has also specifically stated that these workmen were engaged from 19-1-1979 by the Contractor Thiru R. Kumaravel and subsequently under Thiru K. P. Kandasamy who became the leader of that group. Thiru R. Kumaravel has been examined as M.W. 1 while Thiru K. P. Kandasamy has been examined by the Union as W.W. 1. Further case of the Management is that the services of these workmen were not terminated either from 22-2-1979 or from 16-5-1979 as the Union would have it. But there was some trouble in the first week of September, 1979 and therefore the workmen did not turn up for work from 8-9-1979. In the circumstances, it has to be seen whether by and large the case put up by the Management can be accepted. Ex. M-5 is the complaint sent by W.W. 1 and 34 others to the Management. In Ex. M-5 dated 17-7-1979 these 31 workmen have not whispered that the services were terminated by the Management either on 22-2-1979 or 16-5-1979. Ex. M-5 is dated 17-7-1979. Incidentally in Ex. M-5, all these workmen are mentioned as working at Mangarampalayam which is not worked up by the Management. The Management has given a complaint against these workmen to the Police on 10-9-1979, copy of the complaint is Ex. M-6 Exs. M-16 and M-17 are the Annual Returns filed by the Management. They relate to earlier period, but this has been marked by the Union during cross-examination of M.W. 3. The Union has also marked during cross-examination Ex. M-18 which is a register of leave account in Form 'G'. That would indicate the various dates the workmen had actually worked from January, 1979 till August, 1979. The data furnished under Ex. M-18 showing the attendance of the workers would probabilise more the case of the Management rather the one put forward by the Union. M.W. 3 has explained that due to the nature of work and allocation of the mines, the operations are continued now and then with some breaks when warranted. That, explains the statistics as afforded by Ex. M-18. M.W. 1 has stated that W.W. 1 and 15 others had worked under him in Karuna Mines for some time at Veerachipalayam. Merely because M.W. 1 is not a registered contractor his evidence cannot be brushed aside altogether. He has stated that W.W. 1 and 15 others worked under him for some time in January, 1979. That supports the entries found in Ex. M-18. Regard being had to the nature of the work turned out by these workmen, it is more probable that they were engaged by the contractor rather than directly by the Management although the Management has maintained a record under Ex. M-18 to this effect. M.W. 2 also states that M.W. 1 had worked under the Management for two or three days in 'Thai' 1979. Learned counsel for the Union would point that even from Ex. M-18 it can be noted that these workmen did not turn up for work from 15-5-1979. M.W. 1 has already explained that the workmen would come as and when there is work and as and when the workmen found it convenient. Therefore, merely because from Ex. M-18, it can be seen that from 15-5-1979 till the end of June, 1979 the workmen did not work, it cannot be taken as circumstance to support the case of the Union that the services of these workmen were terminated from 16-5-1979. On the contrary, it can be seen from Ex. M-18 that in July and August, 1979 also these workmen had worked under the Management. These workmen had also issued the receipt for the payment made by the Management and the same has been marked as Ex. M-1 series and the voucher passed by W.W. 1 is separately marked as Ex. M-2 and is dated 8th September, 1979. Therefore there is room to hold that till 7-9-1979 these workmen had worked under the Management. The only explanation of the Union is that these vouchers relate to the payment of arrears of wages for the work done prior to 16-5-1979. On the materials placed, it is hard for acceptance. If in fact the payment covered by Ex. M-1 series and Ex. M-2 relate only to the arrears of wages as claimed by these 31 workmen for work done by them prior to 16-5-1979, certainly when the payment is received only in September, 1979 surely the workmen would have insisted that the receipt must specifically relate to arrears of wages. Normally by and large the arrears of wages are never withheld. The Management has given a serious complaint against the workmen—vide Ex. M-6. This fact is also supported by the complaint made by the Management to the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras on 14-9-1979—vide Ex. M-8. It may be noted that in Ex. M-8 the Management has clearly stated that the workmen had worked

upto 7-9-1979 and have received the last wages upto 8-9-1979. From Ex. M-9 the Management had in fact issued notice to the temporary workers for continued absence from work. Ex. M-12 is also letter from the Management to the Director of Mines Safety, Oorgaum. In Ex. M-12 also the Management has pointed out to the fact that Thiru K. P. Kandasami W.W.1 and 30 others began to work in their mine from 19-1-1979 and they have also stated that the workmen had abandoned the work from 8-9-1979 even after due notice given to them. Exs. W-15, W-16 and W-17 are the letters sent by W.W.1 and other workmen and also the Union would go a long way to improbableise the case of termination of these workmen with effect from 16-5-1979 as specifically put forward by the Union. On an anxious and careful consideration of the entire evidence oral and documentary and the broad probabilities, I am not inclined to accept the case of the Union that the services of the 31 workmen were terminated by the Management with effect from 16-5-1979. It is more probable that these temporary workmen have abandoned their work from 8-9-1979 under the Management due to impending or probable Police action. Hence I must answer the issue in the negative and the workmen are not entitled to any relief.

(5) In the result, an Award is passed holding that the workmen are not entitled to any relief. In the circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

Dated, this 1st day of August, 1981.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

[No. L-29011/47/80-D.III(B)]

K. K. HANDA, Under Secy.

WITNESSES EXAMINED

For Workmen :

W.W. 1—Thiru K. P. Kandaswamy.

For Management :

M.W. 1—Thiru R. Kumaravel.

M.W.2— " Thambiannan alias Ramaswamy.

M.W.3— " K. Jayaraman.

DOCUMENTS MARKED

For workmen :

Ex. W-1/21-2-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner, Madras for taking up conciliation. (with postal receipts—2 Nos.) and a certificate of posting)

Ex. W-2/22-2-79—Letter from the Union to the Management requesting for payment of wages and work to the workmen.

Ex. W-3/ " —Letter signed by the workmen to the Union regarding non-payment of wages to the workmen for January, 1979 and refusal of work by the Management. (with postal receipt).

Ex. W-4/19-3-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner(C)-II, Madras regarding conciliation of the dispute with postal acknowledgement.

Ex. W-5/19-5-79—Letter signed by the workmen to the Management requesting to mark 'Present' on 17-5-79 and pay full wages.

Ex. W-6/18-5-79—Letter from the Assistant Commissioner (Central), Madras to the Union.

Ex. W-7—Reply letter from the Union to Ex. W-6.

Ex. W-8/23-5-79—Letter signed by the workmen to the Management regarding payment of wages and employment.

Ex. W-9/24-7-79—Letter from the Management to W.W.1 and 31 others.

Ex. W-10/9-8-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner, Madras for initiating conciliation.

Ex. W-11/ " —Reply letter from workmen to the Management to Ex. W-9.

Ex. W-12/16-8-79—Letter from the Union to the Management requesting to provide work regularly to workmen.

Ex. W-13/ " —Letter from the Management to Thiru K. P. Kandasamy and 31 others.

Ex. W-14/29-8-79—Reply letter from W.W.1 and others to Ex. W-13.

Ex. W-15/5-9-79—Letter from W.W.1 and 9 others to the Management requesting for work.

Ex. W-16/6-9-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner(C), Madras requesting to provide work for the workmen.

Ex. W-17/ " —Complaint by the workmen to the Labour Enforcement Officer, Salem against the Management.

Ex. W-18/8-9-79—Report of the Union to the Director of Mines Safety, Oorgam against the Management.

Ex. W-19/18-9-79—Notice of the Management to W.W.1 and 30 others.

Ex. W-20/25-9-79—Letter from the Union to the Management in reply to Ex. W-19.

Ex. W-21/27-9-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C), Madras.

Ex. W-22/29-9-79—Letter from the Management to the Assistant Labour Commissioner (Central), Madras.

Ex. W-23—Letter from W.W.1 and 34 others to the Management requesting for payment of full wages.

Ex. W-24/31-10-79—Letter from the Union to the Management.

Ex. W-25/9-11-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C)-II, Madras requesting to refer the dispute for adjudication.

Ex. W-26/14-12-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C)-II, Madras requesting to provide work for the workmen.

Ex. W-27/2-2-80—Letter from the Management to the Assistant Labour Commissioner (C), Madras.

Ex. W-28/23-2-80—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C)-I, Madras, in reply to Ex. W-27.

For Management :

Ex. M-1 series—Vouchers passed by W.W.1. (16 Nos.)

Ex. M-2/8-9-79—Voucher passed by W.W.1 for Rs. 164-80

Ex. M-3/6-8-74—Government's order sanctioning the grant to the Management of a mining lease for limestone, Feldspar and Qarty for a period of 20 years. (copy) (G.O.Ms.No.1109, dated 6-8-74, Industries Department.)

Ex. M-4/23-9-74—Mining lease deed.

Ex. M-5/17-7-79—Letter signed by W.W.1 and 34 others to the Management for employment.

Ex. M-6/10-9-79—Complaint of the Management to the Sankari Police.

Ex. M-7/ " —Receipt given by the Police for having received the original of Ex. M-6.

Ex. M-8/14-9-79—Letter from the Management to the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras for taking up conciliation of the dispute.

Ex. M-9/19-9-79—Letter from the Management to the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras sending copy of notice sent to the temporary workmen by the Management for continued absence from work.

Ex. M-10/15-2-80—Letter from the Director of Mines Safety, Oorgaum to the Management disclosing contraventions of the provisions of Mines Rules, 1955.

- Ex. M-11/4-3-80—Explanation of the Management to Ex. M-10.
- Ex. M-12/7-3-80—Letter from the Management to the Director of Mines Safety, Oorgaum producing registers for perusal.
- Ex. M-13/13-8-80—Letter from the Management to the Collector of Salem surrendering lease areas.
- Ex. M-14 series—Payment vouchers passed by the workmen. (119 Nos.)
- Ex. M-15/2-4-75—Contract agreement reached between the Management and M.W.I.
- Ex. M-16/1-2-77—Annual return for the year ending 31-12-
- Ex. M-17/25-12-77—Notice of opening of Mines.
- Ex. M-18/ .. —Register of leave account during the year 1979.

(Sd) T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer.

New Delhi, the 21st August, 1981

S.O. 2349.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi, in the industrial dispute between Shri Mohammad Usman, Mine Owner, Kheemuch and his workmen, which was received by the Central Government on the 12th August, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI
I. D. No. 47 of 1980

In re :

The Office Secretary,
Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi,
Rajasthan. Petitioner.

Versus

M's, Shri Mohammad Usman s/o Ladu Khan,
Mine Owner, Haria Kheri, Kheemuch.
District Kota. ...Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-29011/12/80-D.III.B dated the 31st May, 1980 referred an Industrial Dispute in the following terms sub 10 of the I.D. Act to this Tribunal :

"Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of Shri Mohd. Usman s/o Shri Ladu Khan, Mine Owner, Haria Kheri, Kheemuch, District Kota are justified? If so, to what relief the workmen are entitled ?

1. Upward revision of rate of daily wage of unskilled workers.
2. Enhancement of piece rate for Stone cutters.
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scale for the clerical and other staff employed in the mine.
4. Provision of medical facilities.
5. Grant of two extra paid festival holidays.
6. Grant of 20 days casual leave in addition to leave admissible under the Mines Act ?"

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of the notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order *ex parte* against the Management and *ex parte* evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Government.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta s/o Shri Jammal Lal who has described himself in para No. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-79.

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Government to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief whatsoever.

7. Now that the Management side had absented the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent, even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required revision. Likewise they have not brought any evidence on record to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workmen have miserably failed to establish their claim in this reference.

8. It may incidently be mentioned here that the appropriate Government had vide its order No. S. 32019(VI)79-WC(MW) dated the 12th September, 1980 revised the minimum rate of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it would be found that the appropriate Government has fixed minimum rates of wages for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of leaving allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees by contractors, which term would include the lease holder of the present type also. This order is effective from 1-10-80 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Government has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone Mines which term would include Lime Stone Mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would

not admit of any revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference whatsoever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their output of production or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved in any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Further more now that minimum wages have been revised by the appropriate Government in respect of workers working in Stone Mines Industry including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

10. In view of my discussions above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified it is awarded that the workmen are not entitled to any relief whatsoever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-29011(12)/80-D.III.(B)]

Dated: the 21st July, 1981.

S.O. 2350.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between Shri Gangaram Kalooram Jatwa, Mine Owner, Satalkheri, District Kota and his workmen, which was received by the Central Government on the 12th August, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 41 of 1980

In re :

The Office Secretary, Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi, Rajasthan .. Petitioner

Versus

Shri Gangaram Kalooram Jatwa, Mine Owner, P.O. Satalkheri, Via Ramganjmandi, Distt. Kota

... Respondent

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-29011/14/80-D.III.B dated the 31st May, 1980 referred an Industrial Dispute in the following terms u/s 10 of the ID Act to this Tribunal :—

Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of Shri Gangaram Kalooram Jatwa, Mine Owner, P.O. Satalkheri via Ramganjmandi, Distt. Kota are justified? If so, to what relief the workmen are entitled?

1. Upward revision of rate of daily wage of unskilled workers.
2. Enhancement of piece rate for Stone Cutters.
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scale for the clerical and other staff employed in the mine.

4. Provision of medical facilities.

5. Grant of two extra paid festival holidays.

6. Grant of 20 days casual leave in addition to leave admissible under the Mines Act.

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of the notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order exparte against the Management, and ex-parte evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone Workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Government.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta S/o Shri Janna Lal who has described himself in para No. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-79.

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Government to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief whatsoever.

7. Now that the Management side had absented, the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent, even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required revision. Likewise they have not brought any evidence on regard to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workmen have miserably failed to establish their claim in this reference.

6. It may incidently be mentioned here that the appropriate Government had vide its order No. S-32019(VI)/79-WC (MW) dated the 12th September, 1980 revised the minimum rates of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it would be found that the appropriate Government has fixed minimum rates of wages

for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of leaving allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees employed by contractors, which term would include the leave holder of the present type also. This order is effective from 1-10-80 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision for medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Government has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone mines which term would include lime stone mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would not admit of any further revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference whatsoever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their put of production or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved if any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Furthermore now that minimum wages have been revised by the appropriate Government in respect of workers working in Stone Mines Industry including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

10. In view of my discussion above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified and it is awarded that the workmen are not entitled to any relief whatsoever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 17th July, 1981

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. I-29011(14)/80-D.III(B)]

S.O. 2351.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. West Suket Co-operative Labour Contractor Sahakari Samiti and their Workmen, which was received by the Central Government on the 12th August, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT NEW DELHI

I.D. No. 42 of 1980

In re:

The Office Secretary,
Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi,
Rajasthan

Versus

M/s. West Suket Cooperative Labour
Contractors Sahakari Samiti Ltd.,
P.O. Suket, District Kota,

..... Petitioner

..... Respondent

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-29011(17/80-D.III(B) dated the 31st May, 1980 referred an Industrial Dispute in the following terms u/s 10 of the ID Act to this Tribunal:

Whether the following demands of the workers employed in the Lime Stone Mine of M/s. West Suket Cooperative Labour Contractors Sahakari Samiti Ltd., P.O. Suket, District Kota are justified? If so, to what relief the workmen are entitled?

1. Upward revision of rate of daily wage of unskilled workers.
2. Enhancement of piece rate for Stone cutters.
3. Rationalisation and introduction of suitable pay scale for the clerical and other staff employed in the mine.
4. Provision of medical facilities.
5. Grant of two extra paid festival holidays.
6. Grant of 20 days casual leave in addition to leave admissible under the Mines Act.

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered. In pursuance of the notice workmen side had appeared but the Management side had absented. The notices were ordered to be issued to the Management for five times but none appeared on behalf of the Management and it was thereafter that I was constrained to order ex-parte against the Management and ex-parte evidence was ordered to be recorded on the pleadings of the petitioners/workmen.

3. I have gone through the evidence produced by the workmen side and have gone through the pleadings and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this reference.

4. From the perusal of statement of claim filed by the workmen I find that it is contended therein that Rashtriya Mazdoor Sangh, District Kota is a registered trade union of Lime Stone Workers and the respondent was owner of a Lime Stone; that the respondent had not been paying proper wages as other Lime Stone owners are paying therefore the matter was taken up and the present reference has been made by the appropriate Govt.

5. In support of its evidence the workmen side has produced only the affidavit of one Shri Ram Gopal Gupta s/o Shri Jamna Lal who has described himself in para no. 1 of the affidavit to be the Office Secretary and elected Treasurer of Rashtriya Mazdoor Sangh. The only other thing stated by this witness in his affidavit is that the respondent have not raised wages since October, 1979 of the workers in their Lime Stone Mines while most of the other Lime Stone Mine owners have increased the wages w.e.f. 1-10-79 and that similar work is carried out in the Lime Stone Mines of the respondent and hence it is prayed that the revised wages be paid w.e.f. 1-10-79.

6. From the perusal of above statement of claim and the evidence it would be found that it does not even remotely touch the points of reference which have been referred as Industrial Dispute by the appropriate Govt. to this Tribunal and in view thereof it cannot be said that the workmen side have led appropriate evidence to entitle it to any relief whatsoever.

7. Now that the Management side had absented, the burden of proving the entire claim had fallen upon the workmen side. Even otherwise from the order of reference it would be found that the workmen had to establish the justification of their demands incorporated in the said order of reference. The workmen side has led practically no evidence worth the name to discharge the said burden. They have not cared to examine even one such employer who was paying higher wages than this management/respondent, even though it is alleged that most of the other employers were paying higher wages. The workmen side has further failed to produce any evidence to suggest even remotely that the present wages were insufficient or required

revision. Likewise they have not brought any evidence on record to make out a case for upward revision of rates of daily wages or enhancement of piece rates. Similarly in the absence of any evidence on the point it cannot be said that any rationalisation or introduction of any suitable pay scale for clerical or other staff is called for or can be done. Likewise there is absolutely no evidence on the question of provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to the leave admissible to these workmen under the Mines Act. From whichever angle I may consider the matter before me I have come to the conclusion that the workmen have miserably failed to establish their claim in this reference.

8. It may incidentally be mentioned here that the appropriate Govt. had vide its order No. S-32019(VI)/79-WC(MW) dated 12th September, 1980 revised the minimum rates of wages in respect of categories of employees employed in Stone Mines which includes Lime Stone Mines. From the perusal of the said order it would be found that the appropriate Govt. has fixed minimum rates of wages for unskilled, semi-skilled and skilled and clerical staff working in these mines and explanation to this notification shows that this minimum rate of wages is also inclusive of basic rates, cost of living allowance, cash value of concessional supply and wages for the weekly rest and are also applicable to employees employed by contractors, which term would include the lease holder of the present type also. This order is effective from 1-10-80 and therefore it is too premature thereafter to revise the rate of wages. It may also be mentioned here that for the same reasons no rationalisation or introduction of suitable pay scale at this stage is called for. Similarly there are no grounds for further revision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave in addition to leave admissible to these people under the Mines Act. The very fact that the appropriate Government has revised minimum rates of wages in respect of employees employed in Stone mines which term would include lime stone mines, would go to suggest that this industry is still in its very infancy and would not admit of any further revision or upward revision of wages or any rationalisation or introduction of regular pay scale or provision of medical facilities or grant of two extra paid festival holidays or 20 days casual leave. For this reason also the workmen side is not entitled to any relief in this reference whatsoever.

9. The matter may be considered from yet another angle. The workmen side have failed to produce any figures showing their output of production or to bring out the incidence of financial burden of expenditure which would be involved if any practice of further medical facility or grant of two additional festival holidays or additional 20 days casual leave is introduced in this industry. The time is still not ripe for granting of any of these reliefs. Furthermore now that minimum wages have been revised by the appropriate Government in respect of workers working in Stone Mines Industry including the Lime Stone Mines it is natural that further revision would be made in accordance with the provisions of Minimum Wages Act as and when such a necessity would arise.

6 In view of my discussions above, I hold that none of the demands of the workmen in this reference is justified and it is awarded that the workmen are not entitled to any relief whatsoever in this reference. However parties are left to bear their own costs.

Further ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-29011(17)/80.D.III(B)]

Dated : the 18th July, 1981

नई दिल्ली 25 अगस्त 1981

को० आ० 2352.—जैमर्स गिंगुर्थी स्टोन क्वाररीज कंपनी और उनके कर्मचारियों के बीच, जिसका प्रतिनिधित्व तान्दुर स्टोन क्वाररीज लेबर एंड एम्प्लोजेस यूनियन, बशीरगढ़ करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान

और उक्त नियोजक तथा उक्त यूनियन औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (i) के उपबंधों के अनुसरण में, लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उनमें उचित व्यक्ति के माध्यम का सेवने के लिए सहमत हो गए हैं और उक्त माध्यम करार की एक प्रति केंद्रीय सरकार को भेजी गई है और उसे उक्त धारा की उपधारा (3) के उपबंधों के अधीन भारत के नारिख

के राज्यपाल के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या एल० 29011/26/81-डी० III(बी), दिनांक 25-8-81 के साथ प्रकाशित किया गया है;

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्षकार के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं;

अतः, श्रम औद्योगिक विवाद (केंद्रीय) नियम, 1957 के नियम 8-क के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (3क) के उपबंधों के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार उन नियोजकों और कर्मचारियों की सूचना के लिए, जो उक्त माध्यम करार के पक्षकार नहीं हैं लेकिन जो उक्त विवाद से संबंधित हैं, यह अधिसूचना करती है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्षकार के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

[संख्या एल-29011/26/81-डी० III(बी)]

New Delhi, the 25th August, 1981

S.O. 2352.—Whereas, and industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Gingurthi Stone Quarrying Co. and their workmen represented by Tandur Stone Quarries Labour and Employees' Union, Basheerabad;

And, whereas, the said employer and the said union have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government and the same has been published under the provisions of sub-section (3) of the said section with the order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L-29011/26/81.III(B) dated 25th August, 1981 published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated

And, whereas the Central Government is satisfied that the persons making the said reference represent the majority of the party;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3A) of the said section, read with rule 8A of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, the Central Government hereby notifies for the information of the employers and workmen who are not parties to the said arbitration agreement but who are concerned with the said dispute, that the persons making the said reference represented the majority of each party.

[No. L-29011/26/81-D.III(B)]

आदेश

क्रा० अा० 2353.—सैमर्स गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग प्राइवेट लि० के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, जिसका प्रतिनिधित्व तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड एम्प्लाइज यूनियन बशीराबाद करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ।

और उक्त नियोजकों और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क की उप-धारा (1) के प्रावधानों के अन्तर्गत एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यम के लिए निर्दिष्ट करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यम के करार को एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उप-धारा (3) के उपबंधों के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यम के करार को प्रकाशित करती है ।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अन्तर्गत)
पक्षकारों के नाम :

- (1) सैमर्स गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग कम्पनी, डाकघर व तान्दूर रंगा रेड्डी, जिला आन्ध्र प्रदेश ।
- (2) तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड एम्प्लाइज यूनियन, डाकघर बशीराबाद तान्दूर ताल्लुक, रंगारेड्डी, जिला आन्ध्र प्रदेश ।

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले, श्री बी० पी० शर्मा, पार्टनर, गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग कम्पनी, डाकघर तान्दूर, रंगा रेड्डी जिला आन्ध्र प्रदेश ।

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री डी० बी० रेड्डी, प्रेजिडेंट तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड एम्प्लाइज यूनियन, डाकघर बशीराबाद, तान्दूर ताल्लुक, रंगारेड्डी जिला आन्ध्र प्रदेश ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री एम० आर० राजू, उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, नई दिल्ली, के माध्यम के लिए निर्दिष्ट करने का करार किया गया है ।

1. विनिर्दिष्ट विवाद प्रश्न विषय : "क्या सैमर्स गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग कम्पनी, तान्दूर, रंगा रेड्डी जिला (आन्ध्र प्रदेश) की स्टोन क्वारिंग/खानों/विभागों में काम करने वाले कर्मचारों की मजदूरी-यों में वृद्धि की मांग व्यापक है ? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूची के हकदार हैं और किस तारीख से ?"

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्बलित स्थापन या उपग्रह का नाम और पता भी सम्मिलित है :

1. श्री बी० पी० शर्मा, पार्टनर गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग कम्पनी तान्दूर, रंगारेड्डी जिला (आन्ध्र प्रदेश) ।

2. श्री डी० बी० रेड्डी, प्रेजिडेंट, तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड एम्प्लाइज यूनियन, डाकघर बशीराबाद, तान्दूर ताल्लुक, रंगारेड्डी जिला (आन्ध्र प्रदेश)

3. कर्मकार का नाम, यदि वह स्वयं दिवार में अंतर्बलित है या यदि धार सध प्राप्त कर्मकार या कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करना हो तो उसका नाम :

तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड एम्प्लाइज यूनियन, डाकघर बशीराबाद, तान्दूर ताल्लुक, रंगारेड्डी जिला (आन्ध्र प्रदेश) ।

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मचारों की कुल संख्या । तबसंग 350
5. विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भावित प्रभावित होने वाले कर्मचारों की प्रावधान संख्या तबसंग 350

हम यह करार भी करते हैं कि माध्यम का विनिर्देश हम पर आवश्यक कर होगा । माध्यम अपना पचास टा कागज के प्रकाशन की तारीख से दो मास की कालावधि का इस्तेमाल और मन्त्र के भीतर जो हमारे बीच परस्परिक लिखित करार द्वारा प्रकृत जाय देश । यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पचास नहीं दिया जाता, तो माध्यम के लिए निदेश स्वतः रहे हो जायेगा और हम नए माध्यम के लिए वातचीन करने को स्वतंत्र होंगे ।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले
ह० /-(बी० पी० शर्मा) पार्टनर, ह० /-(डी० बी० रेड्डी) प्रेजिडेंट,
गिंगुरथी स्टोन क्वारिंग क०, तान्दूर स्टोन क्वारिंग लेबर एंड
तान्दूर । एम्प्लाइज यूनियन, बशीराबाद ।

साक्षी :

1. ह० /-(के० गुणा मुनि, सचिव, प्रबंधक, तान्दूर और नाबान्दगी स्टोन क्वारिंग (प्रा०) लि० बशीराबाद ।

2. ह० /-(बी० एम० शर्मा) अ.मुनिविक, सी०। श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, नई दिल्ली ।

तारीख 17-6-1981

मैं उपर्युक्त विवाद में माध्यम के रूप में काम करने के लिए अपनी सहमति देता हूँ ।

ह०

(एम० आर० राजू)

उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली)

[स० एल-29011/26/81-बी-III(बी)]

के० के० हुंडा, घवर सचिव

ORDER

S.O. 2353.—Whereas, an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messers Gingurthi Stone Quarries Pvt. Ltd., and their workmen represented by Tandur Stone Quarries Labour and Employees Union, Basheerabad ;

And, whereas, the said employers and workmen have, by a written agreement in pursuance of the provisions of the sub-section (1) of section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947, agreed to refer the said dispute to arbitration by the person specified therein and a copy of the said agreement has been made available to the Central Government ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10-A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said Agreement.

AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947).

BETWEEN

Name of the Parties :

(1) M/s. Gingurthi Stone Quarrying Co., P. O. Tandur Ranga Reddy District, Andhra Pradesh.

(2) Tandur Stone Quarries Labour and Employees' Union, PO: Basheerabad, Tandur Taluk, Ranga Reddy District, (Andhra Pradesh).

Representing Employer.—Shri V. P. Sharma, Partner, Gingurthi Stone Quarrying Co., PO: Tandur, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh).

Representing the Workmen.—Shri D. Bichi Reddy, President, Tandur Stone Quarries Labour and Employees' Union, PO: Basheerabad, Tandur Taluk, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh).

It is hereby between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri M. R. Raju, Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Office of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi :—

(i) Specific matters in dispute.—“Whether the demand of the workmen working in Stone Quarry/Mine/Departments of M/s. Gingurthi Stone Quarrying Co., Tandur, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh) for upward revision of rate of wages is justified? If so, to what relief are the concerned workmen entitled to and from what date?”

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :—

(1) Shri V. P. Sharma, Partner, Gingurthi Stone Quarrying Co., Tandur, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh).

(2) Shri D. Bichi Reddy, President, Tandur Stone Quarries Labour and Employees' Union, PO: Basheerabad, Tandur Taluk, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh).

(iii) Name of the workmen in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any, representing the workmen or workman in question :—

Tandur Stone Quarries Labour and Employees' Union,
PO: Basheerabad, Tandur Taluk, Ranga Reddy District (Andhra Pradesh).

(iv) Total No. of workmen employed in the undertaking affected:—About 350.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute:—About 350.

We further agree that the decision of the Arbitrator be binding on us. The Arbitrator shall make his Award within a period of two months from the date of publication of the agreement or within such further time as extended by mutual agreement between me in writing. In case the Award is not made within the period aforementioned, the reference to the arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh Arbitration.

Signature of the Parties:

Representing the Employer:—

Sd/-

(V. P. SHARMA), Partner,
Gingurthi Stone Quarrying Co. Tandur.

Representing the Workmen:

Sd/-

(D. BICHI REDDY), President,
Tandur Stone Quarries Labour and
Employees' Union, Basheerabad.

Witnesses:—

1. Sd/-

(K. Krishna Murthy)

Personnel Manager, Tandur and Navandgi
Stone Quarries (Private) Limited,
Basheerabad.

2. Sd/-

(V. S. Sastry)

Stenographer,
Office of the Regional Labour Commissioner
(Central), Hyderabad.

Date : 17-6-1981.

I hereby give my consent to be an Arbitrator in the above dispute.

Sd/-

(M. R. Raju)

Deputy Chief Labour Commissioner (Central)
New Delhi.

[No. L-29011/26/81-D.III(B)]

K. K. HANDA, Under Secy.

New Delhi, the 19th August, 1981

S.O. 2354.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pootkee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 17th August, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 7 of 1980

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Pootkee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Kusunda, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen.—None.

STATE:Bihar

INDUSTRY: Coal

1st August, 1981.

AWARD

This is a reference under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012/128/79-D.III(A) dated 4th June, 1980 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

“Whether the demand of the workmen of Pootkee colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Kusunda, District Dhanbad that Sarvasri M. Banerjee, Samiron Guha, Rajuham Ahmed, P. K. Sinha, P. C. Chatterjee, Abhai Narain Ray, Shyamnand Jha and S. K. Ghose, should be promoted from clerical grade II to Grade I from the date their juniors have been promoted is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled?”

2. The above named concerned workmen were denied promotion from clerical grade II to clerical grade I and this led to an industrial dispute. I need not elaborately go into the case of the workmen and the employer for the very simple reason that on behalf of the employer a petition has been filed for passing a ‘No dispute’ award. The management has admitted that the Departmental Promotion Committee which considered the promotion matter made a mistake in considering seniority colliery-wise instead of considering seniority Area-wise. This was the main reason why the concerned workmen could not be recommended for promotion by Departmental Promotion Committee. The petition further says that not only the case of the concerned workmen but a large number of others who suffered on account of the aforesaid mistake are going to be rectified by constituting a fresh Departmental Promotion Committee to go into the question. It has been conceded in this petition that the recommendation of the earlier Departmental Promotion Committee and orders passed thereon have been clearly rescinded by the management.

3. It is accordingly clear that the case of the concerned

workmen for promotion from Grade II to Grade I is now open to be considered by a fresh Departmental Promotion Committee. This leaves no scope for a dispute in this reference and the point raised in this reference need not be answered. In fact the prayer of the management to pass a 'No dispute' award is acceptable. The reference is accordingly disposed of.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/128/79-D.III(A)]

S.O. 2355.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih, Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th August, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 24 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice B. K. Ray (Retd.).—Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen.—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh

STATE: Bihar

INDUSTRY: Coal

Dhanbad, dated the 1st August, 1981

AWARD

By Order No. L-20012(83)/80-D.III(A) dated the 10th October, 1980, the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule attached to the order referred the same for adjudication to this Tribunal. The schedule to the order reads thus :

"Whether the demand of the workmen of Regional Stores, Sinidih of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad that Shri P. Jha, Store Keeper should be placed in Grade-I (Clerical) and paid wages accordingly from June, 1973 is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

2. After notice to the parties the management only has filed its written statement. On 6-3-81 when in spite of notice the union did not file its written statement the Tribunal ordered that the union had no written statement to file and posted the case for hearing to 18-3-81. Ultimately the hearing of the case was taken up on 30-6-81 after submission of Sri S. Bose for the union to contest the case without filing written statement was accepted. On that day the union examined one witness as WW-1 and got some documents marked as exhibits (Exts. W-1 to W-6). Parties were thereafter heard on their respective cases.

616 GI/81—10

3. The reference in this case relates to the demand of the workman for placing Sri P. Jha, Store Keeper in Gr. I (Clerical) and for payment of wages accordingly from June, 1973. The case of the management as appears from its written statement is as follows. The concerned workman was an office clerk on 31-1-73 at North Akashkinaree Colliery the management of which was taken over by the Central Government from that day. Since then the concerned workman was put in Clerical Gr. II in accordance with the recommendation of the Coal Wage Board. The management thereafter transferred the concerned workman to Regional Stores in June, 1973 which was opened in the area after nationalisation of the Coking Coal Mines. At that place the concerned workman was posted as Asstt. Store Keeper at the Regional Stores of the Area situated at Sinidih. Asstt. Store Keepers are entitled to Clerical Gr. II and so the concerned workman after his posting in Regional Stores was allowed to draw wages admissible to Clerical Gr. II Under the recommendation of the Coal Wage Board Store Keepers can be placed both in Clerical Grade I and Clerical Gr. II. Asstt. Store Keepers according to recommendations of the Coal Wage Board are in Clerical Gr. II. The concerned workman continued to work as Asstt. Store Keeper in Gr. II from June 1973 till he was promoted to the post of Store Keeper Gr. I in December 1978 after his case was recommended by Departmental Promotion Committee. Therefore the union's demand that the concerned workman should have been placed in Gr. I from June 1973 is not justified. Promotions from Gr. II to Gr. I are made on the basis of merit and experience depending upon the availability of number of promotional posts. In these circumstances the concerned workman is not entitled to any relief.

4. As has been stated earlier the union has not filed its written statement and Mr. S. Bose appearing for the union contested the case without filing a written statement by examining the concerned workman as WW-1 and by getting as many as six documents marked as exhibits through WW-1. The concerned workman admits in his evidence that he was posted as Sinidih Regional Store in June 1973. This store according to the evidence was in respect of four sub-areas, namely, Dharmaband, Gobindpur, Phularitand and Mohuda. At that time according to the workman there were two sections in the General Stores—one for spares and other for general stores and he was incharge of General Store Section and was not assisting any other Store Keeper and was in independent charge of the section. In spite of this the workman says that he was in Gr. II. The workman further asserts that at the time he was in independent charge of the section there was one Asstt. Store Keeper under him and so the management was not justified in placing him in Gr. II. He also deposes that the work he was doing was the work of a Store Keeper Gr. I though being posted as Asstt. Store Keeper in Gr. II he was signing the attendance register as such. In the evidence the workman says that although he himself being incharge of one section had been placed in Gr. II another man incharge of spare section as Store Keeper was in Gr. I and that the Store Keeper incharge of spare section was not supervising his (workman's) work. In cross-examination the witness admits that he was initially appointed in Akashkinari Colliery on 16-8-72 and at that time his basic pay was Rs. 205 per month which was the basic pay of a Clerk in Gr. II. He further admits that after nationalisation he continued in the same category and that he was transferred to Central Store in June 1973 as Asstt. Store Keeper in Gr. II. It is also admitted by him that in the Central Store there is a section known as Issue Section which is divided into two sub-sections, namely, spares and general stores and that one Anil Misra was incharge of Issue Section as well as spare sub-section. It is thus clear from the evidence that general store is not a section but is a sub-section under Issue Section and that Anil Misra was incharge of Issue Section. It is also clear from the evidence of the workman that after his transfer to the Store he has never been placed incharge of an independent section and that a Store Keeper Gr. I always remains incharge of a Section. In these circumstances from the evidence of the concerned workman it is manifest that after his transfer to Store in June 1973 he has been at times placed incharge of different sub-sections and never been incharge of a Section. Central Wage Board recommendations show that a Store Keeper may be both in Gr. I and also in Gr. II. It is not disputed that in the

year 1978 the concerned workman was promoted as Store Keeper Gr. I. Between 1973 to 1978 it is not clear from the evidence of the concerned workman that he was performing the duties of a Store Keeper Gr. I. The documents relied upon by the union in this connection also do not improve the case of the workman. Exts. W-1 to W-4 are only correspondence under which the concerned workman claims to be put in Gr. I. Ext. W-5 is the order showing that the concerned workman was promoted to Gr. I with effect from 29-6-78. Thus there being nothing to show that before the concerned workman was actually promoted to Gr. I he was discharging the duties attached to the job of a Store Keeper Gr. I the claim of the union to place him in Gr. I since 1973 cannot therefore be justified. The promotion of the concerned workman to the post of Store Keeper Gr. I since June 1978 is however not affected. The reference is answered accordingly. There will be no order for costs.

B. K. RAY, Presiding Officer.
[No. L-20012/83/80-D.III(A)]

S.O. 2356.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th August, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 25 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice B. K. Ray (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workman.—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar. **INDSTRY :** Coal.
Dhanbad, dated, the 1st August, 1981

AWARD

By Order No. L-20012(85)/80-D.III(A) dated the 14th October, 1980, the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Regional Stores, Sinidih of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule attached to the order referred the same for adjudication to this Tribunal. The scheduled attached to the order reads thus:

"Whether the demand of the workmen of Regional Stores, Sinidih of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad that Shri Bijay Bahadur Singh, Store Keeper should be placed in Grade-1 (Clerical) and paid wages accordingly, from January, 1973 is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

2. After notice to the parties the management has failed its written statement. In spite of repeated chances being given to the union it has not filed written statement at all. With the consent of the parties the case was heard and at

the time of hearing management did not choose to examine any witness whereas union examined the concerned workman and proved as many as three documents marked Exts. W-1 to W-3.

3. The case of the management as made out in its written statement may be briefly stated thus. The concerned workman was an Attendance Clerk on 17-10-1971 at South Govindpur Colliery whose management was taken over by the Central Government with effect from 17-10-1971. After take over the workman was placed in Clerical Gr. II, according to recommendations of the Central Wage Board. While he was so working he was transferred to the Regional Store and was posted as Asstt. Store Keeper there at Sinidih in the month of December, 1972. Asstt. Store Keepers belong to Clerical Gr. II under the recommendations of the Central Wage Board. So after his transfer the concerned workman was allowed to draw wages admissible to Clerical Gr. II. The Central Wage Board recommendation also provide that a Store Keeper may be both in Gr. I or in Gr. II. According to the same recommendations as Asstt. Store Keeper is always in Gr. II. That being so the management was fully justified in placing the concerned workman in Clerical Gr. II after he was transferred to Regional Store and was posted there as Asstt. Store Keeper. The workman however was promoted to Gr. I in December, 1978 as recommended by Departmental Promotion Committee. Such being the position the union's demand that the concerned workmen should be placed in Gr. I from 1-1-73 is without any basis.

4. It may be stated that the union has not filed any written statement but has examined the concerned workman only as WW-1. He admits that in December 1971 he was transferred as Asstt. Store Keeper to Sinidih Regional Store and that he was promoted in December, 1978. In his deposition he never claims that after his transfer to Regional Store he ever worked as a General Store Keeper Gr. I. It is also not disputed that under the recommendations of the Central Wage Board a Store Keeper may be both in Gr. I and in Gr. II. Therefore even conceding for the sake of argument that sometime after his transfer the concerned workmen was doing the work of a Store Keeper that would not entitle him to be placed in Gr. I because while working as a Store Keeper he may still be in Gr. II. It is the positive case of the management that promotion from Gr. II to Gr. I is always made by recommendations of the Departmental Promotion Committee. Law is well settled that a promotion is not a right for a workman. It depends upon his merit, as well as seniority. It is not the case of the workmen that even though he was eligible for promotion he was not considered. The documents relied upon by the union marked Exts W-1 to W-3 do not improve the case for the workman. They are mere recommendations and as such cannot clothe the workman with any right to be placed in Gr. I. Such being the position I do not see any merit in the demand of the union and hold that the said demand for placement of the concerned workman in Gr. I since January 1973 is not justified. The placement of the workman in Gr. I since December 1978 will however, stand. The reference is answered accordingly. There will be no order for costs.

B. K. RAY, Presiding Officer.

[No. L-20012/85/80-D.III(A)]

New Delhi, the 21st August, 1981

S.O. 2357.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, At and Post Office Bhagaband, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th August, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 39. of 1980

Dhanbad, dated, the 3rd August, 1981.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, at and Post Office Bhagaband, District Dhanbad.

AND

Their workmen

PRESENT :

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workman.—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya

Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

ANNEXURE

Serial No.	Name	Present designation/grade.	Date of appointment.	Demanded grade
1	2	3	4	5
1.	Shri S. K. Nag	Tysist Grade II	18.9.63	Grade I
2.	Shri Balaji Chatterjee	—do—	18.9.63	—do—
3.	Shri S. S. Chatterjee	Clerks Gr. II	15.5.51	—do—
4.	Shri Mathur Bouri	—do—	1.4.54	—do—
5.	Shri Kailash Lal	Bill Clerk Gr. II	1.7.55	—do—
6.	Shri Seonath Prasad	—do—	1951	—do—
7.	Shri Arbind Raha	—do—	1.1.55	—do—
8.	Shri R. K. Bose	Asstt. Store/Clerks Gr. II	1.3.75	—do—
9.	Shri S. K. Chatterjee	P. O's Clerks G. II	1.5.60	—do—
10.	Shri Seopujan Singh	Bill Clerks Gr. II	1.10.56	—do—
11.	Shri N. N. Pandey	Typist Gr. II	1974	—do—
12.	Shri B. Mahato	P. F. Clerks Gr. II	1.11.63	—do—
13.	Shri Matai Singh	Magazine Clerks-II	1.5.56	—do—
14.	Shri S. N. Jha	Bonus Clerks Gr. II	1.7.71	—do—
15.	Shri Anirudh Pd.	Bill Clerk Gr. II	1-10-71	—do—
16.	Shri Muner Yadav	A/C Grade II		—do—
17.	Shri Dushrate Lal	—do—	3.1.58	—do—

2. After notice to the parties only the management has filed its written statement. In spite of repeated notice the union has not filed any written statement at all but still then Mr. S. Bose for the union submitted that he would contest the case of the management for the union without filing any written statement. Accordingly the case was heard on 24-7-81. None of the parties adduced any oral evidence. On behalf of the management two documents have been filed, namely, Exts. W-1 and M-2.

3. This case involves the claim of as many as seventeen workmen who have been named in the order of reference. The claim of the union is that the workmen named in the order of reference be upgraded from Clerical Gr. II to Gr. I. This shows that the seventeen workmen named in the order of reference were in Clerical Gr. II at the time the dispute arose. Management in its written statement admits that upgradation/promotion from Gr. II to Gr. I according to norm followed by the management is made on the basis of areawise seniority subject to satisfactory performance. This stand of the management is borne out from the circular Ext. M-1 which has been marked on admission by the parties. It is also admitted by the management in its written statement that there was upgradation/promotion of some clerks from Gr. II to Gr. I in September 1977 in pursuance to the recommendation of the Departmental Promotion Committee. At the time of making this upgradation/promotion areawise seniority was not however considered and recommendations were made by the Departmental Promotion Committee on the basis of colliery-wise seniority which was accepted and given effect to by the management. Ext. M-2 a document filed by the management and marked after formal proof was waived by the union shows that in the area in question there are as many as six collieries. Therefore according to the circular Ext. M-1 which prescribes the norm to be followed for upgradation/promotion of clerks from G. II to Gr. I seniority of clerks in the entire area consisting of six collieries should have been considered. But admittedly as seen from the written statement of the management and as conceded by Mr. R. Joshi for the management this was not done and

By Order No. L-20012/159/80-D.III(A) dated the 8th/9th December, 1980, the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited. At and Post Office Bhagaband, District Dhanbad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule attached to the order referred the same for adjudication to this Tribunal. The schedule attached to the order reads thus:

"Whether the demand of the workmen of Bhagaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, at and Post Office Bhagaband, Distt. Dhanbad for upgradation of the workmen detailed in the Annexure below from clerical grade-II to clerical Grade-I is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled and from which date?"

Departmental Promotion Committee recommended cases for upgradation/promotions on the basis of seniority in individual collieries. Such being the position the union's case that the case of the concerned workmen was over-looked by the Departmental Promotion Committee on account of following a wrong procedure contrary to the procedure laid down in Ext. M-1 has to be accepted. Mr. Bose only says that in view of the admitted position that the management has not followed the procedure laid down in Ext. M-1 for upgradation/promotions of clerks from Gr. II to Gr. I in September 1977 it should be asked to consider the case of the concerned workmen in accordance with the procedure laid down in Ext. M-1 afresh on the basis of the position that was existing immediately before the Departmental Promotion Committee made its recommendations in September, 1977 and to promote/upgrade those clerks in Gr. II to I according to areawise seniority subject to their satisfactory performance. This contention of Mr. Bose is fully justified. I, therefore, hold that the cases of the concerned workmen for upgradation/promotion from Gr. II to Gr. I are to be considered by the management afresh on the basis of the position that existed just before the Departmental Promotion Committee of the management considered some cases of upgradation/promotion in September 1977 as admitted in the management's written statement according to the procedure laid down in Ext. M-1 and that on such consideration those of the concerned workmen who would fulfil the norm prescribed under Ext. M-1 (management's circular No. BCCL/PA-II/77/31000-80 dated 20th June, 1977) will be entitled to upgradation/promotion from Gr. II to Gr. I will effect from the date they will be found fit. The reference is answered accordingly. There will be no order for costs. The departmental promotion committee of the management will consider the cases of the concerned workmen within three months from the date when the award came into force.

B. K. RAY, Presiding Officer.

[No. L-20012(159)/80-D.III(A)]

P. V. SREEDHARAN, Desk Officer.

